Kalindi College

कालिंदी महाविद्यालय

(NAAC Accredited 'A' Grade)

University of Delhi

Prospectus 2022

प्रवेश अनुसूची

प्रेस विज्ञप्ति

दिल्ली विश्वविद्यालय शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए स्नातक प्रवेश में प्रवेश के लिए सामान्य सीट आवंटन प्रणाली (सीएसएएस) के चरण III के लिए कार्यक्रम जारी कर रहा है।

विश्वविद्यालय खाली सीटों की उपलब्धता के अधीन नियमित सीएसएएस आवंटन-सह-प्रवेश दौर और स्पॉट प्रवेश दौर के तीन दौर की घोषणा करेगा। पहले सीएसएएस दौर की घोषणा से पहले, विश्वविद्यालय एक 'सिम्युलेटेड सूची' जारी करेगा जिसके माध्यम से उम्मीदवार कॉलेज के एक कार्यक्रम में प्रवेश हासिल करने की अपनी संभावनाओं का आकलन करने में सक्षम होंगे। 'सिम्युलेटेड लिस्ट' की घोषणा के बाद, उम्मीदवारों को अपनी प्राथमिकताओं को फिर से व्यवस्थित करने के लिए दो और दिन प्रदान किए जाएंगे।

1. सीएसएएस के चरण I और चरण II का विस्तार

उन उम्मीदवारों के व्यापक हित में जो अभी भी अपनी वरीयता तय करने की प्रक्रिया में हैं, विश्वविद्यालय ने चरण I और चरण II की अंतिम तिथि दो दिन बढ़ा दी है। सीएसएएस का चरण I और चरण II अब उम्मीदवारों के लिए बुधवार, 12 अक्टूबर, 2022 को शाम 04:59 बजे तक खुला रहेगा।

उम्मीदवारों को इस विस्तार अवधि का लाभ उठाने की सलाह दी जाती है और वे उनके लिए उपलब्ध प्राथमिकताओं पर फिर से विचार कर सकते हैं। उन्हें कॉलेज-कार्यक्रम वरीयता गणना का उल्लेख करना चाहिए और तदनुसार कार्यक्रमों और कॉलेजों का चयन करना चाहिए। उम्मीदवार विस्तारित समय अवधि में अधिक कार्यक्रम + कॉलेज संयोजन भी जोड़ सकते हैं।

बुधवार, 12 अक्टूबर, 2022 को शाम 04:59 बजे तक उम्मीदवार द्वारा सहेजी गई प्राथमिकताएं सिस्टम द्वारा ऑटो-लॉक हो जाएंगी और आवंटन उद्देश्य के लिए अंतिम मानी जाएंगी।

जैसा कि पहले ही सलाह दी गई है, यह दोहराया जाता है कि सीएसएएस के तहत आवंटन की अपनी संभावनाओं को अधिकतम करने के लिए उम्मीदवारों को "उपलब्ध वरीयताएँ" के तहत विश्वविद्यालय द्वारा उन्हें दी जाने वाली अधिकतम कार्यक्रम प्लस कॉलेज वरीयताओं का चयन करना चाहिए।

सीएसएएस के तहत आवंटन के लिए केवल "चयनित वरीयताएँ" के तहत उम्मीदवारों द्वारा सहेजे गए प्रोग्राम प्लस कॉलेज वरीयताओं पर विचार किया जाएगा।

2. सुधार खिड़की

उन उम्मीदवारों को एक सुधार विंडो भी प्रदान की जा रही है जो पहले ही अपना चरण I / चरण II पूरा कर चुके हैं और कुछ क्षेत्रों को संपादित / संशोधित करना चाहते हैं। सुधार विंडो बुधवार, 12 अक्टूबर, 2022 को शाम 04:59 बजे तक खुली रहेगी।

यह ओबीसी-एनसीएल, ईडब्ल्यूएस, एससी, एसटी, अल्पसंख्यक, पीडब्ल्यूबीडी और सीडब्ल्यू उम्मीदवारों के लिए एक बार की सुविधा है जो अपने अद्यतन दस्तावेजों / प्रमाण पत्रों को फिर से अपलोड करना चाहते हैं। प्रवेश के प्रयोजन के लिए केवल सीएसएएस पोर्टल पर अपलोड किए गए दस्तावेजों/प्रमाणपत्रों पर विचार किया जाएगा।

उम्मीदवारों को सुधार विंडो में निम्नलिखित क्षेत्रों को संपादित/संशोधित करने की अनुमति नहीं होगी:

a. उम्मीदवार का नाम
b. उम्मीदवार का फोटो
c. उम्मीदवार के हस्ताक्षर
d. उम्मीदवार का लिंग
e. उम्मीदवार की पंजीकृत ईमेल आईडी
f. उम्मीदवार का मोबाइल नंबर
g. उम्मीदवार की श्रेणी

जिन उम्मीदवारों ने सीएसएएस के चरण I में आवेदन करते समय ईसीए और स्पोर्ट्स सुपरन्यूमेरी कोटा का चयन नहीं किया, उन्हें इस स्तर पर ऐसा करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

3. सीएसएएस आवंटन-सह-प्रवेश कार्यक्रम

सामान्य सीट आवंटन प्रणाली (सीएसएएस) -2022 के माध्यम से स्नातक कार्यक्रमों में आवंटन-सह-प्रवेश की अनुसूची

	काम	समय और तिथियां
सीएसएएस का चरण I और चरण II	विस्तार चरण I: सामान्य सीट आवंटन प्रणाली के लिए आवेदन करना चरण II: सीएसएएस में कार्यक्रम और कॉलेजों के लिए वरीयता-भरना	बुधवार, 12 अक्टूबर, 2022 शाम 04:59 बजे तक

	सुधार खिड़की	05:00 बजे मंगलवार, 11 अक्टूबर, 2022 04:59 बजे गुरुवार, 13 अक्टूबर, 2022
	सीएसएएस वरीयताएँ ऑटो-लॉक करता है	05:00 अपराह्नगुरुवार, 13 अक्टूबर, 2022
नकली सूची	नकली सूची की घोषणा	05:00 बजे शुक्रवार, 14 अक्टूबर, 2022
	वरीयता बदलें विंडो	05:00 बजे शुक्रवार, 14 अक्टूबर, 2022- 04:59 अपराह्नरविवार, 16 अक्टूबर 2022
सीएसएएस आवंटन और प्रवेश का पहला दौर	पहली सीएसएएस आवंटन सूची की घोषणा	05:00 बजे मंगलवार, 18 अक्टूबर, 2022
	उम्मीदवारों को आवंटित सीट को "स्वीकार" करने के लिए	10:00 पूर्वाह्न बुधवार, 19 अक्टूबर, 2022 - 04:59 अपराह्नशुक्रवार, 21 अक्टूबर, 2022
	ऑनलाइन आवेदनों को सत्यापित और स्वीकृत करने के लिए कॉलेज	10:00 पूर्वाह्न बुधवार, 19 अक्टूबर, 2022 - 05:00 बजे शनिवार, 22 अक्टूबर, 2022
	उम्मीदवारों द्वारा प्रवेश शुल्क के ऑनलाइन भुगतान की अंतिम तिथि	0 . तक4:59 बजेसोमवार, 24 अक्टूबर, 2022
सीएसएएस आवंटन और प्रवेश का दूसरा दौर	रिक्त सीटों का प्रदर्शन	05:00 बजे मंगलवार, 25 अक्टूबर, 2022
	उच्च वरीयताएँ पुनः क्रमित करने के लिए विंडो	05:00 बजे मंगलवार, 25 अक्टूबर, 2022 - 04:59 अपराह्नगुरुवार, 27 अक्टूबर, 2022
	द्वितीय सीएसएएस आवंटन सूची की घोषणा	05:00 अपराह्न रविवार, 30 अक्टूबर, 2022
	उम्मीदवारों को आवंटित सीट को "स्वीकार" करने के लिए	10:00 पूर्वाह्न सोमवार, 31 अक्टूबर, 2022 - 04:59 अपराह्न, मंगलवार, 01 नवंबर, 2022

	ऑनलाइन आवेदनों को सत्यापित और स्वीकृत करने के लिए कॉलेज	10:00 पूर्वाह्न सोमवार, 31 अक्टूबर, 2022 - 05:00 अपराह्न, बुधवार, 02 नवंबर, 2022
	उम्मीदवारों द्वारा प्रवेश शुल्क के ऑनलाइन भुगतान की अंतिम तिथि	04:59 अपराह्नगुरुवार, 03 नवंबर, 2022
सीएसएएस आवंटन और प्रवेश का तीसरा दौर (ईसीए, खेल, सीडब्ल्यू और सुपरन्यूमरी कोटा के साथ*	रिक्त सीटों का प्रदर्शन	05:00 अपराह्न शुक्रवार, 04 नवंबर, 2022
	मध्य-प्रवेश, उच्च वरीयताएँ पुन: क्रमित करने के लिए विंडो	10:00 पूर्वाह्न शनिवार, 05 नवंबर, 2022- 04:59 अपराह्नसोमवार, 07 नवंबर, 2022
	तीसरी सीएसएएस आवंटन सूची की घोषणा	05:00 बजे गुरुवार, 10 नवंबर, 2022
	उम्मीदवारों को आवंटित सीट को "स्वीकार" करने के लिए	10:00 पूर्वाह्न शुक्रवार, 11 नवंबर, 2022- 04:59 अपराह्नरविवार, 13 नवंबर, 2022
	ऑनलाइन आवेदनों को सत्यापित और स्वीकृत करने के लिए कॉलेज	10:00 पूर्वाह्न शुक्रवार, 11 नवंबर, 2022- 05:00 बजे सोमवार, 14 नवंबर, 2022
	उम्मीदवारों द्वारा प्रवेश शुल्क के ऑनलाइन भुगतान की अंतिम तिथि	04:59 अपराह्नमंगलवार, 15 नवंबर, 2022
सीएसएएस आवंटन और प्रवेश का पहला स्पॉट राउंड	रिक्त सीटों के लिए प्रथम स्पॉट आवंटन दौर की घोषणा	05:00 बजे गुरुवार, 17 नवंबर, 2022
	स्पॉट एलोकेशन राउंड के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवार	10:00 पूर्वाह्न शुक्रवार, 18 नवंबर, 2022- 04:59 अपराह्नशनिवार, 19 नवंबर, 2022
	प्रथम स्थान आवंटन सूची की घोषणा	05:00 बजे मंगलवार, 22 नवंबर, 2022
	उम्मीदवारों को आवंटित सीट को "स्वीकार" करने के लिए	10:00 पूर्वाह्न बुधवार, 23 नवंबर, 2022 - 04:59 अपराह्नगुरुवार, 24 नवंबर, 2022

	ऑनलाइन आवेदनों को सत्यापित और स्वीकृत करने के लिए कॉलेज	10:00 पूर्वाह्न बुधवार, 23 नवंबर, 2022 - 05:00 बजे शुक्रवार, 25 नवंबर, 2022
	उम्मीदवारों द्वारा प्रवेश शुल्क के ऑनलाइन भुगतान की अंतिम तिथि	04:59 अपराह्नशनिवार, 26 नवंबर, 2022

रिक्त सीटों की उपलब्धता, यदि कोई हो, के अधीन विश्वविद्यालय अधिक स्पॉट राउंड की घोषणा कर सकता है।

*ईसीए, खेलकूद और अन्य अतिरिक्त आवंटन और प्रवेश से संबंधित दिशानिर्देशों के लिए वेबसाइट (admission.uod.ac.in) देखें।

4. <u>अनुसूचित जाति (एससी)/अनुसूचित जनजाति (एसटी) श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए सलाह</u>

पंजीकरण के आंकड़ों से यह देखा गया है कि एससी और एसटी वर्ग के उम्मीदवारों के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने के पर्याप्त अवसर हैं। विश्वविद्यालय सीएसएएस चरण I और II के माध्यम से आवेदन करने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवेश पाने के इच्छुक अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों को प्रोत्साहित करता है।

सीटों को बेहतर ढंग से भरने के लिए, विश्वविद्यालय पहले सीएसएएस आवंटन दौर में अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए 30% अतिरिक्त सीटें आवंटित करेगा।

उम्मीदवारों को फिर से सलाह दी जाती है कि वे उनके लिए उपलब्ध सभी प्राथमिकताओं का चयन करें।

रजिस्ट्रार

10 अक्टूबर, 2022

विषयसूची

1	अभिविन्यास		1
2	प्राचार्य के डेस्क से		2
3	कालिंदी का विजन: लक्ष्य, उद्देश्य और एक रोडमैप की कल्पना करना		3
4	एक नजर में कॉलेज		7
5	कॉलेज पोर्टल्स के भीतर जीवन		9
	A	एनसीडब्ल्यूईबी	9
	B	कोचिंग और उपचारात्मक	9
	C	आंतरिक समिति	10
	D	एंटी रैगिंग कमेटी	11
	E	उपस्थिति समिति	13
	F	पूर्व छात्र समिति और पूर्व छात्र संघ	14
	G	छात्र संघ	15
	H	ईसीए	16
	I	इको क्लब	18
	J	लहरें	18
	K	आईक्यूएसी	19
	L	एनएसएस	20
	M	एनसीसी	21
	N	एनएसओ	22
	O	डब्ल्यूडीसी	22
	P	समान अवसर प्रकोष्ठ	23
	Q	सामाजिक उत्तरदायित्व प्रकोष्ठ	24
	R	डॉ बीआर अंबेडकर स्टडी सेंटर	25
	S	गांधी स्टडी सर्कल	25
	T	प्लेसमेंट सेल	26
	U	एससी/एसटी सेल	27
	V	पूर्वोत्तर छात्र प्रकोष्ठ	28
	W	बाहरी और विदेशी छात्र प्रकोष्ठ	30
	X	पीटीएसआई	31
	Y	तंबाकू विरोधी समिति	32

	Z	आईबीएसडी	32
	AA	वार्षिक अकादमिक जर्नल	33
	AB	शॉर्ट-टर्म ऐड-ऑन कोर्स	34
	AC	मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम	24
	AD	पुस्तकालय	27
	AE	साइबर सेंटर	38
6	यूजीसीएफ 2022 - तीन वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (क्या यह प्रमुख होना चाहिए?)		39
7	विभाग		44
8	शुल्क संरचना		81
9	प्रॉक्टोरियल बोर्ड		84
10	महिला सुरक्षा		86
11	कॉलेज नियम और विनियम (पिछली बार के समान)		87
12	प्रवेश समितियां		91
	A	हेल्प डेस्क और छात्र कल्याण समिति	91
	B	छात्र शिकायत समिति	91
	C	विशेष वर्ग (एससी/एसटी/ओबीसी/पीडब्ल्यूडी/ईडब्ल्यूएस) प्रवेश समिति	91
17	कॉलेज प्रशासन		93
18	कुछ झलकियाँ		94
	A	कालिंदी एक नजर में	94
	B	घटनाएँ और गतिविधियाँ	97
	C	कॉलेज लेआउट और रोडमैप	99
19	विवरणिका समिति		100

अभिविन्यास

प्रथम वर्ष की छात्राओं के लिए कालिंदी महाविद्यालय शैक्षणिक सत्र 2022-23 प्रारंभ होने वाला है।

कालिंदी कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय का एक प्रमुख संस्थान है जिसने विभिन्न विषयों में शीर्ष श्रेणी के वैश्विक स्तर के विशेषज्ञों का निर्माण किया और अपनी प्रतिष्ठा को बरकरार रखा है। कॉलेज की स्थायी विरासत का हिस्सा बनने के लिए नए छात्रों के बैच का हम स्वागत करते हैं। सभी छात्राओं और अभिभावकों को कॉलेज की सुविधाओं के साथ-साथ कॉलेज के नियमों और विनियमों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी से अवगत कराया जाएगा। जिसमें शैक्षणिक कैलेंडर, आंतरिक मूल्यांकन, सोसाइटी की गतिविधियों, सह-पाठ्यचर्या और पाठ्येतर गतिविधियों, अनुशासन, एंटी-रैगिंग नियम, शुल्क रियायतें, अल्पकालिक ऐड-ऑन पाठ्यक्रम, स्वच्छता आदि के बारे में आवश्यक जानकारी साझा की जाएगी हैं। इससे छात्रों को संस्थान के लोकाचार और परिवेश से परिचित होने में मदद मिलेगी और वे अगले तीन वर्षों के लिए एक हिस्सा होंगे। कॉलेज ओरिएंटेशन कार्यक्रम के साथ ही विभागीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम की तारीखें कॉलेज की वेबसाइट पर साझा की जाएंगी।

अधिक और अद्यतन जानकारी के लिए कृपया कॉलेज की वेबसाइट देखें।

प्राचार्या सन्देश

प्रिय छात्राओं,

कालिंदी कॉलेज के संकाय और प्रशासन की ओर से, मैं इस प्रतिष्ठित संस्थान में शामिल होने के लिए आप सभी का स्वागत करती हूँ। कॉलेज में उत्साही छात्राओं के नए बैच का स्वागत करते हुए मुझे खुशी हो रही है। 1967 में केवल 599 स्नातक छात्रों के साथ कालिंदी कॉलेज का आरम्भ हुआ। तब से, हम एक लंबा सफर तय कर चुके हैं। आज कॉलेज में 3791 से अधिक नियमित स्नातक, 437 नॉन-कॉलेजिएट, एस.ओ.एल. और स्नातकोत्तर छात्राएँ पढ़ रहीं हैं। वर्षों से यह हमारे छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों की कड़ी मेहनत और समर्पणका परिणाम है कि आज हमारे महाविद्यालय में कुल 26 पाठ्यक्रम है, जिनमें से 21 विषयों की एक श्रृंखला तथा 5 एड ऑन पाठ्यक्रम हैं,वर्षों के इस विस्तार और विविधीकरण पर हम गौरवान्वित हैं। महाविद्यालय को इस उपलब्धि को नैक द्वारा "ए" ग्रेड की मान्यता के साथ मान्यता प्रदान की गई। यह महाविद्यालय की प्रतिष्ठा का सूचक है। शिक्षा, खेलकूद और पाठ्येतर गतिविधियों के क्षेत्रों में सभी के संयुक्त प्रयासों के परिणाम स्वरुप कालिंदी कॉलेज को नैक से "ए" ग्रेड प्राप्त हुआ है। अपनी छात्राओं के प्रति समर्पित सेवा के 55 गौरवशाली वर्ष कालिंदी कॉलेज ने पूरे कर लिए हैं, जिसमें हम "ज्ञानं शिलं धर्मश्चैव भूषणम्" शब्दों में निहित अपने आदर्श वाक्य

ज्ञान, शील और कर्तव्य के तीन गुणों के प्रति सम्मान के साथ के साथ खड़े हैं। यही वे संस्कार हैं जो हम अपने सभी छात्राओं में डालना चाहते हैं जो कॉलेज की विरासत को आगे बढ़ाएंगे। मुझे पूरी उम्मीद है कि आप सभी हमारी संस्था द्वारा प्रदान किए गए सभी संसाधनों और अवसरों का विवेकपूर्ण उपयोग करेंगे और हमारे युवा उत्साह को नई ऊंचाइयों और क्षितिज की ओर ले जाने के लिए प्रेरित करेंगे।

कालिंदी कॉलेज अकादमिक और सह-पाठयक्रम गतिविधियों दोनों में अग्रणी स्थान रखता है। हम बेहतरीन शिक्ष्नाधिगम परिवेश निर्मित करने के लिए समर्पित हैं जहां छात्राएँ अकादमिक, खेल और पाठ्येतर गतिविधियों में अपने कौशल को सुधार सकते युवा मस्तिष्कों को उनकी पूर्ण व्यक्तिगत क्षमता हासिल करने में मदद करना हमारा मूल ध्येय है इसके साथ ही उन्हें सामाजिक विकास में योगदान करने और वैश्विक परिप्रेक्ष्य हासिल करने के लिए प्रेरित करना है। हमारे कुशल प्रोफेसरों की निगरानी में, छात्राओं को अनुसंधान में शामिल करने, उनकी विश्लेषणात्मक, महत्वपूर्ण सोच, व्यावहारिक और अभिनव कौशल को अधिकतम को अधिकतम रूप में विकसित करने के लिए महाविद्यालय ने विभिन्न विषयों में एक विशिष्ट कॉर्पस फंड विकसित किया है।इसमें महाविद्यालय के विशेषज्ञ और प्रतिबद्ध संकाय सदस्य शामिल हैं जो नियमित शिक्षण और मूल्यांकन कर्तव्यों के अतिरिक्त अनुसंधान और संस्थागत जिम्मेदारियों में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं। हमारे विद्वान संकाय सदस्य छात्राओं को शैक्षिक प्रशिक्षण और मार्गदर्शन की उच्चतम गुणवत्ता प्रदान करने के लिए समर्पित हैं। हमारे निरंतर और उत्साही प्रयास का उद्देश्य तदनुसार, अकादमिक कार्यशालाओं, संगोष्ठियों और सम्मेलनों जैसे असंख्य आयोजनों के आयोजन के माध्यम से छात्राओं को अकादमिक, छात्रवृत्ति, और तकनीकी शिक्षा के भीतर उभरती प्रवृत्तियों और प्रगति पर अद्यतन रखना है। हमारी उपस्थिति नीतियां यह सुनिश्चित करने के लिए स्थापित की गई हैं कि छात्र नियमित रूप से कक्षाओं में भाग लें और अपने कॉलेज के अनुभव का अधिकतम लाभ उठाएं। छात्र नियमित रूप से कक्षाओं में भाग लें और अपने कॉलेज के अनुभव का अधिकतम लाभ उठाएं इसके लिए महाविद्यालय ने उपस्थिति नीतियां सुनिश्चित की हैं । महाविद्यालय योग्य छात्राओं को विभिन्न श्रेणियों से संबंधित छात्रवृत्ति और पुरस्कार भी प्रदान करता है। साथ ही, नियमित रूप से पीटीएसआई बैठकें (अभिभावक शिक्षक छात्र इंटरफेस बैठकें) आयोजित की जाती हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि संचार का चैनल, जिसके माध्यम से प्रतिक्रिया और सुझाव लिए जाते हैं, अखंड रहे। हमारा प्राथमिक ध्यान अपने छात्रों की शैक्षणिक क्षमता को पूरा करना।

कालिंदी में, हम औपचारिक शिक्षा के अलावा एक समग्र शिक्षा प्रदान करने में विश्वास करते हैं जो विश्वविद्यालय के ढांचे के भीतर मौजूद है। इसलिए, मुझे आप सभी को यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि कालिंदी ने शिक्षा, खेल और पाठ्येतर गतिविधियों में अपने छात्रों की असाधारण उपलब्धियों के कारण एक विशिष्ट प्रतिष्ठा प्राप्त की है। कालिंदी महविद्यालय ने वर्ष दर वर्ष विभिन्न विषयों में विश्वविद्यालय रैंक धारकों की संख्या में वृद्धि की है। हमारा उत्कृष्ट अकादमिक प्रदर्शन हमारे छात्रों

100% प्रतिशत अंकों में, ओ और ए + ग्रेड प्राप्त करने में लगातार वृद्धि की है। इसके अलावा, एथलेटिक्स, पावर लिफ्टिंग, बॉक्सिंग, कुश्ती, फुटबॉल, बैडमिंटन, जूडो, ताइक्वांडो, और किकबॉक्सिंग सहित अन्य खेलों में, हमारे छात्रों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तरों सहित विभिन्न मंचों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है और प्रतिष्ठित पुरस्कार जीते हैं।

हर स्तर पर छात्राओं की सहायता करने का प्रयास में कालिंदी कॉलेज के 84 सदस्यों की उच्च योग्य प्रशासनिक और तकनीकी कर्मचारियों का गठन किया। संस्था सुचारू रूप से चले ये सदस्य सदा इसके लिए प्रयत्नशील रहतें हैं। कॉलेज अपने कर्मचारियों और छात्राओं की स्वच्छता, सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए महाविद्यालय में स्वच्छता अत्यधिक प्राथमिकता देता है। हम अपने संस्थान में छात्रों के लिए एक पोषण वातावरण बनाने के लिए अपनी पूरी कोशिश करते हैं, और इसके लिए हमारे पास किसी भी प्रकार के भेदभाव के लिए शून्य सहनशीलता की नीति है। किसी भी प्रतिकूल घटना या अभ्यास को रोकने और उससे निपटने के लिए, कालिंदी की एक मजबूत एंटी-रैगिंग नीति है और किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधियों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक उपाय हैं। हमारे संस्थान में आंतरिक शिकायत प्रकोष्ठ छात्राओं को उनकी शिकायतों को दर्ज करने के लिए एक निष्पक्ष और खुला मंच प्रदान करता है, जिसका तुरंत समाधान किया जाता है। जाति और लिंग भेदभाव से जुड़े मुद्दों के प्रति छात्राओं को संवेदनशील और शिक्षित करने तथा उनका समाधान करने के लिए, हमारे पास एक सक्रिय अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ और एक महिला विकास प्रकोष्ठ है। इसके अतिरिक्त, डॉ. बी.आर. अम्बेडकर स्टडी सेंटर और गांधी स्टडी सर्कल छात्रों को जाति के मुद्दों और राष्ट्र निर्माण के मूल्यों के बारे में शिक्षित करके इस दिशा में काम करते हैं।

जैसा कि स्पष्ट है, पिछले शैक्षणिक वर्ष से शिक्षण और अधिगम आभासी से भौतिक मोड में आरम्भ कर दिया गया था। हम सभी ने बड़ी दृढ़ता, बहादुरी और धैर्य के साथ अभूतपूर्व परिस्थितियों को पार किया है। अकादमिक जगत को भी इसी तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ा, और हमने कालिंदी में ऑनलाइन के साथ-साथ ऑफलाइन शिक्षण और सीखने को अपने सभी छात्रों के लिए कुशल और सुलभ बनाने के लिए सभी संभव उपाय किए हैं। हमने ऑनलाइन परीक्षा (ओबीई) के अलावा कई शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को ऑनलाइन प्रभावी ढंग से संचालित करने में सभी बाधाओं पर विजय प्राप्त की। हमारे प्रोफेसरों, कर्मचारियों और सबसे महत्वपूर्ण रूप से समर्पित छात्रों की मदद से, हमने कई चुनौतियों को सफलतापूर्वक फायदे में बदल दिया है।

प्राचार्या की कलम से इस ईमानदार संदेश के साथ, मैं आप सभी का औपचारिक रूप से कालिंदी कॉलेज में स्वागत करने का बेसब्री से इंतजार कर रहीं हूं, जो एक समृद्ध अधिगम परिवेश के साथ एक समावेशी परिसर अनुभव प्रदान करने के लिए गहराई से प्रतिबद्ध है।

मैं अकादमिक उत्कृष्टता और जीवन के प्रति एक सशक्त दृष्टिकोण की खोज में एक यात्रा शुरू करने के लिए तत्पर हूं।

कालिंदी कॉलेज: लक्ष्य, उद्देश्य और रोडमैप की कल्पना करना

दिल्ली विश्वविद्यालय के एक प्रमुख संस्थान कालिंदी महाविद्यालय ने समाज में महत्वपूर्ण योगदान दिया है जो विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों और सम्मानों में परिलक्षित होता है। हमारा कॉलेज पूर्व छात्रों के रूप में विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों, शिक्षाविदों और विद्वानों का दावा कर सकता है। कॉलेज में जिम्मेदार और अच्छी तरह से गोल नागरिकों का निर्माण करके राष्ट्रीय समुदाय की सेवा की एक लंबी परंपरा है। महाविद्यालय पटेल नगर में 8.25 एकड़ का परिसर तक फैला है। यह उत्कृष्ट बुनियादी ढांचा प्रशिक्षण, अनुसंधान और नवाचार ब्लॉक, एम्फीथिएटर, नई रसायन प्रयोगशाला, छात्र सुविधा ब्लॉक और खेल उपयोगिता केंद्र, जिमनासिया, शिक्षक साइबर सेंटर, अतिरिक्त सुरक्षा गेट, विज्ञान ब्लॉक में अतिरिक्त कमरे जैसे विभिन्न घटकों से बना है। पार्किंग क्षेत्र, अगस्त क्रांति पार्क, सरस्वती पार्क, बुद्ध पार्क, बटरफ्लाई पार्क, हर्बल गार्डन, रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के साथ-साथ नवनिर्मित प्रशासनिक ब्लॉक, अकादमिक ब्लॉक और थीम पार्क, नव स्थापित आरओ-वाटर प्यूरीफाइंग सिस्टम, अग्निशामक, सैनिटरी नैपकिन डिस्पेंसर। हाल ही में, कुल 31 परियोजनाएं पूरी की गई हैं और अन्य पाइपलाइन में हैं। हमारे दूरदर्शी शासी निकाय के अथक समर्थन के साथ, हमें आशा है कि गर्ल्स हॉस्टल को पूरा करने, ऑडिटोरियम, बॉटनी और जूलॉजी संग्रहालयों के नवीनीकरण और बास्केटबॉल कोर्ट और बैडमिंटन कोर्ट के निर्माण की हमारी आगामी योजना जल्द ही पूरी होगी। हम अपनी छात्राओं की व्यापक जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने बुनियादी ढांचे के सुधार की दिशा में अथक प्रयास कर रहे हैं।

21 प्रमुख शैक्षणिक पाठ्यक्रमों के अलावा, कॉलेज विदेशी भाषाओं में 5 समकालीन अल्पकालिक ऐड-ऑन सर्टिफिकेट कोर्स भी प्रदान करता है जैसे फ्रेंच और चीनी, यात्रा और पर्यटन, संचार कौशल और व्यक्तित्व विकास, और कौशल विकास। ये ऐड-ऑन पाठ्यक्रम छात्राओं को उन कौशलों को प्राप्त करने और सम्मानित करने में सहायता करते हैं जिसकी समकालीन वैश्विक बाजार में बहुत मांग हैं। कालिंदी कॉलेज, अपने नियमित छात्रों के अलावा, गैर-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड के साथ-साथ स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग सेंटर के छात्रों को भी पूरा करता है। 199 प्रतिष्ठित शिक्षण संकाय की योग्य टीम, जो संस्थागत जिम्मेदारियों के अलावा शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से लगी हुई है तथा एक 86 सदस्य कुशल और सहकारी प्रशासनिक/तकनीकी/सहायक कर्मचारी, कॉलेज गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सर्वांगीण विकास प्रदान करने के लिए प्रयासरत है। यहाँ दुनिया भर से इसके 7,400 से अधिक छात्राएं है।

एक वैश्वीकृत शैक्षणिक बुनियादी ढांचे की खोज में हम हमारे छात्रों को विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करने के लिए कॉलेज ने हमारे संस्थान में उपलब्ध सुविधाओं को संशोधित करने के लिए कई पहल की हैं। हमारे युवा छात्राओं को सर्वोत्तम सुविधाएं और संसाधन प्रदान करने के प्रयास में, महाविद्यालय ने

240 बिस्तरों वाले 80 कमरों वाले एक गर्ल्स हॉस्टल के उद्घाटन के साथ अपने बुनियादी ढांचे को और बढ़ाने की कल्पना की है, जिसके जल्द ही पूरा होने की उम्मीद है। वर्तमान में, अतिरिक्त स्वीकृत परियोजनाएं भी हैं जिन्हें जल्द शुरू किया जायेगा जैसे संगम परिसर का नवीनीकरण; परिसर का पूर्ण विद्युतीकरण; पुस्तकालय का विस्तार और सीवर प्रणाली में सुधार। इसके अतिरिक्त 8 नई परियोजनाएं पाइपलाइन में हैं जो निकट भविष्य में शुरू की जाएंगी, जिसमें विज्ञान ब्लॉक का विस्तार, शैक्षणिक ब्लॉक का विस्तार, खेल मैदान का विकास, विकलांगों के लिए लिफ्ट का प्रावधान शामिल है। छात्रों और शिक्षकों की सुरक्षा उद्देश्यों के लिए 40 अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरों की स्थापना, और कॉलेज के लिए एक केंद्रीकृत सार्वजनिक-संबोधन प्रणाली।

कॉलेज का कक्षा शिक्षण और शैक्षणिक नवाचार पर एक मजबूत फोकस है। अकादमिक दुनिया में विकास के साथ तालमेल रखते हुए, कालिंदी महाविद्यालय अनुसंधान, विकास और नवाचार पर केंद्रित है। हम अधिगम को सरल बनाने के लिए कक्ष से परे, छात्रों को प्रोफेसरों द्वारा प्रदान की गई करीबी बातचीत और सलाह के माध्यम से अपने महत्वपूर्ण और विश्लेषणात्मक कौशल का अध्ययन और विकास करने के लिए प्रयास प्रोत्साहित करते हैं।

पाठ्यचर्या योजनाओं और पाठ्यक्रम-पूर्णता रिपोर्टों के माध्यम से, छात्रों के लाभ के लिए शिक्षण को सुव्यवस्थित किया गया है। कोविड के बाद की दुनिया में शिक्षण-प्रशिक्षण की परिवर्तित प्रकृति को देखते हुए, हमने कॉलेज की वेबसाइट सहित विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर छात्रों के लिए ई-संसाधन उपलब्ध कराने पर बहुत जोर दिया है। हमारे प्रोफेसर अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर संगोष्ठियों और कार्यशालाओं के संगठन के माध्यम से हमारे छात्रों को विश्व स्तरीय शिक्षा और प्रशिक्षण देने का प्रयास करते हैं, जिसमें प्रख्यात विद्वानों को शामिल किया जाता है जो कक्षा की व्यस्तता को पूरक करते हैं। हाल ही में, छात्र परामर्श को एक मेंटर-मेंटी प्रोग्राम के माध्यम से औपचारिक रूप दिया गया है जिसका उद्देश्य छात्रों को उनकी सफलता के मार्ग में शैक्षणिक और मनोवैज्ञानिक बाधाओं को नेविगेट करने में सहायता करना है। छात्राओं के व्यक्तित्व के समग्र विकास के हर एक पहलू पर उचित ध्यान दिया जाता है। चिकित्सकीय देखभाल और मनोवैज्ञानिक परामर्श कॉलेज में हमेशा एक पूर्ण स्टाफ रहता है यहाँ एक चिकित्सा कक्ष है जिसमें तमाम बेहतरीन स्टॉक मौजूद है तथा कॉल पर एक पेशेवर मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता के साथ होता है।

कालिंदी महाविद्यालय नागरिकों के एक वर्ग के पोषण और सम्मान के अपने दृष्टिकोण के लिए प्रतिबद्ध है, जो सपने देखने वालों और नवप्रवर्तकों के वैश्विक समुदाय में अपने योगदान से देश को गौरवान्वित करेगा।

कॉलेज एक नजर में

सुविधाएं और बुनियादी ढांचा

- बड़े, हवादार कक्षाएँ
- एलसीडी प्रोजेक्टर के साथ 25 कक्षाएं
- शिक्षण, अनुसंधान और नवाचार ब्लॉक
- पूरी तरह से सुसज्जित आधुनिक प्रयोगशालाएं
- वनस्पति विज्ञान और प्राणी विज्ञान के अलग संग्रहालय
- दृश्य श्रव्य शिक्षण सहायक सामग्री के साथ कंप्यूटर विज्ञान प्रयोगशाला
- श्रव्य शिक्षण सहायक सामग्री के साथ विज्ञान
- उत्पादन नियंत्रण कक्ष
- बेहतरीन भंडारित पुस्तकालय
- संगोष्ठी कक्ष (प्रशासनिक ब्लॉक)
- बी.वोक के लिए नई कंप्यूटर लैब
- समिति कक्ष (प्रशासनिक ब्लॉक)
- सम्मेलन कक्ष (टीआरआई ब्लॉक)
- ट्यूटोरियल क्यूबिकल्स (अकादमिक ब्लॉक)
- सभागार (संगम परिसर-विस्तार की प्रक्रिया के तहत)
- एम्फीथिएटर (उनमुक्त परिसर)
- छात्र साइबर सेंटर
- शिक्षक साइबर केंद्र
- उद्यान: थीम पार्क, सरस्वती पार्क, हर्बल गार्डन, अगस्त क्रांति पार्क, बुद्ध पार्क
- कम्पोस्ट मशीन
- कन्वेंशन सेंटर और छात्र सुविधाएं ब्लॉक
- गर्ल्स हॉस्टल (निर्माणाधीन-240 बिस्तर)
- जिम
- बहु सुविधा खेल उपयोगिता केंद्र
- नया स्टाफ रूम
- भूगोल के लिए नई प्रयोगशाला
- गणित के लिए नई प्रयोगशाला
- आईक्यूएसी कक्ष
- कॉलेज सहायता सेवाएं

- वाई-फाई सक्षम परिसर
- बिजली बैकअप
- सीसीटीवी निगरानी के साथ परिसर की सुरक्षा
- अग्निशमक
- बैंक
- फोटोकॉपियर
- आरओ के साथ वाटर कूलर प्रणाली
- कैफेटेरिया
- मदर डेयरी
- नेस्कैफे कियोस्क
- कागज रीसाइक्लिंग मशीन
- लाइब्रेरी में उपलब्ध स्क्रीन रीडिंग सॉफ्टवेयर और ई-टेक्स्ट एक्सेस
- विश्वविद्यालय के मानदंडों के अनुसार परीक्षा लेखन (लेखक) की सुविधा
- चिकित्सा-सह-परामर्श कक्ष
- चिकित्सा सुविधाएं - डॉक्टर परिसर का दौरा करते हैं (सोमवार, बुधवार और शुक्रवार)
- काउंसलर परिसर का दौरा करते हैं (मंगलवार, गुरुवार और शनिवार)
- नर्स सुविधा (सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक)
- शिक्षक द्वारा छात्र का मार्गदर्शन
- सौर पैनल
- जेनसेट
- छात्र साइबर सेंटर
- समान अवसर प्रकोष्ठ
- पठन सामग्री सुलभ प्रारूप है (ऑडियो, ब्रेल, ई-पाठ)
- ई-संसाधनों के लिए दूरस्थ लॉगिन पहुंच
- विकलांगों के लिए बाधा मुक्त पहुंच
- व्हीलचेयर की उपलब्धता

महाविद्यालय परिसर के भीतर जीवन

एनसीडब्ल्यूईबी

समन्वयक: डॉ. उत्पल कुमार, राजनीति विज्ञान विभाग
उप समन्वयक: डॉ हेमंत रमन रवि, हिंदी विभाग

गैर-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड (एनसीडब्ल्यूईबी), कालिंदी कॉलेज टीचिंग सेंटर एनसीडब्ल्यूईबी, दिल्ली विश्वविद्यालय के 26 केंद्रों में से सबसे पुराना है। केंद्र एनसीडब्ल्यूईबी द्वारा निर्धारित नियमों और विनियमों के अनुसार अर्ध-नियमित आधार पर संचालित होता है और बी.ए. कार्यक्रम और बी.कॉम कार्यक्रम पाठ्यक्रम।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में रहने वाली (आधार कार्ड/वोटर कार्ड/पासपोर्ट के आवासीय प्रमाण के साथ) केवल महिला उम्मीदवार ही छात्र के रूप में अपना नामांकन करा सकती हैं। प्रवेश एनसीडब्ल्यूईबी, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित कट-ऑफ के साथ योग्यता के आधार पर किया जाता है। रविवार को शिक्षण कक्षाएं आयोजित की जाती हैं। विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में शामिल होने के लिए न्यूनतम 66% उपस्थिति आवश्यक है, जो नियमित कॉलेज के छात्रों के साथ-साथ आयोजित की जाती हैं। स्नातक छात्रों को पुस्तकालय की सुविधा प्रदान करने के अलावा, केंद्र छात्रों के समग्र विकास के लिए कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, व्याख्यान और पाठ्येतर गतिविधियों का आयोजन करता है।

बोर्ड कार्यालय:
गैर-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड ट्यूटोरियल बिल्डिंग, दूसरी मंजिल गुरु तेग बहादुर रोड, यूनिवर्सिटी एन्क्लेव नई दिल्ली, दिल्ली 110007, कार्यालय कॉल: 01127667640, http://ncweb.du.ac.in

कोचिंग और उपचारात्मक कक्षाएं

संयोजक - डॉ उत्पल कुमार
सह-संयोजक - श्री गौरव कुमार

कालिंदी कॉलेज अपने छात्रों को चौतरफा सहायता और सहायता प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस उद्देश्य के लिए, कॉलेज ने एक उत्कृष्ट बुनियादी ढांचा तैयार किया है और परिसर में शैक्षणिक और सह-पाठयक्रम गतिविधियों की पेशकश करता है। कॉलेज युवा और इच्छुक छात्रों के लिए करियर

काउंसलिंग, प्लेसमेंट और अन्य पेशेवर मदद की सुविधा को अत्यधिक महत्व देता है जो अपना करियर स्थापित करना चाहते हैं।कालिंदी कॉलेज उन छात्रों के लिए उपचारात्मक कक्षाओं का आयोजन करता है, जिन्हें बिना किसी शुल्क के अच्छा प्रदर्शन करने के लिए अपने शैक्षणिक सत्र में मदद की आवश्यकता होती है। मुख्य उद्देश्य उनके अनुशासन विषयों के बारे में उनकी समझ में सुधार करना और उनकी पढ़ाई में मदद करना और उनका मार्गदर्शन करना है। शैक्षणिक वर्ष के लिए पूरे कॉलेज के लिए समय सारिणी अन्य विभागों जैसे- गणित, राजनीति विज्ञान, अंग्रेजी, हिंदी, अर्थशास्त्र, संस्कृत, आदि के समन्वय से तैयार की जाती है। सेल आवश्यक शिक्षकों को कक्षाओं के संचालन के लिए सहमत होने और प्रेरित करने में सहायक था। कमजोर छात्रों के लाभ के लिए स्वेच्छा से। इस पहल से बहुत से छात्र लाभान्वित हुए।

फरवरी 2012 में, कॉलेज ने ग्यारहवीं योजना, यूजीसी की विलय योजना के तहत अपने पंजीकृत एससी/एसटी/ओबीसी (क्रीमी लेयर को छोड़कर) और अल्पसंख्यक छात्रों के लिए ये कोचिंग कक्षाएं शुरू कीं। इन कक्षाओं में इन पृष्ठभूमि के उत्साही छात्रों ने भाग लिया, जिन्होंने सीखने में गहरी रुचि दिखाई। छात्रों को उनके संबंधित क्षेत्रों के विशेषज्ञों द्वारा पेशेवर कोचिंग से लाभ मिलता है। शैक्षणिक वर्ष 2011-2012, 2012-13 और 2013-14 में इन कक्षाओं से लगभग 200 छात्र लाभान्वित हुए। कोचिंग कक्षाओं के अलावा, इन छात्रों को किताबें/कंप्यूटर सुविधाएं, समाचार पत्र, प्रतिस्पर्धी पत्रिकाएं और ऑनलाइन संसाधन सामग्री इत्यादि जैसी अध्ययन सामग्री प्रदान की गई थी। कॉलेज के संकाय सदस्य और बाहर से कुछ विशेषज्ञ, जिनके पास अपने-अपने क्षेत्रों में व्यापक अनुभव है, वे थे समन्वयक/प्रशिक्षक के रूप में कार्यरत हैं।

आंतरिक समिति (आईसी)

पीठासीन अधिकारी: डॉ संगीता ढल

जेंडर सेंसिटाइजेशन और जेंडर जस्टिस किसी भी मजबूत संस्थान के स्तंभ हैं। इसे ध्यान में रखते हुए, कालिंदी कॉलेज अपने छात्रों, फैकल्टी और स्टाफ सदस्यों को एक सुरक्षित और सुरक्षित माहौल प्रदान करने का प्रयास करता है जहां वे कामयाब हो सकें। आंतरिक समिति (आईसी) जिसे पहले कालिंदी कॉलेज की आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) के रूप में जाना जाता था, इस तरह की दृष्टि की सुविधा प्रदान करती है और यौन उत्पीड़न की शिकायतों को तेजी से और परिश्रम से संबोधित करने के लिए आवश्यक तंत्र है। आंतरिक समिति कॉलेज परिसर में यौन उत्पीड़न के मामलों से निपटती है कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013, कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करता है और शिकायतों की रोकथाम और निवारण के लिए प्रदान करता है। यौन उत्पीड़न।

(कृपया अधिक जानकारी के लिए कॉलेज की वेबसाइट देखें: (www.kalindi.du.ac.in)।

XV-D अध्यादेश दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा यौन उत्पीड़न के खिलाफ नीति पर आधारित है और दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों, और शैक्षणिक और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए यौन उत्पीड़न से मुक्त शैक्षणिक और कार्य वातावरण बनाए रखने और बनाने का प्रयास करता है। "यौन उत्पीड़न" में कोई भी अवांछित यौन रूप से निर्धारित व्यवहार शामिल है, चाहे सीधे या निहितार्थ से, और इसमें शारीरिक संपर्क और अग्रिम, यौन पक्ष के लिए मांग या अनुरोध, यौन रंगीन टिप्पणियां, अश्लील साहित्य दिखाना, या कोई अन्य अवांछित शारीरिक, मौखिक या अशाब्दिक आचरण शामिल है। यौन प्रकृति। सुप्रीम कोर्ट ने माना कि कार्यस्थल पर एक महिला का यौन उत्पीड़न भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 19 और 21 के तहत लैंगिक समानता और जीवन और स्वतंत्रता के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करेगा।

आईसी में निम्नलिखित सदस्य होते हैं:

(ए) एक पीठासीन अधिकारी जो एक वरिष्ठ संकाय सदस्य होगा

(बी) टीचिंग स्टाफ में से दो सदस्य

(सी) यौन उत्पीड़न से संबंधित मुद्दों से परिचित गैर-सरकारी संगठन या कानूनी फर्म में से एक सदस्य:

(डी) दो गैर-शिक्षण स्टाफ सदस्य

(ई) तीन निर्वाचित छात्र प्रतिनिधि

आईसीसी नियमित रूप से कार्यशालाओं का आयोजन करता है और छात्रों, संकाय सदस्यों और प्रशासनिक कर्मचारियों के लिए लिंग संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित करता है।

रैगिंग विरोधी समिति

संयोजक: डॉ पूनम सचदेवा
सह-संयोजक: डॉ मोनिका बस्सी

'रैगिंग' का अर्थ किसी भी ऐसे कार्य को करना है जिससे किसी छात्र को आशंका या शर्म या शर्मिंदगी का कोई शारीरिक, मनोवैज्ञानिक या शारीरिक नुकसान होने की संभावना हो, और इसमें शामिल है

(ए) किसी छात्र को छेड़ना या गाली देना या व्यावहारिक मजाक करना या किसी छात्र को चोट पहुंचाना।

(बी) किसी भी छात्र को कोई भी कार्य करने, या कुछ भी करने के लिए कहना, जो वह सामान्य पाठ्यक्रम में करने या करने के लिए तैयार नहीं होगा।

रैगिंग अन्य अपराधों से अलग है क्योंकि इसका उद्देश्य केवल विकृत सुख प्राप्त करना है। रैगिंग अन्य अपराधों से भी अलग है क्योंकि इसे समाज के कुछ वर्गों द्वारा सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाता है।

सुप्रीम कोर्ट के अवलोकन और निर्देश:

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने देखा है कि शैक्षणिक गतिविधियों या परिसर के जीवन में नामांकन किसी भी वयस्क नागरिक को देश के कानूनों के दंडात्मक प्रावधानों से प्रतिरक्षित नहीं करना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार, यदि रैगिंग की कोई घटना प्रशासन या फैकल्टी के संज्ञान में लाई जाती है, तो स्थानीय पुलिस को मामले की रिपोर्ट करना संस्थान के लिए कानूनी रूप से बाध्यकारी है।

रैगिंग के विरोध

माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के आधार पर, यूजीसी ने "उच्च शिक्षण संस्थानों में रैगिंग के खतरे को रोकने के लिए यूजीसी विनियम, 2009" तैयार किया। उक्त एंटी रैगिंग नियमों के अनुपालन में कालिंदी कॉलेज परिसर के अंदर और/या बाहर रैगिंग पूर्ण रूप से प्रतिबंधित है। रैगिंग और/या इसके दुष्प्रेरण के कृत्य में लिप्त कोई भी, चाहे वह सक्रिय या निष्क्रिय रूप से हो, या रैगिंग को बढ़ावा देने की साजिश का हिस्सा हो, यूजीसी विनियम 2009 के साथ-साथ प्रावधानों के तहत मुकदमा चलाया जा सकता है और दंडित किया जा सकता है। कोई अन्य दंडात्मक कानून जो फिलहाल लागू है। कालिंदी कॉलेज सख्ती से सुनिश्चित करता है कि फ्रेशर्स को एक अनुकूल और स्वागत योग्य वातावरण दिया जाए। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए संस्थान द्वारा यूजीसी विनियमन 2009 के अनुसार एक रैगिंग विरोधी समिति का गठन किया गया है।

रैगिंग विरोधी समिति की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां

रैगिंग से जुड़े किसी भी कृत्य को जीरो टॉलरेंस और कालिंदी कॉलेज में यूजीसी रेगुलेशन 2009 के प्रावधानों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करना।

कालिंदी कॉलेज में रैगिंग को रोकने के लिए एंटी रैगिंग दस्ते के प्रदर्शन की निगरानी और निगरानी करना।

कालिंदी कॉलेज ने कॉलेज परिसर के अंदर रैगिंग रोकने के लिए कई कदम उठाए हैं। ओरिएंटेशन प्रोग्राम के दौरान, सभी फ्रेशर्स को रैगिंग के बारे में अच्छी तरह से सूचित किया जाता है और साथ ही रैगिंग के कार्य में शामिल व्यक्ति के खिलाफ कड़ी दंडात्मक दंडात्मक कार्रवाई की जाती है। कॉलेज में किसी भी रैगिंग गतिविधि की रिपोर्ट करने के लिए फ्रेशर्स को एंटी-रैगिंग कमेटी के सदस्यों के संपर्क नंबर और ई-मेल आईडी के बारे में भी सूचित किया जाता है। एंटी रैगिंग कमेटी ने

कॉलेज में रैगिंग गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए शिक्षकों के एंटी रैगिंग दस्ते का गठन किया। इस अपराध को रोकने के लिए कई कड़े फैसले लिए गए हैं। रैगिंग में शामिल छात्रों पर प्राचार्य के निर्णय के अनुसार मुकदमा चलाया जाएगा/निष्कासित किया जाएगा या एक विशिष्ट अवधि के लिए निष्कासित भी किया जाएगा। अध्यादेश XV-C द्वारा अनिवार्य रैगिंग विरोधी कानूनों से संबंधित प्रावधानों को बताते हुए प्रमुख स्थानों पर कॉलेज में कई नोटिस बोर्ड लगाए गए हैं। कोई भी छात्र किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में एंटी रैगिंग कमेटी से संपर्क कर सकता है।

उपस्थिति समिति

संयोजक: डॉ. इंदु चौधरी

सह-संयोजक: डॉ. सुधा गुलाटी

कॉलेज की उपस्थिति समिति में विभिन्न धाराओं के संकाय सदस्य शामिल होते हैं। यह समिति नियमित रूप से बैठकें करती है और प्रशासन कार्यालय के साथ बातचीत करती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्रों की उपस्थिति के संबंध में समय-समय पर दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित अध्यादेशों और दिशानिर्देशों को बनाए रखने के लिए उचित और समय पर कदम उठाए जा रहे हैं। समिति विभिन्न विभागों के प्रभारी शिक्षकों के साथ समन्वय भी करती है ताकि विभाग कम उपस्थिति वाले छात्रों की एक सूची तैयार करे और माता-पिता/अभिभावकों को सूचना के लिए पत्र भेजने की व्यवस्था करे।

विश्वविद्यालय दिशानिर्देश

बाहरी मूल्यांकन / सेमेस्टर परीक्षा (75%)

आंतरिक मूल्यांकन (25%) जिसमें क्लास टेस्ट/प्रोजेक्ट्स/लिखित असाइनमेंट/ट्यूटोरियल शामिल हैं- 10%, उपस्थिति - 5%

उपस्थिति वेटेज

67% या अधिक लेकिन 70% से कम 1 अंक

70% या अधिक लेकिन 75% से कम 2 अंक

75% या अधिक लेकिन 80% से कम 3 अंक

80% या अधिक लेकिन 85% से कम 4 अंक

85% से अधिक 5 अंक

महत्वपूर्ण नियम

उपस्थिति के लिए दिए जाने वाले अंकों के लिए क्रेडिट की गणना करते समय चिकित्सा प्रमाणपत्रों को बाहर रखा जाएगा, हालांकि ऐसे प्रमाणपत्रों को परीक्षा में बैठने के लिए पात्रता की गणना के उद्देश्य से ध्यान में रखा जाना जारी रहेगा।

एक छात्र को परीक्षा में बैठने के लिए पात्र होने के लिए अलग से दिए गए व्याख्यानों/प्रैक्टिकल/ट्यूटोरियल/प्रस्तुतियों की कुल संख्या के दो तिहाई कार्यक्रमों में भाग लेने की आवश्यकता होगी।

एक छात्र जो एक साथ लिए गए सभी विषयों में उपरोक्त वर्णित उपस्थिति की आवश्यक शर्तों को पूरा नहीं करेगा, लेकिन संबंधित सेमेस्टर के दौरान 40% से कम व्याख्यान/प्रस्तुति/ट्यूटोरियल/प्रैक्टिकल में भाग नहीं लिया है, प्राचार्य के विवेक पर उपस्थित हो सकता है आगामी सेमेस्टर परीक्षा। ऐसे छात्र को अगले सेमेस्टर में कमी की पूर्ति करनी होगी।

यदि किसी छात्र को एनसीसी शिविरों/नागरिक सुरक्षा कार्य/एनएसएस सार्वजनिक कार्यों/खेल या अन्य पाठ्यचर्या गतिविधियों में भाग लेने के लिए चुना जाता है या विभिन्न मंचों पर कॉलेज का प्रतिनिधित्व करता है, तो अनुपस्थिति की अवधि के दौरान दिए गए व्याख्यानों की संख्या की गणना 'डीम्ड के रूप में की जाएगी। केवल तभी भाग लिया गया जब संबंधित शिक्षक द्वारा अग्रेषित किया गया हो।

पूर्व छात्र समिति और पूर्व छात्र संघ

संयोजक: डॉ सीमा गुप्ता
सह-संयोजक: सुश्री नीलम बरेजा
सह-संयोजक-छात्र प्रगति: सुश्री विनीता मीना

कालिंदी कॉलेज का पूर्व छात्र संघ पेशेवर संपर्कों का एक विशाल नेटवर्क है जो आपको कॉलेज जीवन और कैरियर जीवन के बीच लंबे समय तक संबंध बनाने में मदद करता है। कॉलेज में एक सक्रिय पूर्व छात्र संघ है। यह एक मजबूत सोशल नेटवर्क के माध्यम से पूर्व छात्रों के संपर्क में रहता है। पूर्व छात्र संघ के सहयोग से पूर्व छात्र समिति वर्ष भर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करती है। यह कॉलेज के प्रख्यात पूर्व छात्रों को अपने पेशेवर करियर से अपने अनुभव और सीखने को साझा

करने के लिए आमंत्रित करता है। यह छात्रों को प्रेरित करने और उन्हें बाहरी पारिस्थितिकी तंत्र से जोड़ने में मदद करता है।

पूर्व छात्र संघ

अध्यक्ष: डॉ सविता शर्मा

उपाध्यक्ष: सुश्री आरुशी बथला

पूर्व छात्र किसी संस्थान के ब्रांड एंबेसडर होते हैं, जो उसके लोकाचार को व्यक्त करते हैं। उनके अनुभव, सीखने और समाज में योगदान उनके मातृ संस्थान को प्रतिष्ठा दिलाते हैं।वर्षों के हाइबरनेशन के बाद, 2009 में कालिंदी कॉलेज के पूर्व छात्र संघ को पुनर्जीवित किया गया।इसके विकास के पीछे मुख्य उद्देश्य एक पुल का निर्माण करना हैबीच मेंपूर्व छात्रों और छात्रों और पूर्व छात्रों की व्यस्तता को बढ़ाने के लिए, एक सामुदायिक जुड़ाव का माहौल बनाएं और पूर्व छात्रों को संस्थागत संबंधों को गहरा करने के लिए राजी करें। इस विचार को ध्यान में रखते हुए, कालिंदी कॉलेज की पूर्व छात्र समिति अपने ब्रांड एंबेसडर को समकालीन भारत में कैरियर परामर्श से लेकर बाल अधिकारों के संरक्षण तक कई विषयों पर विभिन्न इंटरैक्टिव सत्र आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित करती है। इसके माध्यम से, कॉलेज और पूर्व छात्र पारस्परिक रूप से लाभप्रद और सार्थक दीर्घकालिक संचार में संलग्न हो सकेंगे। पूर्व छात्र संघ में लगभग 2000 पूर्व छात्र पंजीकृत हैं। पूर्व छात्र संघ के बारे में जागरूकता फ्रेशर्स ओरिएंटेशन प्रोग्राम, फेस बुक, टेलीग्राम, व्हाट्सएप और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रसारित की जाती है।

छात्र संघ

संयोजक: डॉ रेणु गुप्ता

सह-संयोजक: डॉ निशा बख्शी

छात्र संघ सालाना नियुक्त एक सक्रिय निकाय है. यह छात्रों के कल्याण और विकास के लिए काम करता है। सभी मुख्य प्रदर्शनों के लिए जिम्मेदार होने के कारण वे कई कार्यक्रम आयोजित करते हैं जैसे: अभिविन्यास कार्यक्रम, शपथ समारोह, नवसिखुआ का स्वागत और कई अन्य। संघ निकाय के माध्यम से, छात्रों को नेतृत्व और अन्य जीवन कौशल विकसित करने, घटनाओं का प्रबंधन करने और विविध पृष्ठभूमि के लोगों के साथ बातचीत करने का अवसर मिलता है। छात्र संघ कॉलेज परिसर में भविष्य के नेताओं को तैयार करता है।

विभिन्न सांस्कृतिक क्लबों की गतिविधियाँ:

छात्र संघ की सहायता से अनेक सांस्कृतिक क्लब कार्य कर रहे हैं। संबंधित सलाहकारों के मार्गदर्शन में, सांस्कृतिक क्लब छात्रों को विभिन्न संदर्भों और स्थान में उनके कौशल को सुधारने के लिए आवश्यक पर्यवेक्षण प्रदान करते हैं। विभिन्न क्लब गतिविधियों में जब भी आवश्यकता होती है, सीनियर्स आसानी से जूनियर्स की मदद के लिए हाथ बढ़ाते हैं। प्रत्येक छात्र को कम से कम एक क्लब के लिए नामांकन करना होता है और सप्ताह में एक बार अनिवार्य रूप से इसके सत्र में भाग लेना होता है। क्लब काफी सक्रिय हैं और शिक्षक की भागीदारी उन्हें शामिल होने लायक बनाती है।

विभिन्न घटनाएँ और छात्रों के जीवन में उनकी भूमिका:

फ्रेश फेस, ओथ सेरेमनी, फ्रेशर्स वेलकम, दिवाली मेला, एनुअल कल्चरल फेस्ट-लेहरेन, एनुअल डे और फेयरवेल आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। ये आयोजन न केवल छात्रों के बीच एकता की भावना को प्रोत्साहित करते हैं बल्कि मंच भी प्रदान करते हैं जहां छात्र अपनी प्रतिभा पेश करते हैं और बड़े पैमाने पर पहचान प्राप्त करते हैं। यह छात्रों की छिपी प्रतिभा को बाहर लाने में भी मदद करता है क्योंकि वे घटनाओं से संबंधित हर चीज का प्रबंधन करते हैं। इन आयोजनों में भाग लेने से उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और उन्हें भविष्य के महान नेताओं के लिए तैयार किया जाता है। हो सकता है कि अगली मिस इंडिया या महान राजनीतिक नेता जो समय-समय पर भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाए, हमारी बहस या फैशन शो कार्यक्रम का हिस्सा हो।

ईसीए 2022-23 (प्रॉस्पेक्टस)

छात्रों को अनुभव प्राप्त करने और उनके संचार, प्रबंधन और नेतृत्व कौशल को बढ़ाने में मदद करने के लिए कॉलेज में कला, नृत्य से लेकर साहित्य तक 20 सांस्कृतिक क्लब हैं।

एस.एन.	क्लब का नाम	संयोजक और सह संयोजक
1.	डिबेटिंग सोसाइटी: अंग्रेजी और हिंदी	डॉ. मनीषा अरोड़ा पंडित (संयोजक-अंग्रेजी) डॉ. (श्रीमती) मुकेश (सह-संयोजक- अंग्रेजी) डॉ. आरती सिंह (संयोजक - हिंदी) डॉ. लवकुश कुमार (सह-संयोजक - हिंदी)
2.	वन एक्ट प्ले: आगाज़ी	डॉ. मंजू शर्मा (संयोजक) डॉ. रक्षा गीता (सह-संयोजक)
3.	नुक्कड़ नाटक: RAQS	सुश्री सोनिया कंबोज (संयोजक) डॉ. हेमंत रमन रवि (सह-संयोजक)
4.	संगीत क्लब	डॉ. रेणु गुप्ता (संयोजक) सुश्री अनुराधा कोटियाल (सह-

		संयोजक)
5.	अंताक्षरी	डॉ. सनावर सोहम (संयोजक) डॉ. रश्मि चौधरी (सह-संयोजक)
6.	नुपुर	सुश्री गुंजन वर्मा (संयोजक - समूह नृत्य) डॉ. ऋचा गुप्ता (सह-संयोजक - समूह नृत्य) डॉ. हरविंदर कौर (संयोजक - एकल नृत्य) सुश्री आदित्य चौधरी (सह-संयोजक - एकल नृत्य)
7.	संस्कृत तरंगिणी	डॉ. मंजू लता (संयोजक)
8.	फ़ैशन-इज़-ता	डॉ. गरिमा प्रकाश (संयोजक) डॉ. प्रियंका वर्मा (सह-संयोजक)
9.	मीडिया क्लब	डॉ. के. वंदना रानी (संयोजक) श्री जॉन एज्रा (सह-संयोजक)
10.	भित्ति चित्र	सुश्री कर्णिका गौर (संयोजक) डॉ. कृष्णा कुमारी (सह-संयोजक)
1 1।	रचनात्मकगद्यलेखन /रचनात्मक लेखन (अंग्रेज़ी)	डॉ. उत्पल कुमार (संयोजक - हिंदी) डॉ. विभा ठाकुर (सह-संयोजक - हिंदी) डॉ. मोनिका बस्सी (संयोजक - अंग्रेजी) सुश्री शिप्रा गुप्ता (सह-संयोजक - अंग्रेजी)
12.	काव्य - व्यवस्था / संग्रहालय और बार्ड्स (अंग्रेजी कविता)	सुश्री मोनिका जुत्शी (संयोजक - अंग्रेजी) सुश्री कीर्तिका लोटनी (सह-संयोजक - अंग्रेजी) डॉ. देशराज (संयोजक - हिंदी) डॉ. अभिषेक कुमार सिंह (सह-संयोजक - हिंदी)
13.	मेहंदी क्लब	सुश्री चारु खन्ना (संयोजक) सुश्री गरिमा गौर (सह-संयोजक)
14.	पेंट और ब्रश क्लब	डॉ. पूनम त्यागी (संयोजक) सुश्री माधुरी सिंह (सह-संयोजक)
15.	रंगोली	डॉ. दिव्या वर्मा (संयोजक) डॉ प्रतिभा ठाकुर (सह-संयोजक)
16.	अरोग्य	डॉ. रंजना रॉय मिश्रा (संयोजक) सुश्री सुधा पांडे (सह-संयोजक)
17.	आइवरी (कॉलेज बैंड)	डॉ. प्रियाबाला सिंह (संयोजक) डॉ. संदीप कुमार (सह-संयोजक)

कल्पधरा- इको क्लब

संयोजक: डॉ. रेणु बाला

कालिंदी कॉलेज का इको क्लब कल्पधरा पर्यावरण विज्ञान विभाग, कालिंदी कॉलेज द्वारा संचालित महत्वपूर्ण और सक्रिय क्लबों में से एक है। पर्यावरण विज्ञान विभाग के प्रभारी इसकी संयोजक हैं और दो अन्य संकायसदस्य, ईको-क्लब के सह-संयोजक हैं, साथ ही छात्र सदस्य इसके पदाधिकारी और स्वयंसेवक हैं, जिनका चयन प्रक्रिया के माध्यम से चयन किया जाता है। क्लब के सभी सदस्य जलवायु परिवर्तन के कारण मानव जाति के अस्तित्व के संकट के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। इको-क्लब का उद्देश्य युवा मन को प्रकति और पर्यावरण के अनुकूल परंपराओं को अपनाने व प्रकृति और धरती माता के साथ सद्भाव व साहचर्य के लिए प्रेरित करना है। क्लब का आदर्श वाक्य है "प्रकृति के बिना कोई जीवन नहीं है"।

इको-क्लब की बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं और इको-क्लब गतिविधियों की योजना पहले से बनाई जाती है। क्लब युवा छात्रों को "पृथ्वी दिवस समारोह", "विश्व ओजोन दिवस", "वायुदोट-वायु प्रदूषण से निपटने के लिए एक अभियान", जैव-सरंक्षण जैव विविधता संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करते हुए, आहार क्रांति- पर ध्यान केंद्रित करते हुए सार्थक पर्यावरणीय गतिविधियों और परियोजनाओं में भाग लेने के लिए प्रेरित करता है जिसके अंतर्गत पर्यावरण के अनुकूल गतिविधियां - आहार क्रांति संबंधी लेख और वाद-विवाद प्रतियोगिताएं आयोजित की जातीं हैं। कुल मिलाकर, हमारा उद्देश्य हमारे संविधान में निहित अपने मौलिक कर्तव्यों को पूरा करने वाले पर्यावरण योद्धाओं का एक सक्रिय कैडर बनाना है।

लहरें

हर साल कॉलेज अंतर-महाविद्यालय सांस्कृतिक उत्सव - 'लहरें' का आयोजन करता है। दो दिवसीय सांस्कृतिक उत्सव में नृत्य, वाद-विवाद, गायन (एकल और समूह), फोटोग्राफी, रचनात्मक लेखन, कविता पाठ के अलावा वन-एक्ट प्ले, फैशन-शो आदि के लिए आयोजित कई अंतर-कॉलेज प्रतियोगिताएं शामिल हैं। महामारी की स्थिति में सांस्कृतिक उत्सव 'लहरेन' का आयोजन नहीं हो सका। फिर भी, कॉलेज के भीतर गठित विभिन्न सांस्कृतिक समितियों, जो लेहरेन के दौरान इन अंतर-कॉलेज प्रतियोगिताओं का आयोजन करती हैं, ने पिछले शैक्षणिक सत्र के दौरान कई ऑनलाइन गतिविधियों / कार्यक्रमों का आयोजन किया।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ

अध्यक्ष: प्रो. अनुला मौर्य

मुख्य समिति (कोर समिति) समन्वयक - डॉ. राखी चौहान

सह समन्वयक - डॉ. ताड़केश्वर, डॉ. दिव्या वर्मा, डॉ.वर्षा सिंह, डॉ. निधि कपूर, डॉ. इंदु चौधरी

यद्यपि गुणवत्ता वृद्धि सतत प्रक्रिया है, इसलिए कालिंदी कॉलेज में आइ.क्यू.ए.सी. संस्थागत प्रणाली का एक महत्वपूर्ण अंग है । इस प्रकार गुणवत्ता वृद्धि और आजीविका के लक्ष्यों की प्राप्ति करने की दिशा में आइ.क्यू.ए.सी. कार्य करता है । आइ.क्यू.ए.सी .का मुख्य कार्य संस्था के समग्र निष्पादन में सचेष्ट, सुसंगत और उत्प्रेरणात्मक सुधार के लिए एक प्रणाली विकसित करना है। इसके लिए यह संस्था सभी प्रयासों और उपायों को संबद्धकर संपूर्ण शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देता है। आइ.क्यू.ए.सी. निष्पादन मूल्यांकन और गुणवत्ता संवृद्धि के लिए प्रतिबद्ध और समर्पित है । इसके निम्नलिखित कार्य हैं -

क- महाविद्यालयों के विभिन्न शैक्षणिक और प्रशासनिक गतिविधियों के लिए गुणवत्ता निर्धारक/मापदंड को विकसित और उस पर अमल करना।

ख -उत्कृष्ट शिक्षण हेतु विद्यार्थी केंद्रित वातावरण निर्मित करने की सुविधा तथा सहभागी शिक्षण एवं सीखने की प्रक्रिया के तहत संकाय परिपक्वता हेतु आवश्यक जानकारी और प्रौद्योगिकी को उपलब्ध कराना।

ग -गुणवत्ता संबंधी संस्थागत प्रक्रियाओं पर छात्राओं, माता- पिता तथा अन्य इच्छुक व्यक्तियों की प्रतिपुष्टि जानने की व्यवस्था।

घ -उच्च शिक्षा के विभिन्न गुणवत्तापूर्ण मापदंडों की जानकारी का प्रसार।

ड़ -संस्थागत तथा अंतरसंस्थागत कार्यशालाओं का आयोजन, गुणवत्ता आधारित विषयों पर संगोष्ठियों, गुणवत्ता संवर्धन के दायरे को और भी बढ़ाते जाना।

च - कॉलेज के विभिन्न कार्यकर्मों/गतिविधियों का दस्तावेजीकरण करना, जो गुणवत्ता वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

छ -गुणवत्ता से संबंधित क्रियाकलापों का समन्वयन करना, उत्कृष्ट कार्यों की उपलब्धि और उनके संवर्धन हेतु आई.क्यू .ए. सी. केंद्रक अभिकरण का कार्य करता है।

ज - संस्थागत कार्यों की गुणवत्ता को बनाए रखने/ बढ़ाने के उद्देश्य से एम. आई .एस. द्वारा डेटाबेस तैयार करना और देखरेख करना ।

झ- संस्था में उत्तम संस्कृति का विकास।

ञ- नैक के मानकों और दिशानिर्देशों के अनुसार वार्षिक गुणवत्ता आश्वासन रिपोर्ट (आई .क्यू .ए .आर.) तैयार करना।

आई .क्यू .ए .सी . निम्नलिखित कार्यों में भी सहयोग करता है -

क- गतिविधियों में सुस्पष्टता के स्तर को सुनिश्चित करने और उनकी गुणवत्ता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करता है।

ख -गुणवत्तायुक्त संस्कृति को आत्मसात करना।

ख- संस्था की विभिन्न गतिविधियों के बीच सामंजस्य स्थापित करने और उन्हें बढ़ावा देने की दिशा में प्रयास करता है।

ग- संस्थागत कार्यों को और अच्छा बनाने के लिए निर्णयात्मक ठोस आधार प्रदान करता है ।

घ- एच. ई. आई. एस. की विशेषता परिवर्तन में गत्यात्मक प्रणाली के रूप में कार्य ।

ड़- प्रलेखन और आंतरिक संचार के लिए एक संगठिक पद्धति का निर्माण।

एनएसएस: राष्ट्रीय सेवा योजना

कार्यक्रम अधिकारी: डॉ. हरविंदर कौर

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) भारत सरकार, युवा मामले और खेल मंत्रालय की एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है।

एनएसएस की शुरुआत गांधीजी के शताब्दी वर्ष 1969 में 24 सितंबर को हुई थी।

एनएसएस का एकमात्र उद्देश्य युवा छात्रों को सामुदायिक सेवा प्रदान करने का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है। यह छात्रों को विभिन्न सरकारी नेतृत्व वाली सामुदायिक सेवा गतिविधियों और कार्यक्रमों में भाग लेने के अवसर प्रदान करता है। इस आदर्श वाक्य को ध्यान में रखते हुए कालिंदी कॉलेज की एनएसएस इकाई सामाजिक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित करती है और समाज की बेहतरी के लिए पूरे सत्र में कई मुद्दों पर आधारित विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करती है।

सभी युवा स्वयंसेवक जो एनएसएस के नेतृत्व वाली सामुदायिक सेवा के माध्यम से राष्ट्र की सेवा करने का विकल्प चुनते हैं, वे गर्व के साथ एनएसएस बैज पहनते हैं और जरूरतमंदों की मदद करने की जिम्मेदारी की भावना रखते हैं।

एक एनएसएस स्वयंसेवक जो कॉलेज स्तर पर सामुदायिक सेवा कार्यक्रम में भाग लेता है, सक्रिय सदस्य होने के नाते, इन छात्र स्वयंसेवकों के पास निम्नलिखित होने का अनुभव और अनुभव होगा:

एक कुशल सामाजिक नेता

एक कुशल प्रशासक

एक व्यक्ति जो मानव स्वभाव को समझता है

एक एनएसएस इकाई में एनएसएस स्वयंसेवकों की संख्या – 100

एनसीसी

एन सी सी अधिकारी - लेफ्टिनेंट डॉ. आरती सिंह

एन सी सी (नेशनल कैडेट कोर) भारतीय सशस्त्र बलों की युवा शाखा है। यह देश के युवाओं को अनुशासित और देशभक्ति के लिए त्रि-सेवा संगठन के रूप में स्वैच्छिक आधार पर स्कूल और कॉलेज के छात्रों को अवसर देता है।यहां कैडेटों को छोटे हथियारों और ड्रिल में बुनियादी सैन्य प्रशिक्षण दिया जाता है।कालिंदी कॉलेज दिल्ली निदेशालय के 5 दिल्ली गर्ल्स बटालियन, ग्रुप बी का एक हिस्सा है, जिसका मुख्यालय कीर्ति नगर में है। कालिंदी कॉलेज की एनसीसी में प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष के कैडेट सहित 164 से अधिक कैडेट शामिल हैं और लेफ्टिनेंट डॉ. आरती सिंह एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर (एएनओ) हैं ।वह कॉलेज में एनसीसी की मुख्य प्रमुख पदाधिकारी हैं।एन सी सी कैडिट के लिए प्रशिक्षण की योजना बनाने और व्यवस्थित करने के लिए एनसीसी इकाई द्वारा विस्तृत, स्थायी निर्देशात्मक (पीआई) कर्मचारियों की सहायता ली जाती है।

एनएसओ: राष्ट्रीय खेल संगठन

संयोजक: डॉ रेणु बाला

शारीरिक शिक्षा विभाग, कालिंदी कॉलेज छात्रों और कर्मचारियों को स्वास्थ्य और खेल संबंधी सुविधाएं प्रदान करता है। विभाग एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, बॉक्सिंग, शतरंज, फुटबॉल, हैंडबॉल, जूडो, कबड्डी, खो-खो, भारोत्तोलन ताइक्वांडो, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल और योग जैसे विभिन्न खेलों के लिए कोचिंग प्रदान करता है। इसके अलावा, हम जिम्नास्टिक, निशानेबाजी, तैराकी और टेनिस जैसे खेलों को भी बढ़ावा देते हैं। कॉलेज की विभिन्न टीमें इंटर-कॉलेज, दिल्ली राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों में सक्रिय रूप से भाग लेती हैं। विभाग कॉलेज के छात्रों, संकायों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए विभिन्न खेलों के इंटर-क्लास मैचों का भी आयोजन करता है। स्पोर्ट्स सोसाइटी दिव्यांग वर्ग के लिए शतरंज और कैरम सहित विभिन्न खेलों के लिए आमंत्रण अंतर-कॉलेज टूर्नामेंट में सेमिनार, कार्यशालाएं, भी आयोजित करती है।

महिला विकास प्रकोष्ठ

संयोजक - डॉ. अनीता टैगोर

सह संयोजक - प्रो. अंजू गुप्ता

कालिंदी कॉलेज का महिला विकास प्रकोष्ठ कॉलेज का जेंडर फोरम है। यह रोजमर्रा की जिंदगी में लिंग के महत्वपूर्ण मुद्दों में संलग्न है और इसका उद्देश्य इस बारे में एक सूक्ष्म समझ प्रस्तुत करना है कि कैसे लैंगिक रूढ़िवादिता को चुनौती दी जा सकती है। यह युवा छात्रों और संकाय के बीच सोच की भावना का आह्वान करने के लिए उपयुक्त शैक्षणिक उपकरणों का उपयोग करता है। अतीत में अपने अभिनव प्रयासों में, डब्ल्यूडीसी ने न केवल लिंग गुणवत्ता बल्कि परिसर में लिंग समानता की वकालत की है। यह छात्रों को लैंगिक अस्तित्व पर सवाल उठाने के लिए प्रोत्साहित करता है जो भेदभावपूर्ण है और महिलाओं के बीच सौहार्द की ताकत पर निर्माण करता है। खुली कार्यशालाएं, संगोष्ठियां, अभियान, सम्मेलन, फिल्म समारोह ऐसे तरीके हैं जिनमें डब्ल्यूडीसी भारत में अंतरजातीय नारीवाद के शमन का अभ्यास करता है।

ईओसी: समान अवसर प्रकोष्ठ

संयोजक: डॉ. मीना चरंदा

सह-संयोजक: डॉ. पी. पी. सैनी

समान अवसर प्रकोष्ठ यह सुनिश्चित करने का एक मंच है कि सभी छात्रों को बढ़ने और विकसित होने का समान अवसर दिया जाता है। यह विशेष रूप से उन छात्रों को पूरा करता है जो अलग-अलग हैं, जिनमें नेत्रहीन, आर्थोपेडिक या श्रवण बाधित हैं।

कालिंदी कॉलेज का यह प्रकोष्ठ विभिन्न क्षमताओं वाले छात्रों को एक अनुकूल और सहायक वातावरण प्रदान करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। वर्तमान में महाविद्यालय में 10 ऐसे छात्र हैं जो नि:शक्तजन हैं जिनके लाभ के लिए ईओसी एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करता है। कॉलेज द्वारा आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को एक अलग-अलग व्यक्ति के लिए चुनौतियों और संभावनाओं के बारे में सूचित करना है और साथ ही उन्हें अन्य लाभों के साथ-साथ शैक्षणिक, वित्तीय, छात्रवृत्ति और कैरियर के अवसर के लिए सरकार की योजना के बारे में विस्तार से बताना है। सेल का उद्देश्य छात्रों को कॉलेज में उनके लिए उपलब्ध सभी सुविधाओं के बारे में सूचित करना है।

हालांकि विकलांग छात्रों का प्रतिशत बहुत कम है, कॉलेज ने परिसर को बाधा मुक्त बनाने के लिए पहल की है। महाविद्यालय परिसर और पुस्तकालय में सभी आवश्यक स्थानों पर रैम्प और रेलिंग बनाए गए हैं। किसी भी जरूरतमंद की मदद के लिए कॉलेज ने व्हीलचेयर खरीदी है। विकलांग छात्रों को उनकी आवश्यकता के अनुसार किसी भी प्रकार की सहायता प्रदान की जाती है। यह प्रकोष्ठ दिव्यांग छात्रों के लाभ के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने की दिशा में भी काम कर रहा है। विश्वविद्यालय की ओर से जारी नए दिशा-निर्देशों के मुताबिक ऐसे छात्रों की फीस में पूरी तरह से छूट लागू कर दी गई है।

सामाजिक उत्तरदायित्व प्रकोष्ठ

संयोजक: डॉ इंदु चौधरी

सामाजिक उत्तरदायित्व की सह-संयोजक: डॉ. पूनम त्यागी

सामुदायिक आउटरीच की सह-संयोजक: सुश्री सोनिया कंबोज

गतिविधि विस्तार के सह-संयोजक: डॉ इंद्रपाल सिंह

कालिंदी कॉलेज का सामाजिक उत्तरदायित्व प्रकोष्ठ 2015 से सामाजिक रूप से जिम्मेदार नागरिक बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है । सामाजिक उत्तरदायित्व प्रकोष्ठ विभिन्न परियोजनाओं

की अंतर्गत रक्तदान, अंगदान, प्लास्टिक प्रयोग प्रतिषेध अभियान, युवा संवेदीकरण कार्यशाला, कौशल विकास प्रशिक्षण और वृद्धाश्रम का दौरे की शुरुआत करके समाज में महत्वपूर्ण प्रभाव डाल रहा है।

प्रकोष्ठ में दो प्रमुख संघ सम्मिलित हैं- एनएक्टस और कनेक्टिंग ड्रीम्स फाउंडेशन (सी. डी. एफ.) कालिंदी। ये विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा को पहचानने और उभारने के लिए अभिनव, उत्तरदायित्वपूर्ण और प्रभावशाली मंच प्रदान करता है। ये सभी गतिविधियां नेतृत्वकर्ताओं और नागरिकों को सामाजिक एवं नैतिक रूप से ज़िम्मेदार बनाने में सहयोग करती हैं।

एनेक्टस कालिंदी तीन परियोजनाओं पर कार्य कर रहा है- प्रोजेक्ट रहमत, प्रोजेक्ट वेरेन और प्रोजेक्ट राही, जो लोगों के जीवन को बदलने के लिए उद्यमशील कार्यशक्ति का उपयोग करती है। सतत विकास हेतु स्वच्छता, कृषि, भेदभाव पर्यावरण, विषमता, निर्मूलन और स्त्री सशक्तिकरण के विभिन्न पहलुओं पर नव सृजनात्मक समाधान के रूप प्रभाव डालने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है।

कनेक्टिंग ड्रीम्स फाउंडेशन (सीडीएफ), कालिंदी कॉलेज शाखा, अपने प्रोजेक्ट किलकारी, प्रोजेक्ट उन्नति और प्रोजेक्ट युक्ता के माध्यम से, जो संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) से जुड़ा है। इसका उद्देश्य उद्यमशीलता के उपक्रमों और कार्यों द्वारा समाज के वंचित वर्ग का उत्थान करना है, जो ग़रीब और आर्थिक रूप से हाशिए पर पड़े लोगों के जीवन में आशा की किरण जगा रहा है।

सामाजिक उत्तरदायित्व प्रकोष्ठ की गतिविधियों में भागीदारी विद्यार्थियों को सफल कैरियर बनाने के लिए आवश्यक अनुभव, कौशल और संपर्क द्वारा अपने समुदायों में सार्थक अंतर करने का अवसर प्रदान करती है।

अल्प समय में की गई उल्लेखनीय प्रगति हमारे संकाय, संसाधन और पूर्व छात्रों की वंशावली का प्रमाण है। कालिंदी कॉलेज में सामाजिक उत्तरदायित्व प्रकोष्ठ के सदस्य के रूप में विद्यार्थी बेहतर दुनिया के निर्माण के उद्देश्य में योगदान हेतु हजारों अन्य विद्यार्थियों और व्यापारिक नेताओं के साथ मिलकर एक विश्वव्यापी संजाल का निर्माण करते हैं।

डॉ. बी.आर.अम्बेडकर अध्ययन केंद्र

संयोजक: डॉ मीना चरंदा

सह-संयोजक : डॉ गरिमा प्रकाश

कालिंदी कॉलेज, (दिल्ली विश्वविद्यालय) में डॉ. बी.आर.अम्बेडकर अध्ययन केंद्र की स्थापना वर्ष 2017 में की गई ।यह केंद्र छात्राओं और शिक्षकों के बीच डॉ अम्बेडकर के विचारधारा के बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से शुरू किया गया था।डॉ. अम्बेडकर एक भारतीय विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ और समाज सुधारक थे। वह स्वतंत्र भारत के पहले कानून और न्याय मंत्री, संविधान मसौदा समिति के अध्यक्ष भी थे और उन्हें भारत के संविधान का मुख्य निर्माता माना जाता है। अम्बेडकर के सिद्धांतों को विकसित करने के लिए, केंद्र ने निकट भविष्य में दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों के सभी संपर्क अधिकारियों की एक कार्यशाला आयोजित करने की योजना बनाई है, जिससे प्रतिभागियों को उनके संबंधित विभागों में उनकी जिम्मेदारियों और कर्तव्यों के बारे में जागरूक किया जाएगा। इसके अतिरिक्त केंद्र ने राष्ट्रीय संगोष्ठियों, छात्रों की पेपर प्रस्तुति और नई दिल्ली में डॉ अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र का दौरा करने की योजना बनाई है।

छात्रों के दृष्टिकोण और ज्ञान को विकसित करने के मिशन के रूप में, केंद्र ने विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है जिसके अंतर्गत 28-29 सितंबर 2022 को "डॉ बी आर अंबेडकर: ज्ञान का प्रतीक" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय छात्र संगोष्ठी का आयोजन किया गया ।

गांधी अध्ययन मंडल

(गांधी स्टडी सर्कल)

संयोजक:डॉ संगीता ढल

सह-संयोजक: सुश्री कीर्तिका लोटनी

कालिंदी कॉलेज का गांधी स्टडी सर्कल [जीएससी] एक सक्रिय सह-पाठ्यक्रम संस्था है जो युवा छात्रों के बीच गांधीवादी आदर्शों पर आधारित वैकल्पिक विचार और कार्रवाई को प्रोत्साहित करने के लिए एक मंच के रूप में विकसित हुआ है। दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों और विभागों और गांधी पर राष्ट्रीय संस्थानों में युवाओं और बिरादरी के बीच गांधीवादी मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए इसे दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 2 अक्टूबर, 2020 और 2 अक्टूबर, 2019 को लगातार दो वर्षों तक प्रतिष्ठित गांधी पुरस्कार दिया गया है। . कालिंदी कॉलेज का जीएससी कॉलेज के सभी छात्रों के लिए खुला है और छात्रों और शिक्षकों के लिए गांधी के विचारों के महत्व और प्रासंगिकता पर विचार-विमर्श करने और अद्वितीय मूल्यों और नैतिकता के साथ एक आधुनिक भारत बनाने के लिए हमारे जीवन और दृष्टि को आकार देने में उनके योगदान पर विचार-विमर्श करने के लिए एक आकर्षक मंच प्रदान करता है।

पिछले कुछ वर्षों में, हमने एक अकादमिक संस्थान के रूप में अपने छात्रों को ऐसे महत्वपूर्ण प्रतिपुष्टि (गांधीवादी बौद्धिक पूरक) के साथ विकसित और पोषित करने का प्रयास किया है, जो उनके नैतिक ताने-बाने को आकार देने में एक लंबा रास्ता तय करेगा। हम मानते हैं कि गांधी को एक लोकप्रिय युवा प्रतीक के रूप में मनाने और वर्तमान समय में उनकी निरंतर प्रासंगिकता पर जोर देने के लिए उन्हें नए सिरे से तैयार करने की आवश्यकता है। उपर्युक्त उद्देश्य के लिए हमने कॉलेज में छात्रों और शिक्षकों और प्रशासनिक कर्मचारियों को शामिल करते हुए पूरे वर्ष कई कार्यक्रमों के आधार पर एक महत्वाकांक्षी कार्य योजना शुरू की है, जैसे गांधी की समकालीन प्रासंगिकता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, वेबिनार आयोजित करना, अंतर-धार्मिक प्रार्थना सभा, योग गांधीवादी दर्शन पर सत्र, वाद-विवाद, गांधीवादी विचारों पर अंतर-कॉलेज प्रतियोगिताएं, गांधी के जीवन और समय पर पोस्टर-बनाना और चित्रकारी प्रतियोगिता।

प्लेसमेंट सेल

संयोजक : डॉ इंदु चौधरी

सह-संयोजक : प्रो. नैना हसीजा

प्लेसमेंट सेल 'केआरवाईपीटीयूएस / KRYPTUS' का सबसे प्रमुख फोकस कॉलेज के स्नातक छात्रों को इंटर्न के अवसर प्रदान करना और निजी क्षेत्रों में प्रतिष्ठित संगठनों में स्थान प्राप्त करना है, चाहे वह बहुराष्ट्रीय कंपनियां हों या गैर सरकारी संगठन। अपनी स्थापना के बाद से, इसने प्लेसमेंट

वीक, इंटर्नशिप ड्राइव और टीसीएस, विप्रो, बजाज कैपिटल, शेयरखान, रिलायंस जियो और कई अन्य कंपनियों का स्वागत करते हुए अपार सफलता हासिल की है।

इसके अलावा, संभावित नियोक्ताओं द्वारा उपयोग की जाने वाली स्क्रीनिंग और चयन की प्रक्रिया का सामना करने के लिए छात्रों को कौशल से लैस करने के लिए, प्लेसमेंट सेल विभिन्न सत्रों, सेमिनारों और कार्यशालाओं का आयोजन करता है जो रिज्यूम निर्माण, समूह चर्चा, व्यक्तिगत साक्षात्कार और नौकरी आवेदन प्रक्रिया से संबंधित कई अन्य पहलुओं के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं।

एससी/एसटी सेल
कालिंदी महाविद्यालय

संयोजक – डॉ. वंदना रानी

सह-संयोजक – डॉ. राजेश कुमार मीणा

कालिंदी कॉलेज और उसका एससी/एसटी सेल समानता और सामाजिक न्याय के संवैधानिक जनादेश के लिए प्रतिबद्ध है। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्रों के कल्याण की देखभाल के लिए कॉलेज में अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के कल्याण के लिए स्थायी समिति का गठन किया गया है। जिसकी अध्यक्ष कॉलेज की प्राचार्या हैं। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के छात्रों के कल्याण के लिए इस विशेष प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है। सेल के पास अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के छात्रों के अध्ययन के साथ-साथ एक संस्थान में आरक्षित वर्ग के छात्रों के विशेष हितों को बढ़ावा देने वाले आवेदन प्राप्त करने, जांच करने और प्रसंस्करण की जिम्मेदारियां हैं। यह उन क्षेत्रों में विशेष प्रतिपुष्टि प्रदान करने की अपेक्षा करता है जहां छात्रों को कठिनाइयों का अनुभव होता है। प्रकोष्ठ महाविद्यालय में प्रवेश एवं छात्रावास के आवंटन आदि में आरक्षण नीति के प्रभावी क्रियान्वयन की निगरानी में सहायक है। यह आवश्यक पत्राचार और कार्रवाई के लिए कॉलेज में प्रवेश और इसी तरह के अन्य मामलों से संबंधित मामलों में अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति से संबंधित छात्रों और कर्मचारियों से अभ्यावेदन भी प्राप्त करता है। यह सेल कॉलेज के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्रों और कर्मचारियों की शिकायतों के लिए शिकायत निवारण प्रकोष्ठ के रूप में भी कार्य करता है और उन्हें उनकी शैक्षणिक और प्रशासनिक समस्याओं को हल करने में आवश्यक सहायता प्रदान करता है। इसके अलावा, प्रकोष्ठ अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के

सदस्यों के बीच उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए समय-समय पर सौंपे गए किसी अन्य कार्य को करने का प्रयास करता है। यह सेल कॉलेज के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्रों और कर्मचारियों की शिकायतों के लिए शिकायत निवारण प्रकोष्ठ के रूप में भी कार्य करता है और उन्हें उनकी शैक्षणिक और प्रशासनिक समस्याओं को हल करने में आवश्यक सहायता प्रदान करता है।

पूर्वोत्तर छात्र प्रकोष्ठ

संयोजक: डॉ. मनीला नारज़ारी

सह-संयोजक: सुश्री एल पावनी

पूर्वोत्तर भारत का एक ऐसा क्षेत्र है जिसके बारे में हम बहुत कम जानते हैं, और यह मुख्य रूप से सांस्कृतिक और सामाजिक घटकों पर लागू होता है जो इस क्षेत्र को अपनी विविधता में इतना समृद्ध बनाते हैं। हर साल उच्च शिक्षा के लिए पूर्वोत्तर से दिल्ली आने वाले छात्रों की संख्या कई गुना बढ़ रही है।दिल्ली विश्वविद्यालय इन इच्छुक छात्रों का सबसे बड़ा अनुपात प्राप्त करता है जो विश्वविद्यालय और इसके संबद्ध कॉलेजों के लिए एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण कार्य है।दिल्ली विश्वविद्यालय ने पूर्वोत्तर क्षेत्र से आने वाले छात्रों के हित को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं। कालिंदी कॉलेज में पूर्वोत्तर प्रकोष्ठ 2012 में गठित दिल्ली विश्वविद्यालय में सबसे पुराने में से एक है,

उद्देश्य

कॉलेज में इस सेल के होने का मुख्य उद्देश्य पूर्वोत्तर के छात्रों के सामने आने वाले बड़े मुद्दों का समाधान करना है। ये मुद्दे और समस्याएं केवल कॉलेज में ही नहीं बल्कि शहर में भी रोजमर्रा की जिंदगी तक फैले हैं। प्रवेश समय से शुरू होकर, प्रवेश से संबंधित सभी मामलों में उनकी मदद करना, छात्रों के लिए एक नए वातावरण के साथ तालमेल बिठाने में एक सहायक प्रणाली के रूप में यह सेल काम करता है, जिसका सामना उनमें से अधिकांश उन जगहों से करते हैं, जिनका भारत के बड़े समाज के साथ बहुत कम संपर्क होता है। इसके अलावा, इसका उद्देश्य क्षेत्र के छात्रों और उन लोगों के बीच एक सेतु के रूप में काम करना है, जिन्हें आपसी समझ के लिए इस क्षेत्र के बारे में बहुत कम या कोई जानकारी नहीं है। इस सेल के माध्यम से अन्य छात्रों को देश के इस महत्वपूर्ण क्षेत्र और इसकी संस्कृतियों के बारे में पता चलता है।

प्रकोष्ठ की गतिविधियां

2012 से कालिंदी कॉलेज कॉलेज के पूर्वोत्तर प्रकोष्ठ के माध्यम से क्षेत्र और उसके लोगों के बारे में ज्ञान और जानकारी के प्रसार के लिए विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों और कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है।

आठ पूर्वोत्तर राज्यों (असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम, मेघालय, नागालैंड त्रिपुरा और सिक्किम) से आने वाले छात्र न केवल भाग लेते हैं बल्कि इस सेल के तहत कार्यक्रमों के आयोजन में भी सक्रिय भाग लेते हैं।समय-समय पर प्रकोष्ठ प्रेरक व्याख्यान भी आयोजित करता है; छात्रों के लाभ के लिए परामर्श और सुरक्षा कार्यशालाएं आयोजित करता है।

वर्तमान में पूर्वोत्तर के विभिन्न राज्यों के लगभग 45 छात्र विभिन्न विभागों में नामांकित हैं।कॉलेज में "पूर्वोत्तर बालिका छात्रावास" नामक छात्रावास आवास की आधारशिला प्रोफेसर दीनाबंधु साहू द्वारा रखी गई थी, उनके द्वारा प्रदान की गई सभी सहायता और समर्थन के लिए हम उनके बहुत आभारी हैं।

सेल कैसे काम करता है?

प्रकोष्ठ एक समिति के माध्यम से कार्य करता है जिसमें एक संयोजक का चयन प्राचार्य द्वारा क्षेत्र के संकाय सदस्यों में से किया जाता है। समिति के अन्य सदस्यों में एक सह-संयोजक और कॉलेज संकाय के सदस्य शामिल हैं। छात्रों के साथ समन्वय स्थापित करने के लिए प्रकोष्ठ के सुचारू संचालन के लिए, समिति प्रत्येक वर्ष नामांकन के साथ-साथ छात्र मतदान प्रणाली के माध्यम से विभिन्न बैचों से पदाधिकारियों के रूप में 8 से 10 छात्र प्रतिनिधियों का चुनाव करती है। अध्यक्ष का चुनाव वरिष्ठ बैच (अंतिम वर्ष) से होता है।पदाधिकारियों की स्थिति निम्नलिखित है:

अध्यक्ष

महासचिव

वित्त सचिव

जन संपर्क

सहायक जनसंपर्क

रचनात्मक निदेशक

सहायक रचनात्मक

निदेशक कला

प्रतिनिधि विज्ञान

प्रतिनिधि वाणिज्य

इससे उन्हें समानता का लाभ उठाते हुए परिसर में एक सौहार्दपूर्ण और अनुकूल माहौल बनाने में मदद मिलेगी,और अन्य संस्कृतियों के प्रति संवेदनशीलता और छात्रों के साथ-साथ संकाय के बीच भाईचारे की भावना को बढ़ावा देना। प्रकोष्ठ समय-समय पर विद्यार्थियों के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करता रहता है।

बाहरी और विदेशी छात्र प्रकोष्ठ

संयोजक: डॉ प्रियाबाला सिंह

सह-संयोजक: डॉ निशा गोयल

सैकड़ों बाहरी छात्रों और 5 विदेशी छात्रों (शैक्षणिक सत्र 2021-22) के साथ कॉलेज में विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिला लिया,बाहरी और विदेशी छात्र प्रकोष्ठ इन छात्रों की अनूठी जरूरतों और चिंताओं को दूर करने के लिए उन्हें विभिन्न प्रासंगिक मामलों पर निरंतर समर्थन, मार्गदर्शन और परामर्श प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।सेल का प्राथमिक उद्देश्य बाहरी और विदेशी छात्रों के लिए एक अनुकूल, आरामदायक और स्वागत योग्य वातावरण बनाना है, जो बेहतर शिक्षा और करियर के अवसरों की तलाश में अपने गृहनगर और परिवारों को एक नए स्थान और अजीब परिवेश के लिए छोड़ देते हैं।

चूंकि पिछले कुछ वर्षों में बाहरी छात्रों की संख्या बढ़ी है, सेल इन छात्रों के साथ/उनके साथ अपनी चिंताओं और मुद्दों को साझा करने के लिए एक समर्थन प्रणाली और संचार के लिए एक आम मंच प्रदान करता है।यह संबंधित छात्रों को एक-दूसरे और पर्यावरण से परिचित कराने और एक बंधन बनाने के लिए कई गतिविधियों में संलग्न करता है।इससे उन्हें अपने बारे में जानने में मदद मिलती है और बदले में उन्हें अपने परिवेश और लोगों को सीखने और समझने में मदद मिलती है। इस उद्देश्य से, प्रकोष्ठ नियमित रूप से छात्रों की बैठकें आयोजित करता है, और बाहरी और अंतरराष्ट्रीय छात्रों की विशेष जरूरतों (जैसे सुरक्षा, परामर्श, आदि) की पूर्ति के लिए इंटरैक्टिव सत्र आयोजित करता है।इन छात्रों के लिए एक रचनात्मक, उत्साही, फलदायी, गतिशील, बहुमुखी और यादगार कॉलेज अनुभव की दिशा में लगातार काम करने का प्रयास है।

पीटीएसआई: माता-पिता-शिक्षक-छात्र मिलन

संयोजक- डॉ. अलका चतुर्वेदी

सह-संयोजक – डॉ निधि कपूर

माता-पिता- शिक्षक- छात्र मिलन एक औपचारिक संगठन है जो माता-पिता, शिक्षकों और छात्रों से बना है जिसका उद्देश्य कॉलेज में माता-पिता की भागीदारी को सुविधाजनक बनाना है।

पीटीएसआई के मुख्य उद्देश्यों में शामिल हैं-

1. माता-पिता, छात्र और शिक्षकों के बीच मजबूत कामकाजी संबंध बनाना ।
2. महाविद्यालय में क्या हो रहा है, इसके बारे में ज्ञान प्राप्त करना और उनकी राय जानना ।
3. माता-पिता और शिक्षक के दृष्टिकोण से छात्रों को समझना।
4. यह सुनिश्चित करने के लिए कि कॉलेज छात्रों को उनकी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए सर्वोत्तम शिक्षण अनुभव प्रदान करता है।

कॉलेज पीटीएसआई की मेजबानी करता है ताकि माता-पिता को सूचित किया जा सके कि वे हमारे शिक्षकों का समर्थन करे ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हमारे सभी छात्र अपनी पूरी क्षमता तक पहुंच सकें। इस मिलन के माध्यम से शिक्षक सामाजिक पृष्ठभूमि, छात्रों के हितों और कॉलेज में होने वाली हर चीज के बारे में छात्र की राय जानते हैं, जिसमें शिक्षक और कॉलेज प्रबंधन भी शामिल है। यह कॉलेज के कामकाज के साथ-साथ छात्रों के सामने आने वाली समस्याओं के बारे में जानकारी प्रदान करता है। कॉलेज में पीटीएसआई छात्र और कॉलेज के जीवन को बेहतर बनाने और बढ़ाने की दिशा में काम करता है। एक छात्र के बारे में अधिक जानने से शिक्षक को उनकी योग्यता अनुसार जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलती है।

शैक्षणिक वर्ष 2021 - 2022 के लिए माता-पिता-शिक्षक-छात्र मिलन 23 अप्रैल 2022 को विभिन्न विभागों द्वारा 'गूगल मीट' पर ऑनलाइन माध्यम से सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित किया गया था। विभिन्न विभागों के छात्रों के अभिभावकों ने पीटीएसआई में भाग लिया और गूगल फॉर्म के माध्यम से अपनी प्रतिक्रिया भी दी।

तंबाकू विरोधी समिति, कालिंदी कॉलेज

संयोजक- डॉ. मोनिका बस्सी

सह-संयोजक – डॉ तारकेश्वर गौतम (सह-संयोजक) , डॉ मनीषा अरोड़ा पंडित (सह-संयोजक)

सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद (विज्ञापन का निषेध और व्यापार और वाणिज्य, उत्पादन, आपूर्ति और वितरण का विनियमन) अधिनियम, 2003 ने कॉलेजों के लिए अनिवार्य रूप से कॉलेज परिसर के बाहर विशिष्ट स्थानों पर बोर्ड प्रदर्शित करना और प्रदर्शित करना अनिवार्य बना दिया, जिसमें प्रमुख रूप से सिगरेट की बिक्री का उल्लेख किया गया था। और शिक्षण संस्थान के 100 गज के दायरे के भीतर के क्षेत्र में अन्य तंबाकू उत्पाद सख्त वर्जित हैं और यह अधिनियम की धारा 24 के तहत दंडनीय अपराध है। कॉलेज उक्त आदेश का कड़ाई से पालन कर रहा है।

कालिंदी कॉलेज के छात्राएं तंबाकू सेवन के खिलाफ हैं, हालांकि तंबाकू के दुष्प्रभावों के बारे में हमारी छात्राओं को जागरूक करने के लिए तंबाकू विरोधी समिति कोई कसर नहीं छोड़ रही है, क्योंकि तंबाकू के जहरीले रसायन हमारे शरीर के लगभग हर हिस्से को नुकसान पहुंचाते हैं और इससे कई बीमारियों का खतरा बढ़ाता है। कालिंदी कॉलेज को इस बात पर गर्व है कि कॉलेज परिसर तंबाकू मुक्त परिसर है। तंबाकू के सेवन से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले हानिकारक प्रभावों के बारे में छात्राओं को जागरूक करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। हमारे कार्यक्रमों में निकोटीन के उपयोग के नकारात्मक दुष्प्रभाव पर विस्तार से चर्चा की जाती है और बताया जाता है कि तंबाकू का सेवन व्यक्ति के स्वास्थ्य और उसकी भलाई के हर पहलू को नष्ट कर देता है।

आईबीएसडी

संयोजक- डॉ. एम. अरुणजीत सिंह

सह-संयोजक- डॉ सनावर सोहम

आईबीएसडी कालिंदी कॉलेज सेंटर फॉर विमेन एंटरप्रेन्योरशिप 25 जनवरी 2017 को स्थापित किया गया था। आईबीएसडी कालिंदी महिला उद्यमिता केंद्र एक अनूठा केंद्र है, जो अपनी तरह का पहला नवाचार है जो छोटे से बड़े पैमाने पर सतत विकास के अवसर प्रदान करता है। इस केंद्र का उद्देश्य पूर्वोत्तर राज्यों की जैव-संसाधनों की खोज और जैव विविधता को समझना व उद्यमिता

के अवसरों को खोजना है और जीव विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी के आधुनिक उपकरणों के अनुप्रयोग के माध्यम से पूर्वोत्तर भारत के जैव संसाधनों का विकास और उपयोग करना है। यह केंद्र पूर्वोत्तर राज्य की जैव विविधता का पता लगाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए छात्राओं के आदान-प्रदान, जैव संसाधनों के उद्यमिता और मूल्य वर्धित उत्पादन, नृवंशविज्ञान अध्ययन के बारे में जागरूकता और पशु / पौधे जैव संसाधनों दोनों पर अनुसंधान जैसे कार्यों पर ध्यान केंद्रित करेगा।

वार्षिक अकादमिक जर्नल

संपादक: (अंग्रेजी अनुभाग के लिए) डॉ. चैती दास

सह-संपादक: (अंग्रेजी अनुभाग के लिए) शिप्रा गुप्ता

संपादक: (हिंदी अनुभाग के लिए) डॉ. देश राज

सह-संपादक: (हिंदी अनुभाग के लिए) डॉ.रक्षा गीता

अकादमिक जर्नल अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाओँ में प्रकाशित होता है। कालिंदी कॉलेज का वार्षिक अकादमिक जर्नल, दिल्ली विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह की मूल भावना से सम्बद्ध है इस साल इसका 21वां अंक जारी होगा, जिसके अंतर्गत बेहतरीन अकादमिक शोध पत्रों को बढ़ावा देने के विचार से, परिणामस्वरूप इस वर्ष एक समृद्ध जर्नल का निर्माण प्रक्रियारत है, विभिन्न विषयों के शोधकर्ताओं और विशेषज्ञों द्वारा योगदान किए गए शोध पत्रों में विषयों की विविध रेंज शामिल हैं। एक आशाजनक ग्राफिकल की पहचान/ अनुप्रयोग से लेकर यूजर इंटरफेस जिसे SCILAB कहा जाता है, आयुर्वेद में चयापचय की अवधारणा को उजागर करने के लिए जो एक उपकरण के माध्यम से गणितीय समस्या का विश्लेषण और एक आसान समाधान प्रदान करता है, शोध पत्र पाठक को विस्तृत दृष्टि प्रदान करतें हैं। लेख विचारोतेजक और समकालीन हैं, जो स्नातक शोध छात्रों के एक समूह के साथ हम पर सोशल मीडिया के प्रभाव और शरीर और वास्तविक दुनिया के संबंधों के साथ संबंधों की खोज करते हैं, इसमें बात पर प्रकाश डाला गया कि कैसे जनरल जेड एक ऐसी दुनिया में बसता है जो तेजी से मीडिया प्रभावित हो रही है। एक अन्य शोध पत्र औपनिवेशिक क्रॉस-सांस्कृतिक मुठभेड़ों के बीच सत्ता की राजनीति पर आधारित उपनिवेशवादी परस्पर विरोधी पहचानों को उजागर करता है, इस प्रकार विभिन्न विषयों पर प्रकाश डाला गया है कि संकाय सदस्य और शोध विद्वान अपनी अकादमिक गतिविधियों में संलग्न हैं। हिंदी अनुभाग के अंतर्गत हिंदी संस्कृत और इतिहास के शोध पत्र शामिल किये गए हैं।जिनमें दिल्ली विश्वविद्यालय के अरविन्दों कॉलेज तथा एक नॉन कोलिजिएट से भी है।

शॉर्ट टर्म ऐड-ऑन कोर्स

समन्वयक : डॉ निधि कपूर

कॉलेज छात्रों को ऐसे कौशल से लैस करने के इरादे से शासी निकाय द्वारा अनुमोदित अल्पकालिक ऐड-ऑन पाठ्यक्रम प्रदान करता है जो उन्हें अतिरिक्त लाभ और आज की दुनिया के गहन प्रतिस्पर्धी नौकरी बाजार में बढ़त देता है।

ऐड-ऑन कोर्स का नाम	समन्वयक	अवधि	कोर्स की फीस
विदेशी भाषा में सर्टिफिकेट कोर्स- फ्रेंच (जर्मनिक और रोमन्स अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से)	सुश्री सोनिया कम्बोजी	एक वर्ष	₹ 8000/-
विदेशी भाषा में सर्टिफिकेट कोर्स- चीनी (पूर्व एशियाई अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से)	सुश्री चारु खन्ना	एक वर्ष	₹ 8000/
यात्रा और पर्यटन में सर्टिफिकेट कोर्स	डॉ सीमा सहदेव	चार माह	₹ 8000/

*विभिन्न पाठ्यक्रमों और प्रवेश प्रक्रिया का विवरण महाविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है ।

मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम

संयोजक: डॉ रिनी पुंडी

सह-संयोजक: डॉ राजेश कुमार मीणा

मूल्य वर्धित पाठ्यक्रमों की पेशकश करने के लिए सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की फर्मों के साथ संयुक्त उद्यम संकाय और शिक्षार्थियों के लिए अध्ययन के अपने चुने हुए क्षेत्रों में नवीनतम तकनीकी प्रगति के साथ बने रहना आसान बनाते हैं। उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए पाठ्यक्रम में मूल्य वर्धित पाठ्यक्रमों की पेशकश करना महत्वपूर्ण है ताकि छात्र व्यक्तिगत रूप से विकसित हो सकें और कार्यस्थल की मांगों के लिए खुद को तैयार कर सकें। हमारा कॉलेज शॉर्ट-टर्म और लॉन्ग-टर्म दोनों तरह के सर्टिफिकेट प्रोग्राम्स की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है, जो नियमित क्लास शेड्यूल से परे या ग्रीष्म अवकाश के दौरान आयोजित किए जाते हैं। ये कार्यक्रम, जो पेशेवरों और व्यावसायिक नेताओं द्वारा पढ़ाए जाते हैं, छात्रों को उनके करियर के लिए पेशेवर मूल्य को बढ़ाकर प्रतिस्पर्धी नौकरी

के बाजार में बढ़त दिलाते हैं। हमारा कॉलेज समय-समय पर प्रशिक्षण सत्र, सेमिनार आयोजित करता है, और वांछित लक्ष्य प्राप्त करने के प्रयास में छात्रों की भलाई के लिए अन्य कार्यक्रम। हमने मूल्य वर्धित पाठ्यक्रमों के माध्यम से इन मूल्यवान करियर उन्मुख कार्यक्रमों की पेशकश की है, जिसमें छात्रों को उत्कृष्ट प्रशिक्षण प्राप्त होता है। हर साल, कई शिक्षार्थी इन कौशल समृद्ध पाठ्यक्रमों से लाभान्वित होते हैं। मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम छात्रों को कई व्यवसायों में प्रशिक्षण और परामर्श प्राप्त करने का मौका देते हैं। वास्तव में यह उनका समर्थन भी करता है क्योंकि वे करियर के नए रास्ते तलाशते हैं। मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम छात्रों में तेजतर्रार पेशेवर बनने की इच्छा पैदा करते हैं जो नवीनतम रुझानों का पालन करते हैं और अपने तकनीकी कौशल को बढ़ाते हैं। ये कार्यक्रम हमारे शिक्षार्थियों को उनके साथियों पर प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त प्रदान करते हैं और निम्नलिखित लाभ प्रदान करते हैं: हमने मूल्य वर्धित पाठ्यक्रमों के माध्यम से इन मूल्यवान करियर उन्मुख कार्यक्रमों की पेशकश की है, जिसमें छात्रों को उत्कृष्ट प्रशिक्षण प्राप्त होता है। हर साल, कई शिक्षार्थी इन कौशल समृद्ध पाठ्यक्रमों से लाभान्वित होते हैं। मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम छात्रों को कई व्यवसायों में प्रशिक्षण और परामर्श प्राप्त करने का मौका देते हैं। वास्तव में यह उनका समर्थन भी करता है क्योंकि वे करियर के नए रास्ते तलाशते हैं। मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम छात्रों में तेजतर्रार पेशेवर बनने की इच्छा पैदा करते हैं जो नवीनतम रुझानों का पालन करते हैं और अपने तकनीकी कौशल को बढ़ाते हैं। ये कार्यक्रम हमारे शिक्षार्थियों को उनके साथियों पर प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त प्रदान करते हैं और निम्नलिखित लाभ प्रदान करते हैं: हमने मूल्य वर्धित पाठ्यक्रमों के माध्यम से इन मूल्यवान करियर उन्मुख कार्यक्रमों की पेशकश की है, जिसमें छात्रों को उत्कृष्ट प्रशिक्षण प्राप्त होता है। हर साल, कई शिक्षार्थी इन कौशल समृद्ध पाठ्यक्रमों से लाभान्वित होते हैं। मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम छात्रों को कई व्यवसायों में प्रशिक्षण और परामर्श प्राप्त करने का मौका देते हैं। वास्तव में यह उनका समर्थन भी करता है क्योंकि वे करियर के नए रास्ते तलाशते हैं। मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम छात्रों में तेजतर्रार पेशेवर बनने की इच्छा पैदा करते हैं जो नवीनतम रुझानों का पालन करते हैं और अपने तकनीकी कौशल को बढ़ाते हैं। ये कार्यक्रम हमारे शिक्षार्थियों को उनके साथियों पर प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त प्रदान करते हैं और निम्नलिखित लाभ प्रदान करते हैं: मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम छात्रों को कई व्यवसायों में प्रशिक्षण और परामर्श प्राप्त करने का मौका देते हैं। वास्तव में यह उनका समर्थन भी करता है क्योंकि वे करियर के नए रास्ते तलाशते हैं। मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम छात्रों में तेजतर्रार पेशेवर बनने की इच्छा पैदा करते हैं जो नवीनतम रुझानों का पालन करते हैं और अपने तकनीकी कौशल को बढ़ाते हैं। ये कार्यक्रम हमारे शिक्षार्थियों को उनके साथियों पर प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त प्रदान करते हैं और निम्नलिखित लाभ प्रदान करते हैं: मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम छात्रों

को कई व्यवसायों में प्रशिक्षण और परामर्श प्राप्त करने का मौका देते हैं। वास्तव में यह उनका समर्थन भी करता है क्योंकि वे करियर के नए रास्ते तलाशते हैं। मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम छात्रों में तेजतर्रार पेशेवर बनने की इच्छा पैदा करते हैं जो नवीनतम रुझानों का पालन करते हैं और अपने तकनीकी कौशल को बढ़ाते हैं। ये कार्यक्रम हमारे शिक्षार्थियों को उनके साथियों पर प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त प्रदान करते हैं और निम्नलिखित लाभ प्रदान करते हैं:

- तकनीकी दक्षता, रचनात्मक सोच और योग्यता को बढ़ाता है।
- वांछित क्षेत्र में मौजूदा रुझानों के संपर्क में आने से स्नातकों की रोजगार क्षमता में सुधार होता है।
- शिक्षार्थियों को प्रेरित करने और समकालीन शोध उपकरणों को लागू करने के तरीके को समझने में उनकी मदद करने के लिए बुनियादी समस्या-समाधान तकनीकों को स्थापित करने का प्रयास करता है।

मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम 2020-2021 का विवरण:

क्रमांक	पाठ्यक्रम शीर्षक	विभाग	पाठ्यक्रम समन्वयक	साल
1	नैनोमटेरियल और अनुप्रयोग का हरित संश्लेषण	रसायन शास्त्र	डॉ राजेश कुमार मीना	नवंबर 2020

मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम 2021-2022 का विवरण:

क्रमांक	पाठ्यक्रम शीर्षक	विभाग	पाठ्यक्रम समन्वयक	साल
1	नैनोमटेरियल्स और नैनो टेक्नोलॉजी के फंडामेंटल	रसायन शास्त्र	डॉ राजेश कुमार मीना	नवंबर 2021
2	योग और स्वास्थ्य	शारीरिक शिक्षा	डॉ सुनीता शर्मा	नवंबर 2021
3	'नाट्य-कला'लघु समय प्रमाणक-पत्र पाठ्यक्रम	हिंदी विभाग	डॉक्टर.मंजुशर्माऔरसह:-डॉक्टर.ऋतू	जनवरी 2022
4	बेसिक कंप्यूटर और आईटी स्किल	संगणकविज्ञान	सुश्री अरोकिया राम्या और श्री मनोज कुमार (समन्वयक)	जनवरी 2022
5	पायथन के साथ डेटा	अर्थशास्त्र	डॉ शालिनी अग्रवाल और श्री	फरवरी

	विश्लेषण		रोहित	2022
6	भूसूचना	भूगोल	डॉ सीमा सहदेव और डॉ जितेंद्र ऋषिदेव (समन्वयक)	अप्रैल 2022

पुस्तकालय

लाइब्रेरियन: सुश्री कर्णिका गौड़

कॉलेज का पुस्तकालय अच्छी तरह से भंडारित है। पुस्तकालय का उद्देश्य कॉलेज के पाठ्यक्रम से संबंधित शिक्षकों और छात्रों की आवश्यकताओं की सहायता करना है। एक जानकार और विनम्र पुस्तकालय स्टाफ साहित्य और पुस्तकालय सुविधाओं के बारे में छात्रों का मार्गदर्शन और परामर्श देता है। छात्रों को पुस्तकालय का बार-बार उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। पुस्तकालय के संग्रह में विभिन्न विषयों पर 86,427 से अधिक पुस्तकें हैं जिनमें बुक बैंक और छात्र सहायता निधि पुस्तकें शामिल हैं, जिनका उपयोग छात्र अध्ययन के अपने संबंधित क्षेत्रों में फलने-फूलने में मदद के लिए कर सकते हैं। पुस्तकालय के संग्रह को तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया है: सामान्य, पाठ्यपुस्तक और संदर्भ। छात्र प्रिंट और ऑनलाइन में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं की एक विशाल विविधता से भी परामर्श कर सकते हैं। पुस्तकालय 54 पत्रिकाओं और पत्रिकाओं की सदस्यता लेता है। पुस्तकालय अपने खुले रैक सिस्टम, विस्तृत पठन क्षेत्र, वेब केंद्र और संदर्भ विभाग के साथ एक आरामदायक सीखने का वातावरण प्रदान करता है। पुस्तकालय में एक फोटोस्टेट सेवा भी उपलब्ध है, जिसका लाभ संकाय और छात्र उठा सकते हैं। वेब सेंटर पुस्तकालय की पहली मंजिल पर स्थित है और छात्रों और शिक्षकों को DULS, N-List, और DELNET के माध्यम से ई-संसाधनों तक पहुंच प्रदान करता है।

उपयोगकर्ता आईडी और पासवर्ड का उपयोग करके ई-संसाधनों तक दूरस्थ पहुंच एन-लिस्ट, डेलनेट और डीयूएलएस (केवल संकाय और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए) के माध्यम से भी उपलब्ध है। संकाय सदस्यों द्वारा अपने शोध कार्यों में साहित्यिक चोरी की जांच के लिए उरकुंड सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जाता है। पुस्तकालय से संबंधित समस्त जानकारी महाविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। कॉलेज की वेबसाइट के माध्यम से, आगंतुक पुराने परीक्षा पत्रों, ओपन एक्सेस पत्रिकाओं / पत्रिकाओं, समाचार पत्रों, जर्नल कंटेंट अलर्ट सर्विस, कई शैक्षिक डिजिटल संसाधन लिंक और आस्क ए लाइब्रेरियन विकल्प तक पहुंच सकते हैं। पुस्तकालय हरित पहल को भी बढ़ावा दे रहा है और इस

प्रकार पुस्तकालय बेकार कागज के बजाय पुनर्नवीनीकरण सामग्री की खरीद कर रहा है। प्रिंट विकलांग छात्रों के लिए सुगम्य पुस्तकालय और डीयू ब्रेल पुस्तकालय के माध्यम से ई-पुस्तकों की सुविधा प्रदान की जाती है और पुस्तकालय के भूतल पर पीडब्ल्यूडी छात्रों के लिए पुस्तकालय में स्क्रीन रीडिंग सॉफ्टवेयर यानी एनवीडीए और हिंदी ओसीआर वाले दो कंप्यूटर सिस्टम उपलब्ध हैं।

साइबर सेंटर

संयोजक: डॉ. वंदना गुप्ता

सह-संयोजक- सुश्री कर्णिका गौड़, डॉ. निधि कपूर

अच्छी तरह से प्रबंधित साइबर केंद्र विभिन्न शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्यों के लिए छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधा प्रदान करते हैं। यह संकाय और छात्रों के शोध कार्य को सुविधाजनक बनाने में भी मदद करता है। दिल्ली विश्वविद्यालय ने 63 उच्च-गुणवत्ता वाले इलेक्ट्रॉनिक डेटाबेस की सदस्यता ली है जो शिक्षकों और छात्रों को कैंपस नेटवर्क के माध्यम से उपलब्ध कराए गए हैं। इनके अलावा, 21 और डेटाबेस भी डिजिटल लाइब्रेरी कंसोर्टियम के माध्यम से उपलब्ध हैं। इस कैंपस वाइड नेटवर्क के माध्यम से ओपन एक्सेस ई-संसाधन भी उपलब्ध हैं।

छात्र साइबर सेंटर: 2012 में दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति प्रो दिनेश सिंह द्वारा उद्घाटन किया गया साइबर सेंटर, 100 एमबीपीएस की गति के साथ ऑप्टिकल फाइबर के माध्यम से दिल्ली विश्वविद्यालय नेटवर्क से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। इसमें 2 सर्वर और 90 कंप्यूटर हैं। इसमें एक यूजीसी संसाधन नेटवर्क केंद्र है जिसमें 8 कंप्यूटर हैं।

शिक्षक साइबर केंद्र: अकादमिक और अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए, कॉलेज ने छात्रों के साइबर सेंटर से सटे शिक्षकों के लिए एक विशेष साइबर केंद्र स्थापित किया है, जिसमें 35 कंप्यूटर हैं, जो सभी लैन और इंटरनेट से जुड़े हैं।

यूजीसीएफ-2022

शैक्षणिक वर्ष 2022-2023 में प्रवेश लेने वाले छात्र, राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर आधारित अंडरग्रेजुएट पाठ्यक्रम रूपरेखा - 2022 के विवरण के लिए, कृपया दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट देखें।

https://centenary.du.ac.in/?Documents-Documentaries/UGCF-2022-NEP-2020

कुछ महत्त्वपूर्ण बिंदु

यूजीसीएफ कई निकास विकल्पों के साथ विभिन्न विषयों में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रमों के लिए एक संकल्पना है।

1. सेमेस्टर II के सफल समापन के बाद अध्ययन / अनुशासन के क्षेत्र में स्नातक प्रमाणपत्र। प्रमाणपत्र के लिए 44 क्रेडिट प्राप्त करना अनिवार्य है।
2. सेमेस्टर IV के सफल समापन के बाद अध्ययन / अनुशासन के क्षेत्र में स्नातक डिप्लोमा। प्रमाणपत्र के लिए 88 क्रेडिट प्राप्त करना अनिवार्य है
3. स्नातक (अध्ययन के क्षेत्र) (ऑनर्स) अनुशासन (सिंगल कोर डिसिप्लिन कोर्स ऑफ स्टडी के लिए) सेमेस्टर VI के सफल समापन के बाद। प्रमाणपत्र के लिए 132 क्रेडिट प्राप्त करना अनिवार्य है
4. स्नातक (अध्ययन के बहु-विषयक पाठ्यक्रमों का क्षेत्र) (अध्ययन के विषयों के पाठ्यक्रमों के बहु-मूल समापन के लिए)। सेमेस्टर VI के सफल समापन के बाद। प्रमाणपत्र के लिए 132 क्रेडिट प्राप्त करना अनिवार्य है
5. स्नातक (अध्ययन / अनुशासन का क्षेत्र) (अनुसंधान/परियोजनाओं/उद्यमिता के अकादमिक समापन के साथ सम्मान) अनुशासन (एकल कोर अनुशासन अध्ययन के पाठ्यक्रम के लिए) सेमेस्टर VIII के सफल समापन के बाद। प्रमाणपत्र के लिए 176 क्रेडिट प्राप्त करना अनिवार्य है
6. स्नातक (अध्ययन के बहु-विषयक पाठ्यक्रमों का क्षेत्र) (सम्मान)। VIII सेमेस्टर के सफल समापन के बाद। प्रमाणपत्र के लिए 176 क्रेडिट प्राप्त करना अनिवार्य है

तीन वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम

लर्निंग आउटकम बेस्ड करिकुलम फ्रेमवर्क (एलओसीएफ) की आकलन योजना

आंतरिक मूल्यांकन योजना की महत्वपूर्ण विशेषताएं इस प्रकार हैं:

1 आंतरिक मूल्यांकन की योजना का पालन केवल नियमित स्ट्रीम में किया जाएगा, और यह शैक्षणिक सत्र 2003-04 से (अर्थात प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए) स्नातक डिग्री पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले छात्रों पर लागू होगा।

2 आंतरिक मूल्यांकन के अंक विश्वविद्यालय द्वारा जारी अंक पत्र में अलग से दिखाए जाएंगे और इन अंकों को छात्र के विभाजन का निर्धारण करने के लिए सेमेस्टर परीक्षा के अंकों में जोड़ा जाएगा। स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रत्येक पेपर में अधिकतम अंकों का 25% आंतरिक मूल्यांकन के लिए और शेष 75% अंक सेमेस्टर विश्वविद्यालय परीक्षा के लिए आवंटित किया जाएगा; इस 75% घटक के संबंध में वार्षिक / सेमेस्टर परीक्षा की समय अवधि और अन्य तौर-तरीके विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए परीक्षा की मौजूदा योजनाओं के अनुसार रहेंगे।

3 सीबीसीएस पाठ्यक्रम के अनुसार सेमेस्टर परीक्षा योजना के लिए, सेमेस्टर के दौरान आयोजित गृह परीक्षा को 10% वेटेज दिया जाएगा। गृह परीक्षा में उपस्थिति अनिवार्य है। किसी भी गृह परीक्षा में फिर से उपस्थित होने के किसी भी अनुरोध पर केवल चिकित्सा आधार पर और सीजीएचएस/सरकारी अस्पताल/विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित/सूचीबद्ध अस्पताल से चिकित्सा प्रमाण पत्र और पर्चे प्रस्तुत करने पर ही विचार किया जाएगा, जिसकी सूची वेबसाइट पर उपलब्ध है। गृह परीक्षा समाप्त होने के एक सप्ताह के भीतर महाविद्यालय द्वारा निर्धारित तिथियों पर पुन: परीक्षा आयोजित की जाएगी।

4 प्रत्येक छात्र का मूल्यांकन लिखित असाइनमेंट/परीक्षा/ट्यूटोरियल के साथ-साथ प्रोजेक्ट रिपोर्ट/टर्म पेपर/सेमिनार के आधार पर किया जाएगा। ऐसे लिखित असाइनमेंट के लिए 10% वेटेज होगा; और परियोजना रिपोर्ट/प्रस्तुतिकरण/टर्म पेपर/सेमिनार। प्रत्येक सेमेस्टर में प्रत्येक छात्र को प्रति पेपर कम से कम एक लिखित सत्रीय कार्य दिया जाएगा।

5 व्याख्यान और ट्यूटोरियल में भाग लेने में नियमितता के लिए 5% वेटेज होगा, और उपस्थिति के आधार पर प्रत्येक पेपर में नियमितता के लिए क्रेडिट निम्नानुसार होगा

विश्वविद्यालय दिशानिर्देश

बाहरी मूल्यांकन / सेमेस्टर परीक्षा (75%)

आंतरिक मूल्यांकन (25%), जिसमें से 5% उपस्थिति के लिए है

उपस्थिति वेटेज

67% या अधिक लेकिन 70% से कम	1 अंक
70% या अधिक लेकिन 75% से कम	2 अंक
75% या अधिक लेकिन 80% से कम	3 अंक
80% या अधिक लेकिन 85% से कम	4 अंक
85% से अधिक	5 अंक

एलओसीएफ पाठ्यक्रम की रूपरेखा

1. कोर पाठ्यक्रम
2. इलेक्टिव पाठ्यक्रम

   2.1 अनुशासन विशिष्ट इलेक्टिव (डीएसई) पाठ्यक्रम

   2.2 निबंध/परियोजना

   2.3 जनरल इलेक्टिव (जीई) पाठ्यक्रम: आम तौर पर एक असंबंधित विषय/विषय से चुना गया एक इलेक्टिव पाठ्यक्रम, जो जोखिम लेने के इरादे से होता है, जनरल इलेक्टिव कहलाता है
3. योग्यता वृद्धि पाठ्यक्रम (एईसी)/योग्यता सुधार पाठ्यक्रम/कौशल विकास पाठ्यक्रम/फाउंडेशन पाठ्यक्रम

   3.1 एई अनिवार्य पाठ्यक्रम (एईसीसी): पर्यावरण विज्ञान, अंग्रेजी संचार / एमआईएल संचार

   3.2 एई इलेक्टिव पाठ्यक्रम (एईईसी): इन पाठ्यक्रमों को मूल्य-आधारित और/या कौशल-आधारित निर्देश प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए पाठ्यक्रमों के पूल से चुना जा सकता है।

महत्वपूर्ण नियम

उपस्थिति के लिए दिए जाने वाले अंकों के लिए क्रेडिट की गणना करते समय चिकित्सा प्रमाणपत्रों को बाहर रखा जाएगा, हालांकि अध्यादेश VII के मौजूदा प्रावधानों के अनुसार परीक्षा में बैठने के लिए पात्रता की गणना के उद्देश्य से ऐसे प्रमाणपत्रों को ध्यान में रखा जाना जारी रहेगा।

अध्यादेश VII के प्रावधानों के अनुसार, नवीनतम संशोधनों के साथ, यदि कोई हो, कॉलेज द्वारा उपस्थिति के संबंध में निम्नलिखित नियमों का पालन किया जाएगा:

परीक्षा में बैठने के योग्य होने के लिए एक छात्र को अलग से दिए गए व्याख्यानों/प्रैक्टिकल/ट्यूटोरियल/प्रस्तुतियों की कुल संख्या के दो तिहाई भाग में भाग लेने की आवश्यकता होगी।

एक छात्र जो उपरोक्त उल्लिखित सभी विषयों में उपस्थिति की आवश्यक शर्तों को पूरा नहीं करेगा, लेकिन संबंधित सेमेस्टर के दौरान 40% से कम व्याख्यान/प्रस्तुति/ट्यूटोरियल/प्रैक्टिकल में भाग नहीं लिया है, प्राचार्य के विवेक पर उपस्थित हो सकता है आगामी सेमेस्टर परीक्षा के लिए। ऐसे छात्र को अगले सेमेस्टर में कमी की पूर्ति करनी होगी।

एक छात्र जो 40% से कम व्याख्यान/प्रैक्टिकल/प्रस्तुतिकरण/ट्यूटोरियल में भाग लेने में विफल रहता है, उसे आगामी सेमेस्टर परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जा सकती है।

यदि किसी छात्र को एनसीसी शिविरों/नागरिक सुरक्षा कार्य/एनएसएस सार्वजनिक कार्यों/खेल या अन्य पाठ्यचर्या गतिविधियों में भाग लेने के लिए चुना जाता है या विभिन्न मंचों पर कॉलेज का प्रतिनिधित्व करता है, तो अनुपस्थिति की अवधि के दौरान दिए गए व्याख्यानों की संख्या की गणना 'डीम्ड' के रूप में की जाएगी। यदि संबंधित शिक्षक द्वारा अग्रेषित किया गया हो और प्राचार्य द्वारा अनुमोदित किया गया हो तो ही उपस्थित हुए हैं।

आंतरिक मूल्यांकन की शुरुआत के साथ, विश्वविद्यालय के लिए अधिकतम अंक प्रत्येक पेपर में परीक्षा तदनुसार कम हो जाएगी।

पदोन्नति मानदंड विश्वविद्यालय परीक्षा के मौजूदा अध्यादेश के अनुसार होगा, जैसा कि संबंधित पाठ्यक्रमों पर लागू होता है। इसके अलावा, समान मानदंड विश्वविद्यालय परीक्षा और कॉलेज में आंतरिक मूल्यांकन के कुल योग पर लागू होंगे।

प्रत्येक विभाग में आंतरिक मूल्यांकन के लिए एक मॉडरेशन कमेटी होगी जिसमें वर्तमान प्रभारी शिक्षक, पूर्व शिक्षक प्रभारी और विभाग के वरिष्ठतम सदस्य शामिल होंगे।

पाठ्यक्रम

क्रमांक	पाठ्यक्रम
1	बीए (ऑनर्स) अर्थशास्त्र
2	बीए (ऑनर्स) अंग्रेजी
3	बीए (ऑनर्स) भूगोल
4	बीए (ऑनर्स) हिंदी

5	बीए (ऑनर्स) इतिहास
6	बीए (ऑनर्स) पत्रकारिता
7	बीए (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान
8	बीए (ऑनर्स) संस्कृत
10	बी कॉम.
1 1	बी कॉम. (ऑनर्स)
12	बीएससी (ऑनर्स) बॉटनी
13	बीएससी (ऑनर्स) केमिस्ट्री
14	बीएससी (ऑनर्स) कंप्यूटर साइंस
15	बीएससी (ऑनर्स) गणित
16	बीएससी (ऑनर्स) भौतिकी
17	बीएससी (ऑनर्स) जूलॉजी
18	बीएससी (जीवन विज्ञान)
19	बी.वोक वेब डिजाइनिंग
20	बीएससी कंप्यूटर के साथ भौतिक विज्ञान
21	बीए कार्यक्रम (बौद्ध अध्ययन + इतिहास)
22	बीए कार्यक्रम (बौद्ध अध्ययन + संगीत)
23	बीए कार्यक्रम (बौद्ध अध्ययन + राजनीति विज्ञान)
24	बीए प्रोग्राम (कंप्यूटर विज्ञान + अर्थशास्त्र)
25	बीए कार्यक्रम (कंप्यूटर विज्ञान + उद्यमिता और लघु व्यवसाय (ईएसबी))
26	बीए प्रोग्राम (कंप्यूटर विज्ञान + भूगोल)
27	बीए कार्यक्रम (कंप्यूटर विज्ञान + गणित)
28	बीए कार्यक्रम (अर्थशास्त्र + उद्यमिता और लघु व्यवसाय (ईएसबी))
29	बीए प्रोग्राम (अर्थशास्त्र + भूगोल)
30	बीए प्रोग्राम (अर्थशास्त्र + इतिहास)
31	बीए कार्यक्रम (अर्थशास्त्र + गणित)
32	बीए कार्यक्रम (अर्थशास्त्र + राजनीति विज्ञान)
33	बीए कार्यक्रम (उद्यमिता और लघु व्यवसाय (ईएसबी) + भूगोल)

34	बीए कार्यक्रम (उद्यमिता और लघु व्यवसाय (ईएसबी) + इतिहास)
35	बीए कार्यक्रम (उद्यमिता और लघु व्यवसाय (ईएसबी) + गणित)
36	बीए कार्यक्रम (उद्यमिता और लघु व्यवसाय (ईएसबी) + राजनीति विज्ञान)
37	बीए कार्यक्रम (भूगोल + इतिहास)
38	बीए कार्यक्रम (भूगोल + गणित)
39	बीए कार्यक्रम (भूगोल + राजनीति विज्ञान)
40	बीए कार्यक्रम (इतिहास + संगीत)
41	बीए कार्यक्रम (इतिहास + राजनीति विज्ञान)
42	बीए कार्यक्रम (संगीत + राजनीति विज्ञान)
43	बीए कार्यक्रम (संस्कृत + बौद्ध अध्ययन)
44	बीए प्रोग्राम (संस्कृत + इतिहास)
45	बीए प्रोग्राम (संस्कृत + संगीत)
46	बीए कार्यक्रम (संस्कृत + राजनीति विज्ञान)

भूगोल विभाग

(1) विभाग के बारे में संक्षिप्त परिचय:

भूगोल विभाग की स्थापना वर्ष 1995 में बी.ए पाठ्यक्रम के साथ हुई थी। भौगोलिक अध्ययन को बढ़ावा देने के लिए, कॉलेज में बी.ए. (ऑनर्स) सी.बी.सी.एस. प्रणाली के अंतर्गत 2017 में भूगोल विषय को पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया गया। उत्कृष्टता के लिए यह विभाग सदैव प्रतिबद्ध रहा है। सैद्धांतिक परिपाटी के साथ विभाग ने उपकरणों से सुसज्जित कार्टोग्राफी और जी.आई.एस. प्रयोगशाला की स्थापना की है। कार्टोग्राफी, रिमोट सेंसिंग, जी.आई.एस. और जी.पी.एस. के क्षेत्र में व्यावहारिक अनुप्रयोगों के माध्यम से छात्रों को सीखने और उनके कौशल को बढ़ाने के लिए सुसज्जित कार्टोग्राफी प्रयोगशाला और जी.आई.एस. लैब की स्थापना की गई है। भूगोल विभाग ने कॉलेज के 3-डी और 2-डी मानचित्र तैयार किए हैं, जो छात्रों और आने-जाने वालों को कॉलेज परिसर के भीतर शिक्षण और गैर-शिक्षण स्थानों को जानने में मदद करते हैं।

विभाग वार्षिक जियो फेस्ट- पुनरुत्थान का आयोजन करता है, जिसमें विभिन्न विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के छात्र और विशेषज्ञ अकादमिक परिचर्चा में भाग लेते हैं और परस्पर विचार-विमर्श करते हैं। सोसाइटी की अपनी ई-पत्रिका "जियोसोफी" है, जिसका संपादन और संरक्षण इसके कार्यकारी सदस्यों द्वारा किया जाता है।

भूगोल विभाग 'यात्रा और पर्यटन' नामक एक सर्टिफिकेट कोर्स चलाता है, जिसका उद्देश्य यात्रा और पर्यटन उद्योग में शामिल होने के इच्छुक छात्रों को शिक्षित, प्रशिक्षित एवं कौशल विकास करना है, और जो उन्हें वैकल्पिक कैरियर के अवसर प्रदान करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

भूगोल विभाग महाविद्यालय परिसर में स्थापित पेपर रीसायकल यूनिट के कार्यों को भी देख रहा है। यह इकाई विभिन्न विभागों से एकत्रित बेकार कागज को पुन: संसाधित करती है और पुनर्नवीनीकरण कर कागज का उत्पादन करती है, जिसका उपयोग विभिन्न उद्देश्यों के लिए किया जाता है।

छात्रों की जरूरतों को पूरा करने के लिए, भूगोल विभाग में अनुभवी और सक्षम कर्मचारियों के प्रबंधन के तहत प्रायोगिक कक्षाएं संचालित करने के लिए उपकरणों से सुसज्जित प्रयोगशाला है। विभाग के पास प्रयोगशाला के अलावा विभागीय पुस्तकालय में पुस्तकों का अच्छा संग्रह है।

I. कार्टोग्राफी लैब: ट्रेसिंग टेबल, एल.सी.डी. प्रोजेक्टर, मानचित्र, मॉडल और अनेक चार्ट हैं।

II. जी.आई.एस. लैब: कंप्यूटर, जी.पी.एस, स्टीरियोस्कोप, रोटामीटर और प्लैनीमीटर और एल.सी.डी. उपकरण प्रोजेक्टर आदि से सुसज्जित हैं। प्रयोगशाला उपग्रह चित्रों, हवाई तस्वीरों के साथ-साथ विभिन्न प्रयोगों से संबंधित सतत कार्यक्रमों को करवाने में समर्थ है।

III. विभागीय पुस्तकालय: विभाग का अपना पुस्तकालय है, जहां भूगोल से सम्बंधित पुस्तकों, प्रायोगिक नोट्स और परियोजनाओं पर पुस्तकों का अच्छा संग्रह है । पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकें छात्राओं को भी दी जाती हैं।

IV. भण्डार कक्ष: विभाग के पास मानचित्रों, चार्ट के साथ-साथ औजार एवं उपकरणों के भण्डारण के लिए पृथक भण्डार कक्ष भी है।

(2) विषय का दायरा:

पाठ्यक्रम के विषय क्षेत्र हैं भू-आकृति विज्ञान, कार्टोग्राफिक तकनीक, मानव भूगोल, विषयगत कार्टोग्राफी, जलवायु विज्ञान, भूगोल में सांख्यिकीय प्रणाली, भारत का भूगोल, आर्थिक भूगोल, पर्यावरणीय भूगोल, शोधविधि और उसके कार्य - क्षेत्र, क्षेत्रीय योजना और विकास, रिमोट सेंसिंग और जी.आई.एस., भौगिलिक विचारों का मूल्यांकन और आपदा प्रबंधन जैसे विषय -क्षेत्र परियोजना कार्य पर आधारित होते हैं।

इस पाठ्यक्रम की करियर संभावनाएं हैं-भारतीय सर्वेक्षण, अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र, शहरी और ग्रामीण विकास विभाग, महानगर विकास निगम और सामाजिक और पर्यावरण अनुसंधान संगठन की संभावनाएं निहित हैं। यह पाठ्यक्रम भूगोल, भूविज्ञान, मेट्रोलॉजी और शहरी एवं क्षेत्रीय योजना के अनुशासन में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक छात्रों के लिए एक ठोस आधार प्रदान करता है।

भूगोल में स्नातक कार्यक्रमों को पूरा करने के बाद, छात्र निम्नलिखित रूप से सक्षम होंगे:

- विभिन्न स्थानिक और अस्थानिक पैमानों पर बदलती अंतःक्रियाओं की जांच करके एक एकीकृत मानव-पर्यावरण प्रणाली के रूप में पृथ्वी का विश्लेषण कर सकते हैं।
- भौतिक और मानव भूगोल की विभिन्न शाखाओं की विषय को समझने के लिए।
- भौगोलिक आंकड़ों का विश्लेषण करना और मानव-पर्यावरण संबंधों के संदर्भ में इसके महत्व की व्याख्या करना।
- मौखिक, लिखित और दृश्य रूपों का उपयोग करके भौगोलिक अवधारणाओं और आंकड़ों को प्रभावी ढंग से संचारित करना।
- मानव-पर्यावरण की समस्याओं के नवीन समाधानों को आगे बढ़ाने में प्रभावी रूप से योगदान दे सकते हैं।
- एक या अधिक भौगोलिक उप-विषयों से उपयुक्त अवधारणाओं, विधियों और उपकरणों का उपयोग करके जटिल वास्तविक दुनिया की चुनौतियों की जांच कर सकते हैं।
- भौगोलिक ज्ञान की सामाजिक प्रासंगिकता की व्याख्या करना और इसे वास्तविक विश्व के मानव-पर्यावरण मुद्दों पर लागू कर सकते हैं।

1.संकाय सदस्यों का विवरण

क्रम संख्या	नाम	पद	योग्यता	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1	डॉ.सीमा सहदेव (विभाग प्रभारी)	सह - प्राध्यापक	एम.ए., एम्.फिल.,पीएच.डी	राजनीतिक भूगोल/चुनावी भूगोल/ पर्यावरण भूगोल

4. प्रयोगशाला कर्मचारी का विवरण :

	नाम	पदनाम
1.	श्री सोनू कुमार	प्रयोगशाला परिचारक
2.	श्री राकेश यादव	प्रयोगशाला परिचारक

5. शिक्षण का माध्यम: अंग्रेजी और हिंदी

कोर्स विवरण :

(i)ऑनर्स कोर्स के लिए

I वर्ष (यू.जी.सी.एफ.)

सेमेस्टर	कोर	जेनरिक इलेक्टिव (कोई एक)	ए.ई.सी.सी.
I	1.भौतिक भूगोल 2.मानव भूगोल 3.डिजिटल कार्टोग्राफी (प्रैक्टिकल)	1. भारत का भूगोल 2.विकास का स्थानिक आयाम 3.स्वास्थ्य और भलाई का भूगोल	(अंग्रेजी/एम.आई.एल./संप्रेषण)/पर्यावरण विज्ञान

II	1.भूआकृति विज्ञान 2. जनसंख्या भूगोल 3.भूगोल में सांख्यिकीय विधि (प्रैक्टिकल)	1.वैश्वीकरण और गतिशीलता 2.आपदा प्रबंधन 3.पारंपरिक पारिस्थितिक ज्ञान और व्यवहारगत प्रयोग	पर्यावरण विज्ञान/(अंग्रेजी/एम.आई.एल./ संप्रेषण)

II वर्ष (एल.ओ.सी.एफ.)

सेमेस्टर	**कोर**	**जेनरिक इलेक्टिव (कोई एक)**	**एस.ई.सी.**
III	1. जलवायु विज्ञान शास्त्र 2 भूगोल में सांख्यिकीय तरीके (प्रैक्टिकल) 3. भारत का भूगोल	1.जलवायु परिवर्तन: भेद्यता और अनुकूलन 2. ग्रामीण विकास	1.सुदूर संवेदन (प्रैक्टिकल) 2.उन्नत स्थानिक सांख्यिकीय तकनीक
IV	1. आर्थिक भूगोल 2.पर्यावरण भूगोल 3.फील्ड वर्क एंड रिसर्च मेथोडोलॉजी (प्रैक्टिकल)	1.औद्योगिक विकास सततता 2. संसाधन विकास	1.जी.आई.एस.साइंस का परिचय(प्रैक्टिकल) 2.विषयगत एटलस (प्रैक्टिकल)

III वर्ष

सेमेस्टर	कोर	डी.एस.ई.-I (कोई एक)	डी.एस.ई.-II (कोई एक)
V	1.क्षेत्रीय योजना और विकास 2.रिमोट सेंसिंग और जी.आई.एस. (प्रैक्टिकल)	1.जनसांख्यिकी और जनसंख्या अध्ययन 2.जल विज्ञान और मृदा अध्ययन	1. शहरीकरण और शहरी प्रणाली 2. कृषि और खाद्य सुरक्षा
VI	1. भौगोलिक विचार का विकास 2आपदा प्रबंधन आधारित परियोजना कार्य (प्रैक्टिकल)	डी.एस.ई.-III (कोई भी एक) 1.स्वास्थ्य का भूगोल 2.राजनीतिक भूगोल का परिचय	डी.एस.ई.-IV (कोई एक) 1.जीवविज्ञान और जैव विविधता 2.सामाजिक भलाई का भूगोल

बी.ए.प्रोग्राम पाठ्यक्रम के लिए

I वर्ष (यू.जी.सी.एफ.)

सेमेस्टर	कोर	ए.ई.सी.सी.
I	**प्राप्त नहीं**	पर्यावरण विज्ञान/ (अंग्रेजी/ एम.आई.एल. /संप्रेषण)
II	**प्राप्त नहीं**	(अंग्रेजी/एम.आई.एल./संप्रेषण)/ पर्यावरण विज्ञान

II वर्ष (एल.ओ.सी.एफ.)

सेमेस्टर	कोर	एस.ई.सी.
III	जनरल कार्टोग्राफी (कोर)	क्षेत्रीय योजना और सतत विकास (एस.ई.सी.)
IV	पर्यावरण भूगोल (कोर)	रिमोट सेंसिंग और जी.पी.एस./जी.एन.एस.एस. के मौलिक (एस.ई.सी.)

III वर्ष (एल.ओ.सी.एफ.)

सेमेस्टर	डी.एस.ई.	जेनरिक इलेक्टिव	एस.ई.सी.
V	1.भारत का भूगोल या 2.विश्व का आर्थिक भूगोल	आपदा प्रबंधन	फील्ड तकनीक और सर्वेक्षण प्रविधि (एस.ई.सी.)
VI	1. आपदा प्रबंधन या 2. पर्यटन का भूगोल	स्थिरता और विकास	जी.आई.साइंस का परिचय (एस.ई.सी.)

7. प्रमुख अभिविन्यास पाठ्यक्रम, संगोष्ठी, कार्यशालाएं, सम्मेलन:

संगोष्ठी का शीर्षक,अभिविन्यास पाठ्यक्रम,संगोष्ठी,कार्यशालाएं, सम्मेलन	**आयोजक विभाग और दिनांक**	**प्रायोजक**	**स्तर(राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय/राज्य/विश्वविद्यालय/ कॉलेज**
आजादी का अमृत महोत्सव: भारतीय स्वतंत्रता के मानचित्रण पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया।	भूगोल 09.09.2021	एन/ए	कॉलेज
भू-सूचना के समसामयिक मुद्दों पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया।	भूगोल 16.09.2021	एन/ए	कॉलेज
भूगोल में सामाजिक-स्थानिक विकास और क्षेत्रीय असंतुलन पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया।	20.09.2021	एन/ए	कॉलेज
विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर 'कैरियर के रूप में पर्यटन के क्षेत्र' विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया।	भूगोल 27.09.2021	एन/ए	कॉलेज
तटीय आपदा : सामुदायिक लचीलापन और संस्थागत तैयारी पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया।	भूगोल 30.09.2021	एन/ए	कॉलेज
'इंटर-कॉलेज डिजिटल पोस्टर मेकिंग एंड स्लोगन राइटिंग कॉम्पिटिशन पर एक ऑनलाइन गतिविधि का आयोजन किया गया।	भूगोल 13.10.2021	एन/ए	कॉलेज

क्रिस्टालर के केंद्रीय स्थान सिद्धांत और नगरीय अध्ययन के भविष्यगत मार्ग पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया।	भूगोल 2.11.2021	एन/ए	कॉलेज
सतत आजीविका के लिए संसाधन प्रबंधन और मानव सशक्तिकरण पर वेबिनार का आयोजन किया गया।	भूगोल 24.01.2022	एन/ए	कॉलेज
"तटीय क्षरण और अभिवृद्धि: भू-स्थानिक तकनीक द्वारा आकलन" पर वेबिनार का आयोजन किया गया।	भूगोल 28.01.2022	एन/ए	कॉलेज
"बिजनेस स्टार्टअप्स और पर्यावरण कानून, प्रकृति और भारत में एक स्थायी पारिस्थितिकी तंत्र के ढांचे की संभावना"विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया।	भूगोल 03.02.2022	एन/ए	कॉलेज
स्थायी जीवन शैली पर एक पैनल परिचर्चा वार्षिक भू उत्सव पुनरुत्थान 2022 का आयोजन किया गया।	भूगोल 09.03.2022	एन/ए	कॉलेज

4.विभाग में अनुसंधान:

क्रमांक	प्रधान अन्वेषक (सह-अन्वेषक) का नाम	परियोजना	अनुदान एजेंसी का शीर्षक, अवधि और स्वीकृति की तारीख	परियोजना की स्थिति (प्रस्तुत/ जारी)	विद्यार्थियों का नाम
1.	डॉ.सीमा सहदेव डॉ.उषा पाठक सुश्री गीता कुमारी डॉ.शशि भूषण डॉ.जितेंद्र ऋषिदेव श्री अखिलेश मिश्रा सुश्री माधुरी मीणा डॉ.शालिनी शिखा	आपदा प्रबंधन योजना और कालिंदी कॉलेज, डीयू की क्षमता निर्माण	कालिंदी कॉलेज; एक वर्ष; (2021-22)	जारी	ज्योत्सना, पलक, दृष्टि, कृतिका ओझा, सत्या, साक्षी तोमर

9. शैक्षणिक सत्र 2021-22 में आमंत्रित विशिष्ट वक्ताओं/अतिथियों की सूची:

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	संस्थान
1	प्रो. पवन के जोशी	प्रोफेसर	पर्यावरण विज्ञान स्कूल,जे.एन.यू.
2	डॉ. सिबा शंकर साहू	सहायक प्रोफेसर,भूगोल	रेनशॉ विश्वविद्यालय, ओडिसा

		विभाग	
3	डॉ. श्रीजी कुरुप	वरिष्ठ कार्यक्रम समन्वयक	तटीय और समुद्री कार्यक्रम, पर्यावरण शिक्षा केंद्र, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
4	डॉ. सितेंद्र मलिक	सहायक प्रोफेसर, भूगोल विभाग	चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, जींद
5	सुश्री तन्नु सैनी	परियोजना अधिकारी	पर्यावरण शिक्षा केंद्र
6	श्री सुनील साइमन	निदेशक	ग्रीनप्रो नेचुरा कंसल्टेंट्स
7	श. कमलजीत	निदेशक	किसान संचार
8	डॉ. गौरव सिक्का	सहायक प्रोफेसर	एल.एन. मिथिला विश्वविद्यालय
9	डॉ. अरविंद कुमार दुबे	सह-प्रोफेसर,पर्यटन और आतिथ्य सेवा स्कूल	इग्नू, नई दिल्ली

10	डॉ. एस. श्रीकेश	सह-प्रोफेसर, सी.एस.आर.डी., एस.एस.एस.	जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय
11	डॉ. वनीता चंदना	सह-प्रोफेसर,भूगोल विभाग	शहीद भगत सिंह कॉलेज (सांध्यकालीन)

हिन्दी विभाग

1.विभाग का संक्षिप्त परिचय:

कालिन्दी महाविद्यालय में हिन्दी विभाग की स्थापना सन् 1967 में महाविद्यालय की स्थापना के साथ हुई। शुरूआत बी.ए. पास के हिन्दी पाठ्यक्रमों के शिक्षण से हुई। सन् 1971 में बी.ए. ऑनर्स हिन्दी पाठ्यक्रम की और सन् 1991 में एम.ए.हिन्दी पाठ्यक्रम की शुरूआत हुई। हिन्दी विभाग, वाणिज्य-स्नातक व अन्य कला-स्नातक पाठ्यक्रमों की छात्राओं को विविध अन्तर-अनुशासनिक पाठ्यक्रम भी पढ़ाता है। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित विभाग की 'हिन्दी साहित्य परिषद्' समय-समय पर विभिन्न शैक्षणिक व सह-शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन करती रहती है। बहुआयामी प्रतिभा की धनी विभाग की वरिष्ठ सदस्या डॉ. बुद्धिराजा को उनकी जापान यात्रा के दौरान जापान की ओर से सम्मानित किया गया था | विभाग में तीन स्थायी संकाय सदस्य कार्यरत हैं- डॉ. मंजू शर्मा (2006), डॉ. आरती सिंह (2006), सुश्री रेखा मीना 2008।

2. पाठ्यक्रम का कार्यक्षेत्र

* संघ लोक सेवा आयोग, विभिन्न राज्य लोक सेवा आयोग व कर्मचारी चयन आयोग की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में चयन व रोजगार के लिए आवेदन परक सहभागिता।
* हिंदी में उच्च शिक्षा, जैसे-एम.ए.,एम.फिल.पीएच.डी.।
* हिंदी- अंग्रेजी अनुवाद पाठ्यक्रमों में उच्च शिक्षा व रोजगार।
* विभिन्न प्रिण्ट व इलैक्ट्रोनिक मीडिया- माध्यमों में रोजगार।

* बैंकिंग, फिल्म, अनुवाद, पटकथा-लेखन, ब्लॉग–लेखन सृजनात्मक लेखन आदि में रोजगार की अपार संभावनाएँ।

3. संकाय सदस्यों का विवरण

क्र. सं.	नाम	पद	योग्यता	अध्ययन का क्षेत्र
1	डॉ. आरती सिंह	सहायक प्रोफेसर	पीएच. डी.	रीतिकाल
2	डॉ. मंजू शर्मा	सहायक प्रोफेसर	पीएच. डी.	हिंदी नाटक और रंगमंच
3	सुश्री रेखा मीना	सहायक प्रोफेसर	एम. ए. नेट	मीडिया

4. माध्यम –हिन्दी

5. पाठयक्रम विवरण

सेमेस्टर	कोर	जेनेरिक इलेक्टिव (कोई एक)	ए.ई.सी.सी.
I	DSE-1:हिंदी कविता आदिकाल एवं निर्गुण भक्ति काव्य DSE-2:हिंदी साहित्य का इतिहास DSE-3:हिंदी कहानी	हिन्दी सिनेमा और उसका अध्ययन	हिन्दी भाषा और सम्प्रेषण
II	3 हिन्दी साहित्य का इतिहास आदि) काल और मध्यकाल(4 हिन्दी कविता रीतिकालीन कविता(	पटकथा और संवाद लेखन	-
III	5 हिन्दी साहित्य का	-	सोशल मीडिया

	इतिहास आधुनिक) काल(6 हिन्दी कविता आधुनिक) काल और छायावाद तक(7 हिन्दी कहानी भाषा और समाज		
IV	8 भारतीय काव्यशास्त्र 9 हिन्दी कविता) छायावाद के बाद) 10 हिन्दी उपन्यास	हिन्दी का वैश्विक परिदृश्य	भाषा और समाज
v	11 पाश्चात्य काव्यशास्त्र 12 हिन्दी नाटक \एकाँकी\	अस्मितामूलक विमर्श एवं हिन्दी साहित्य अथवा भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच सिद्धान्त	हिन्दी भाषा का व्यावहारिक अध्ययन अथवा भारतीय साहित्य की संक्षिप्त रूपरेखा
VI	13 हिन्दी आलोचना 14 हिन्दी निबंध एवं अन्य विधाएँ	हिन्दी की भाषिक विविधताएँ अथवा भारतीय साहित्यःपाठपरक अध्ययन	अवधारणात्मक साहित्यिक पद अथवा हिन्दी रंगमंच

बी.ए. बी.कॉम. प्रोग्राम का पाठ्यक्रम

1st ईयर बी. ए. प्रोग्राम/बी.कॉम. प्रोग्राम हिंदी "क" (जिन्होंने 12वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है)

1st ईयर बी. ए. प्रोग्राम/बी.कॉम. प्रोग्राम हिंदी "ख" (जिन्होंने कक्षा 10 तक हिंदी पढ़ी है)

1st ईयर बी. ए. प्रोग्राम/बीकॉम प्रोग्राम हिंदी "ग" (जिन्होंने आठवीं तक हिंदी पढ़ी है)

वर्ष	सेमेस्टर	बी. ए. प्रो.कोर	ए.ई.सी.सी.
I	II	हिंदी भाषा और साहित्य क हिंदी भाषा और साहित्य ख हिंदी भाषा और साहित्य ग	हिन्दी भाषा और सम्प्रेषण

I	II	क साहित्य और भाषा हिंदी ख साहित्य और भाषा हिंदी ग साहित्य और भाषा हिंदी	हिन्दी भाषा और सम्प्रेषण

वर्ष	**सेमेस्टर**	**बी.कॉम कोर**	**सेक SEC**
I	I	हिंदी भाषा और साहित्य का उद्भव और विकास क हिंदी भाषा और साहित्य उद्भव और विकास ख हिंदी भाषा और साहित्य उद्भव और विकास ग	रचनात्मक लेखन
II	II	हिंदी भाषा और साहित्य का उद्भव और विकास क हिंदी भाषा और साहित्य उद्भव और विकास ख हिंदी भाषा और साहित्य उद्भव और विकास ग रचनात्मक लेखन	रचनात्मक लेखन

6. शोध -परियोजना

क्र. सं.	**प्रधान अन्वेषण (सह-अन्वेषण) का नाम**	**परियोजना का नाम**	**अनुदान एजेंसी, अवधि और स्वीकृति की तारीख**	**राशि**	**परियोजना की स्थिति (प्रस्तुत/जारी)**	**रिमार्क**
1	डॉ.विभा ठाकुर	थेरीगाथा में स्त्री संधर्ष और अभिव्यक्ति का आधुनिक संदर्भ	कालेज वित्त पोषित परियोजना	4000/-	प्रस्तावित	
2.	डॉ. रक्षा गीता	चाँद पत्रिका का अछूत अंक (1927) के प्रसांगिकता	प्रस्तावित	5000/-	जारी	

3	डॉ. संजय कुमार सिंह	How to Used of technology For non-technical	प्रस्तावित		प्रस्तावित	
4	डॉ मंजू शर्मा , डॉ. ममता चौरसिया	वर्तमान परिप्रेक्ष्य में ध्रुवस्वामिनी और स्त्री अस्मिता	कालेज वित्त पोषित परियोजना	8000/-	जारी	
5.	डॉ रक्षा गीता	स्वतंत्रता संग्राम में स्त्रियों का योगदान	कालेज वित्त पोषित परियोजना	7000/-	प्रस्तुत	
6.	डॉ मंजू शर्मा	हिंदी सिनेमा में स्त्री सशक्तिकरण	कालेज वित्त पोषित परियोजना	8000/-	जारी	

7. वक्ताओं और अतिथियों के नाम की सूची अकादमिक वर्ष (2020-21)

क्र. सं.	अतिथि वक्ता का नाम	पद/ संबंधित संस्था का नाम	तिथि	सहभागियों को संख्या
1.	प्रोफेसर अनिल राय	हिंदी विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय	29अप्रैल 2022	60

इतिहास विभाग

1.विभाग का संक्षिप्त परिचय:

'इतिहास अतीत में समाज में जीवन का अध्ययन है, इसके सभी पहलुओं में, वर्तमान विकास और भविष्य की आशाओं के संबंध में। यह समय में मनुष्य की कहानी है, साक्ष्य के आधार पर अतीत की जांच इसी मंशा को ध्यान में रखते हुए कालिंदी कॉलेज की स्थापना के तीन साल (1970-71) के भीतर बीए (ऑनर्स) इतिहास पेश किया गया। ऑनर्स स्तर पर इतिहास का अध्ययन केवल कक्षा की आवश्यकता नहीं है

2.विषय का दायरा:

एक इतिहास स्नातक के रूप में एक ने विश्लेषणात्मक और महत्वपूर्ण तर्क, मौखिक और लिखित संचार और अनुसंधान कौशल जैसे नियोक्ताओं द्वारा अत्यधिक मूल्यवान कौशल प्राप्त किया होगा। एक इतिहास की डिग्री एक अच्छा

- एमए (इतिहास)
- पुरातत्त्व
- कला का इतिहास
- विरासत अध्ययन
- पुरालेखपाल/अभिलेख प्रबंधक
- संग्रहाध्यक्ष
- वंशावली अध्ययन

3. प्रतिमा का विवरण:

क्र. सं.	नाम	पद	योग्यता	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1	डॉ रिनी पुंडीर	सहायक प्रोफेसर	एमए, एम फिल, पीएचडी	मध्यकालीन भारतीय इतिहास
2	डॉ गरिमा प्रकाश	सहायक प्रोफेसर	एम.ए, पीएच.डी.	आधुनिक भारतीय इतिहास

4.शिक्षा का माध्यम: अंग्रेजी/हिंदी

5.पाठ्यक्रम निर्देश:

बीए ऑनलाइन कोर्स के लिए

1 साल

छमाही	सार	सामान्य ऐच्छिक	एईसीसी
1	C-1 भारत का इतिहास शुरुआत से चौथी शताब्दी ईसा पूर्व तक ईसा पूर्व)	जीई:1 डेल्ही थ्रू द एजेस: द मेकिंग ऑफ इट्स अर्ली मॉडर्न हिस्ट्री	अंग्रेजी/हिंदी/मिलियन कम्यून या

	डीएससी -01		पर्यावरण विज्ञान
2	सी-2 प्राचीन दुनिया के सामाजिक स्वरूप और सांस्कृतिक पैटर्न 1- डीएससी 02	जीई: 2 विज्ञान प्रौद्योगिकी और मानव चुनाव लड़ा	
3	सी-3 यूएसए का इतिहास: गृहयुद्ध का परिचय	जीई 3 भारत में संस्कृति और रोजमर्रा की जिंदगी जीई 4: इतिहास को समझना	

बीए कार्यक्रम पाठ्यक्रम विवरण के लिए

1 साल

छमाही	सार	जी.ई	एईसीसी
1	डी.एस.सी1: भारत का इतिहास पहले के समय से c.300 . तक डी.एस.सी 2	जीई 1 डेल्ही थ्रू द एजेस: द मेकिंग ऑफ अर्ली मॉडर्न हिस्ट्री या जीई 2 विज्ञान, प्रौद्योगिकी और मानव जीई 3 भारत में संस्कृति और रोजमर्रा की जिंदगी	

6: अभिविन्यास पाठ्यक्रम, संगोष्ठी, कार्यशाला, सम्मेलन

संगोष्ठी का शीर्षक, अभिविन्यास पाठ्यक्रम, संगोष्ठी, कार्यशाला और सम्मेलन	आयोजन विभाग और डेटा	प्रायोजन	स्तर (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय/राज्य/विश्वविद्यालय/कॉलेज
इंटर कॉलेज क्विज मुकाबला: आज़ादी की लंबी पैदल यात्रा	इतिहास विभाग दिल्ली का कालिंदी कॉलेज विश्वविद्यालय 12-08-21	एन.ए	राष्ट्रीय

वेबिनार: अंदल करिक्कल अम्मैयार, महादेवी अक्का: डॉ भारती जगन्नाथ द्वारा प्रारंभिक मध्यकालीन दक्षिण भारत में महिलाओं और धर्म में एक खिड़की	इतिहास विभाग दिल्ली का कालिंदी कॉलेज विश्वविद्यालय 20-08-21	एन.ए	राष्ट्रीय
इंटर कॉलेज कोलाज मेकिंग प्रतियोगिता लोकतंत्र और विविधता	इतिहास विभाग दिल्ली का कालिंदी कॉलेज विश्वविद्यालय 15-09-21	एन.ए	राष्ट्रीय
वेबिनार : दिल्ली सल्तनत में धार्मिक और ऐतिहासिक परंपराएं प्रोफेसर एस.एम. अजीजुद्दीन हुसैन (सेवानिवृत्त), प्रोफेसर रजीउद्दीन अकील द्वारा	21-09-21	एन.ए	राष्ट्रीय
वेबिनार: प्रोफेसर फरहत नसरीन और डॉ अर्चना ओझा द्वारा मुगल युग में समकालिक बातचीत	22-09-21	एन.ए	राष्ट्रीय
वेबिनार:इंपीरियल संप्रभुता और स्थानीय राजनीति: डॉ त्रिपुरदमन सिंह द्वारा प्रतिरोध को समझना	18-10-21	एन.ए	राष्ट्रीय
श्री सत्येंद्र कुमार द्विवेदी द्वारा वर्चुअल टूर यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल खजुराहो स्मारकों	इतिहास विभाग दिल्ली का कालिंदी कॉलेज विश्वविद्यालय 21-10-21	एन.ए	राष्ट्रीय
सेमिनार: नेताजी और आईएनए; प्रोफेसर कपिल कुमार द्वारा अज्ञात तथ्य	29-03-2022	एन.ए	राष्ट्रीय

इंटर कॉलेज प्रतियोगिता पृथ्वी दिवस समारोह	22-04-22		राष्ट्रीय
वेबिनार: प्रोफेसर डेविड एल कर्ली द्वारा साहित्यिक, पाठ और इतिहास	25-09-22		अंतरराष्ट्रीय

7.विभाग में अनुसंधान

क्रमांक	**मुख्य अन्वेषक का नाम (सह अन्वेषक)**	**परियोजना का शीर्षक**	**फंडिंग एजेंसी की अवधि और मंजूरी की तारीख**	**राशि**	**परियोजना की स्थिति (प्रस्तुत/चल रही)**
1	डॉ रानी पुंडीर, आदित्य चौधरी ,डॉ ओम प्रकाश:	जगन्नाथ पंथ और रथ यात्रा:	कालिंदी कॉलेज	रु.12000/	चल रहे
2	डॉ कृष्णा कुमारी डॉ पुनीता वर्मा, डॉ. रक्षा गीता	स्वतंत्रता आंदोलन में महिलाओं की भागीदारी	कालिंदी कॉलेज	रु.7000/	चल रहे
3	डॉ गरिमा प्रकाश और डॉ रामडॉ गरिमा प्रकाश और डॉ राम सारिक गुप्ता	हिमालय क्षेत्र के प्रति ब्रिटिश भारत की नीति: तिब्बत का एक केस स्टडी	कालिंदी कॉलेज	15000/	चल रहे

राजनीति विज्ञान विभाग

(1) विभाग के बारे में संक्षिप्त परिचय:

राजनीति विज्ञान विभाग 1967 में स्थापित किया गया था, जिसमें डॉ सरोज पाठक पहले प्रभारी शिक्षक थे और लगभग 80 छात्र बीए (पास) कोर्स कर रहे थे। राजनीति विज्ञान में ऑनर्स पाठ्यक्रम पहली बार

1973-74 में और परास्नातक की पेशकश 1987-88 में की गई थी। तब से, विषय में छात्रों की संख्या 500 से अधिक हो गई है। बी.ए. (ऑनर्स।) राजनीति विज्ञान कॉलेज में सबसे अधिक माँग वाला पाठ्यक्रम है।

एक अंतःविषय लोकाचार के तहत, राजनीति विज्ञान विभाग एक बहुत सक्रिय भागीदार रहा है और पत्रकारिता विभाग के साथ समन्वय किया है। संकाय ने पत्रकारिता के छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय संबंध और भारत सरकार और राजनीति जैसे कुछ महत्वपूर्ण पेपर भी पढ़ाए हैं।

विभाग छात्रों को वर्तमान राजनीतिक दुनिया को समझने में संलग्न करने का प्रयास करता है और उन्हें एक सक्रिय नागरिकता और लोकतांत्रिक जुड़ाव बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह छात्रों को उस समय के राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक मुद्दों से जुड़ने के लिए एक परिप्रेक्ष्य प्रदान करता है। एक अनुशासन के रूप में, राजनीति विज्ञान उस दुनिया की राजनीति को समझने का प्रयास करता है जिसमें हम वैश्विक संदर्भ से सबसे अंतरंग लेकिन समान रूप से राजनीतिक और महत्वपूर्ण व्यक्तिगत संदर्भ में रहते हैं। यह खुद को युवा महिलाओं को महत्वपूर्ण सोच, सक्रियता, वकालत के साथ-साथ नेतृत्व में संलग्न होने के लिए एक स्थान प्रदान करने के रूप में देखता है। यह उन्हें अपने विचारों को एक ऐसे स्थान पर साझा करने के लिए तैयार करता है जहां वे अपने स्वयं के गहन मूल्यों की पूछताछ कर सकते हैं और अंतर और इसके निहितार्थों को समझ सकते हैं।

(2) पाठ्यक्रम का दायरा:

सिविल सेवा में करियर के लिए पसंदीदा विषयों में से एक, एक विषय के रूप में राजनीति विज्ञान कॉलेज और विश्वविद्यालय शिक्षण, अनुसंधान, अंतर्राष्ट्रीय शासन, मास मीडिया, लोक कल्याण, सिविल सेवा, प्रबंधन में करियर प्रदान करता है और एक मांग बनी हुई है- कानून में करियर के लिए प्रारंभिक स्नातक पाठ्यक्रम के बाद। लिंग अध्ययन और अन्य अंतःविषय दृष्टिकोण छात्रों के लिए आगे के कैरियर के अवसर खोलते हैं। भारतीय राजनीति और शासन के मुद्दों या लोक प्रशासन, अंतर्राष्ट्रीय शासन या संयुक्त राष्ट्र जैसे संगठनों या दुनिया की सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक व्यवस्था के क्षेत्रों में रुचि रखने वाले छात्रों को राजनीति विज्ञान में ऑनर्स के साथ स्नातक का चयन करना अच्छा होगा।

(3) कला संकाय का विवरण-

क्रमांक	नाम	पद	योग्यता	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1	डॉ. रुचि त्यागी	सह - आचार्य	एम.ए., एम.फिल्., पीएच.डी.	भारतीय राजनीतिक विचार भारत सरकार राजनीति
2	डॉ. सुनीता मंगला	सह - आचार्य	पीएच.डी.	भारतीय राजनीतिक विचार भारतीय राजनीति
3	डॉ. संगीता ढल	सह - आचार्य	पीएच .डी. और पोस्ट डॉक्टर	लोक प्रशासन और सार्वजनिक नीति
4	अनीता टैगोर	सह - आचार्य	एम.फिल्., पीएच.डी., एल.बी.एल.	भारतीय राजनीति, राजनीतिक सिद्धांत, मीडिया राजनीति और महिला अध्ययन
5	डॉ. मीना चरांदा	सह - आचार्य	पीएच.डी.	भारतीय सरकार और राजनीति एवं गांधी को पढ़ना
6	नितिन मल्होत्रा	सहायक आचार्य	राजनीति विज्ञान में और एम.फिल्.	तुलनात्मक सरकार और राजनीति
7	डॉराखी चौहान	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	अंतर्राष्ट्रीय संबंध और लिंग अध्ययन
8	डॉ. मनीला नारज़ारी	सहायक आचार्य	एम.फिल्., नेट, पीएच.डी.	अंतर्राष्ट्रीय संबंध, अफ्रीकी राजनीति।
9	सुश्री वंदना रानी	सहायक आचार्य	एम.फिल्., नेट, पीएच(पी) .डी.	लोक प्रशासन और सार्वजनिक नीति
10	डॉ अंजनी कुमार	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	अंतरराष्ट्रीय संबंध
11	डॉ. निशा बख्शी	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध

12	डॉ. निवेदिता गिरी	सहायक आचार्य	एम.ए., एम.फिल्., पीएच.डी.	अंतर्राष्ट्रीय संबंध और वैश्विक राजनीति
13	डॉ. उत्पल कुमार	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	राजनीतिक सिद्धांत और विचार
14	डॉ. विनीता मीणा	सहायक आ चार्य	पीएच.डी.	लोक प्रशासन और अंतर्राष्ट्रीय संबंध
15	डॉ. दीपक यादव	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध
16	डॉ. प्रियाबाला सिंह	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध

(4) पाठ्यक्रम की पेशकश और माध्यम

बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान, बी.ए. (प्रोग्राम), एम.ए.

(5) प्रोग्राम का पाठ्यक्रम

<table>
<tr><th>वर्ष</th><th>छमाही</th><th>सार</th><th>जेनेरिक ऐच्छिक)GE)</th><th>एईसीसी</th></tr>
<tr><td rowspan="2">प्रथम वर्ष</td><td rowspan="3">प्रथम सेमेस्टर</td><td>1. राजनीतिक सिद्धांत को समझना</td><td rowspan="5">1.भारत में राष्ट्रवाद
2.समकालीन राजनीतिक अर्थव्यवस्था
3.नारीवाद : सिद्धांत और व्यवहार द्वारा) बदला गया 'महिला, सत्ता और राजनीति')
4.गांधी और समकालीन दुनिया
5. अम्बेडकर को समझना
6.शासनचुनौतियां और मुद्दे :
7. वैश्वीकरण की राजनीति
8.संयुक्त राष्ट्र और वैश्विक संघर्ष</td><td rowspan="3"></td></tr>
<tr><td>2.संवैधानिक सरकार और भारत में लोकतंत्र</td></tr>
<tr><td rowspan="3">द्वितीय सेमेस्टर</td><td>3. राजनीतिक सिद्धांतअवधारणाएं- और बहस</td></tr>
<tr><td rowspan="2">द्वितीय वर्ष</td><td>4.भारत में राजनीतिक प्रक्रिया</td></tr>
<tr><td>तृतीय सेमेस्टर</td><td>5. तुलनात्मक सरकार और</td><td>कानून आपके , आपके अधिकार</td></tr>
</table>

		राजनीति का परिचय		ख .जनमत और सर्वेक्षण अनुसंधान ग प्रथाएं विधायी . प्रक्रियाएं और घ .शांति और संघर्ष का संकल्प
		6. लोक प्रशासन पर परिप्रेक्ष्य		
		7.अंतर्राष्ट्रीय संबंधों और विश्व इतिहास पर परिप्रेक्ष्य		
	चतुर्थ सेमेस्टर	8. तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में राजनीतिक प्रक्रियाएं और संस्थान		
		9.भारत में सार्वजनिक नीति और प्रशासन		
		10.वैश्विक राजनीति		
तृतीय वर्ष	**पांचवां सेमेस्टर**	11.शास्त्रीय राजनीतिक दर्शन	डीएसई -1-2 और 3-4 क .वैश्वीकरण की दुनिया में नागरिकता ख .तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में मानवाधिकार ग. समकालीन भारत में विकास प्रक्रिया और सामाजिक आंदोलन घ. भारत में सार्वजनिक नीति ड और उपनिवेशवाद में भारत . राष्ट्रवाद च .वैश्वीकरण की दुनिया में भारत की विदेश नीति	
		12. आधुनिक भारतीय राजनीतिक विचार-I		
	छठा सेमेस्टर	13. आधुनिक राजनीतिक दर्शन		

			छ . महिला, शक्ति और राजनीति)'नारीवादव्यवहार और सिद्धांत :' द्वारा प्रतिस्थापित(ज .राजनीति में दुविधाएं	
		14. भारतीय राजनीतिक विचार - II		

(6) प्रमुख अभिविन्यास पाठ्यक्रम, सेमिनार, कार्यशालाएं, सम्मेलन

संगोष्ठी का शीर्षक, अभिविन्यास पाठ्यक्रम, संगोष्ठी, कार्यशालाएं, सम्मेलन	आयोजन विभाग एवं तिथि	प्रायोजन	स्तरों (राष्ट्रीय/ अंतरराष्ट्रीय/ राज्य/विश्वविद्यालय/कॉलेज
'अनुसंधान नैतिकता' पर वेबिनार प्रो. विजय कुमार गडिचा हेड और डीन रायसोनी विश्वविद्यालय, अमरावती महाराष्ट्र	राजनीति विज्ञान 8 अक्टूबर 2021	विभाग	महाविद्यालय
"आधुनिक युग के लिए आध्यात्मिकता" विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। अरविंदाक्ष माधव दास प्रभुजी पूर्व वैमानिकी इंजीनियर के उप निदेशक एस्कॉन यूथ फोरम	राजनीति विज्ञान 9 जनवरी 2022	विभाग	महाविद्यालय
गणतंत्र दिवस कार्यक्रम/झंडा फहराना आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में 73वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर 'स्वराज	राजनीति विज्ञान 25 जनवरी 2022	विभाग	महाविद्यालय

और सूरज' पर वेबिनार। वेबिनार के मुख्य वक्ता और अतिथि प्रोफेसर संगीत कुमार रागी, प्रोफेसर और राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रमुख थे।			

(7) अनुसन्धान परियोजनाएं

कर्म संख्या	मुख्य अन्वेषक का नाम	परियोजना का शीर्षक	फंडिंग एजेंसी, अवधि और मंजूरी की तारीख	राशि (**INR** में)	परियोजना की स्थिति (प्रस्तुत/ चल रहे)	यदि कोई टिप्पणी हो (प्रकाशन/ पुरस्कार/ पेटेंट)

(8) शैक्षणिक सत्र 2021-22 में आमंत्रित विशिष्ट वक्ताओं/अतिथियों की सूची:

1.	प्रो. विजय गडिचा कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग, डीन, शिक्षाविद और प्रमुख, रायसोनी विश्वविद्यालय, अमरावती, महाराष्ट्र
2.	अरविंदाक्ष माधव दास प्रभुजी पूर्व वैमानिकी इंजीनियर के उप निदेशक एस्कॉन यूथ फोरम एथीक्राफ्ट क्लब के सह-अध्यक्ष एस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश नई दिल्ली
3.	प्रो. संगीत कुमार रागी प्रोफेसर और प्रमुख राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय

संस्कृत विभाग

1:विभाग का संक्षिप्त परिचय:

संस्कृत विभाग को 1967 में कॉलेज में पेश किया गया था, जिसने बीए पास कोर्स की पेशकश की और 1973 में बीए (एच) और एमए संस्कृत की शुरुआत की। 2016 में, बू का पेपर संस्कृत भाषा की विविधता के बारे में छात्रों में गहरी रुचि विकसित करने और जागरूक करने के उद्देश्य से संस्कृत विभाग में बीए कार्यक्रम पाठ्यक्रम के रूप में अध्ययन शुरू किया गया। फैकल्टी सिर्फ फोकस नहीं छात्रों के लिए बेहतर करियर के अवसरों के लिए विभिन्न पेपर पेश किए गए हैं, जैसे कि भारतीय ओन्टोलॉजी और एपिस्टेमोलॉजी, सौंदर्यशास्त्र और भारतीय रंगमंच, संस्कृत मीडिया, कंप्यूटर जागरूकता, बुनियादी तत्व।

शिक्षक छात्रों के समग्र विकास पर जोर देते हैं और भाषा बोलने के प्रवाह पर जोर देते हैं। इस पहलू में, संस्कृत साहित्य परिषद सक्रिय रूप से विभिन्न राष्ट्रीय का आयोजन करती है

2:पाठ्यक्रम का दायरा:

कैरियर के अवसर

संस्कृत सभी भाषाओं की जननी है। विश्व की लगभग 97% भाषाएँ प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से इस भाषा से प्रभावित हैं। संस्कृत में सबसे अधिक शब्द हैं (102 अरब, 78 करोड़ और 50 लाख)

शब्द) अपनी शब्दावली में, जो दुनिया की अन्य भाषा की तुलना में बहुत अधिक है। निकट भविष्य में कंप्यूटर और टेक्नोलॉजी में संस्कृत का दायरा अधिक होगा। जो छात्र संस्कृत का विकल्प चुनते हैं, वे विभिन्न शोध-उन्मुख क्षेत्रों में विभिन्न कैरियर के अवसर पाते हैं और एलएलसी और अन्य वित्तीय संस्थानों, शैक्षणिक और अन्य प्रशासनिक पदों पर वैचारिक / संस्कृत / प्राच्य अनुसंधान संस्थानों में काम करना चुन सकते हैं।

अध्यापन के विकल्प जैसे कि प्रोफेसरशिप, लेक्चरशिप और संस्कृत में स्कूल शिक्षण छात्रों के लिए करियर के सबसे संभावित अवसर हैं। पाठ्यक्रम संस्कृत आधारित साहित्य की विभिन्न ऐतिहासिक पृष्ठभूमियों से संबंधित है।संस्कृत में स्नातक होने के बाद, छात्र बैंक की नौकरियों का विकल्प चुन सकते हैं, अनुवादक बन सकते हैं, संग्रहालयों, पुस्तकालयों में काम कर सकते हैं,

समाचार वाचक बनें और यहां तक कि सिविल सेवा पुस्तकालय विज्ञान, जल संरक्षण, पुरातत्व,पर्यावरण विज्ञान और मीडिया आजकल संस्कृत के छात्रों की पसंदीदा पसंद बनते जा रहे हैं।

3. विवरण:

क्रमांक	नाम	पद	योग्यता	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1	डॉ हरविंदर कौर	सहायक प्रोफेसर	बीए, एमए, एम, फिल, पीएच.डी	छंद शास्त्र
2	डॉ. निशा गोयल (शिक्षण प्रभारी)	सहायक प्रोफेसर	बी बी, , एम, फिल, फी.डी	व्याकरण
3	डॉ मंजू लता	सहायक प्रोफेसर	बीए, एमए, बी.एड, एम.फिल, पीएच.डी	छंद शास्त्र
4	डॉ.देशराज	सहायक प्रोफेसर	बीए, एमए, एम.फिल, पीएच.डी	पुरजोश

4 पाठ्यक्रम की पेशकश और मध्यम

बीए (एच) संस्कृत, बीए (पी) संस्कृत, बीए (पी) बौद्ध अध्ययन

माध्यम: संस्कृत, हिंदी

5) पाठ्यक्रम विवरण

कोर्स का शीर्षक और कोड	क्रेडिट	पाठ्यक्रम का क्रेडिट वितरण व्याख्यान/ ट्यूटोरियल/ व्यावहारिक अभ्यास	पात्रता मापदंड	पाठ्यक्रम की पूर्व-आवश्यकता
अनुप्रयुक्त संस्कृत डीएससी -1	04	3/1/0	कक्षा 12 पास	शून्य
शास्त्रीय संस्कृत कविता	04	3/1/0	कैस 12 पास	शून्य
भारतीय सामाजिक संस्थान	04	03/1/0	कक्षा 12 पास	शून्य

और राजनीति डीएससी 2				
भारतीय सामाजिक संस्था और राजनीति डीएससी 3	04	03/1/0	कक्षा 12 पास	शून्य

अध्ययन के बहु-विषयक पाठ्यक्रम
संस्कृत प्रमुख के रूप में

कोर्स का शीर्षक और कोड	**श्रेय**	**पाठ्यक्रम का क्रेडिट वितरण व्याख्यान/ट्यूटोरियल/व्यावहारिक अभ्यास**	**पात्रता मापदंड**	**पाठ्यक्रम की पूर्व-आवश्यकता**
संस्कृत व्याकरण डीएससी 1	04	3/1/0	कक्षा 12 पास	शून्य
संस्कृत कविता डीएससी 2	04	3/1/0	कक्षा 12 पास	शून्य

प्रमुख के रूप में संस्कृत

कोर्स का शीर्षक और कोड	**श्रेय**	**पाठ्यक्रम का क्रेडिट वितरण व्याख्यान/ट्यूटोरियल/व्यावहारिक अभ्यास**	**पात्रता मापदंड**	**पाठ्यक्रम की पूर्व-आवश्यकत**
पाठ्यक्रम शीर्षक	पाठ्यक्रम की प्रकृति	कुल क्रेडिट	अवयव व्याख्यान/ट्यूटोरियल/व्यावहारिक अभ्यास	पात्रता मानदंड / पूर्व-आवश्यकता

मूल संस्कृत	जीई -01	4	3/1/0	कक्षा 12 पास
भारतीय सौंदर्यशास्त्र	जीई - 02	4	3/1/0	कक्षा 12 पास
आयुर्वेद के मूल सिद्धांत	जीई -03	4	3/1/0	कक्षा 12 पास
संस्कृत	जीई -04	4	3/1/0	कक्षा 12
संस्कृत	04		3/1/0	कक्षा 12 पास

संस्कृत (सामान्य ऐच्छिक)

आख्यान	पाठ्यक्रम की प्रकृति	कुल क्रेडिट	अवयव व्याख्यान/ट्यूटोरियल/व्यावहारिक अभ्यास	पात्रता मानदंड / शर्त
मूल संस्कृत	जीई-01	4	3/1/0	कक्षा 12 पास
भारतीय सौंदर्यशास्त्र	जीई-02	4	3/1/0	कक्षा 12 पास
आयुर्वेद के मूल सिद्धांत	जीई-03	4	3/1/0	कक्षा 12 पास
संस्कृत कथा	जीई-04	4	3/1/0	कक्षा 12 पास

बौद्ध अध्ययन

पाठ्यक्रम शीर्षक	पाठ्यक्रम की प्रकृति	कुल क्रेडिट	अवयव व्याख्यान/ट्यूटोरियल/अभ्यास व्यावहारिक	पात्रता मानदंड पूर्वापेक्षा
बौद्ध धर्म का परिचय	डीएससी-1 ए-1	4	3/1/0	जैसा कि विश्वविद्यालय द्वारा निर्देशित है

बौद्ध साहित्य का परिचय	डीएससी-1 बी 1	4	3/1/0	जैसा कि विश्वविद्यालय द्वारा निर्देशित है

संस्कृत के लिए (एच)

छमाही	सार	जीई	एईसीसी	रिक्त	Total credits
1	डीएससी-1(4) डीएससी-2(4) डीएससी-3(4)	बेशक पूल में से किसी एक को चुनें जीई-1(4)	एईसी पाठ्यक्रम के पूल में से एक चुनें (2)	पूल कोर्स में से एक चुनें (2)	20
2	डीएससी-4(4) डीएससी - 5(4) डीएससी-6(4)	पाठ्यक्रमों के पूल में से किसी एक को चुनें जीई-2(4)	aec पाठ्यक्रम के पूल में से किसी एक को चुनें (2)	पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (2)	20

साल	छमाही	सार	जीई/डीएसई-1/डीएसई 3/ एम.आई.एल	एईसीसी/सेकंड/डीएससी 2/डीएसई 4
बीए (एच) संस्कृत	2	शास्त्रीय संस्कृत साहित्य (नाटक) काव्य और साहित्यिक	चिकित्सा प्रणाली के मूल सिद्धांत (आयुर्वेद)	अभिनय और पटकथा लेखन, एस.ई.सी
	3	आलोचना सी-7 भारतीय सामाजिक संस्थाएं और राजव्यवस्था	जी.ई	

	4	पुराणलेख, पुराणलेख और कालक्रम आधुनिक संस्कृत साहित्य, संस्कृत और विश्व भारतीय साहित्य		संस्कृत मीटर और संगीत। एस.ई.सी
	5	सी-11 वैदिक साहित्य सी-12 संस्कृत व्याकरण	संतुलन जीने की कला डीएससी-1	रंगमंच और नाट्यशास्त्र DSC-2
	6	भारतीय ऑन्कोलॉजी और ज्ञानमीमांसा, संस्कृत रचना और संचार	तर्क और वाद-विवाद की भारतीय प्रणाली डीएससी -3	आयुर्वेद के मूल सिद्धांत डीएसई-4

बीए (पी)

छमाही	**कोर (डीएससी)**	**सामान्य ऐच्छिक (जीई)**	**एईसीसी**	**वैल्यू एडिशन कोर्स**	**कुल क्रेडिट**
1	अनुशासन ए-1(4) अनुशासित बी-1 (4) अनुशासन सी-1 (4)	पाठ्यक्रम के पूल में से किसी एक को चुनें जैसे 1(4)		पाठ्यक्रम के पूल में से एक चुनें (2)	18
2	अनुशासित ए-2 4) अनु समय बी-	aec पाठ्यक्रम के पूल में से किसी एक को	पाठ्यक्रम के पूल में से एक चुनें (2)		20

	2 (4) अनुशासित सी- 2 (4)	चुनें (2)			

दिल्ली विश्वविद्यालय से एमए संस्कृत चुनने वाले छात्रों के लिए एमए ट्यूटोरियल कक्षा के लिए प्रति सप्ताह एक दिन का कार्यक्रम

पाठ्यक्रम विवरण

पाठ्यक्रम	छमाही	कोर पेपर
बीए (पी)बौद्ध अध्ययन	1	डीएससी 1 ए1 कोर्स का नाम - बौद्ध धर्म का परिचय डीएससी 1- b1 कोर्स का नाम - बौद्ध साहित्य का परिचय
	2	डीएससी 2-ए2 कोर्स का नाम- थेरवाद बौद्ध दर्शन डीएससी 2-बी2 कोर्स का नाम- महायान बौद्ध दर्शन
बीए (पी) बौद्ध अध्ययन	3	कोर्स कोड-बीएस-सीबीसीएस-503 भारतीय बौद्ध दर्शन
	4	कोर्स कोड: cbcs-504 तिब्बत और चीनी बौद्ध धर्म का परिचय
बीए (पी) बौद्ध अध्ययन	5	कोर्स कोड- बीएस सी सी -505 बौद्ध संस्कृति इतिहास और विरासत
	6	कोर्स कोड: बीएस - सीबीसीएस -506 बुद्ध मूल शिक्षा से संबंधित चयनित ग्रंथ

6.विभाग द्वारा संगोष्ठी, कार्यशाला, सम्मेलन आयोजकों

कार्यशाला का शीर्षक	घटना की तिथि के अनुसार आयोजित	प्रायोजक	स्तर (राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय / राज्य विश्वविद्यालय / कॉलेज,)
10 दिन संस्कृत संभाशनी	संस्कृत विभाग, कालिंदी कॉलेज	एन.ए	कॉलेज

7.अनुसंधान परियोजना

क्रमांक	प्रमुख अन्वेषक का नाम	फंडिंग एजेंसी, अवधि और मंजूरी की तारीख	राशि	परियोजना की स्थिति (प्रस्तुत किया जा रहा है)	टिप्पणी यदि कोई हो
1	डॉ हरविंदर कौर, डॉ शशि बाला	आधुनिक संस्कृत साहित्य के महान नायकों पर रचित राष्ट्रीय चेतना और संस्कृत महाकाव्य	कालिंदी कॉलेज	5000/	एन.ए
2	डीडीआर डीडीआर.शिव कुमार	वैदिक वांगमय में प्रतिपादित शुद्ध वायु, जल एवं ऊर्जा संरक्षण का अध्याय	कालिंदी कॉलेज	5000/	एन.ए

8:शैक्षणिक सत्र 2021-22 में आमंत्रित विशिष्ट वक्ताओं/अतिथियों की सूची-

1. प्रो. कमलेश कुमार चौकसी, निदेशक और विभागाध्यक्ष, विभाग। संस्कृत के, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद

2. प्रो. राजेश्वर प्रसाद मिश्रा, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय

3. प्रो. पंकज कुमार मिश्रा, प्रोफेसर, सेंट स्टीफेंस कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

4. डॉ. सरस्वती, एसोसिएट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, जाकिर हुसैन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

5. डॉ. परमेष कुमार शर्मा, प्रांत संपर्क प्रमुख, संस्कृत भारती, दिल्ली

6. डॉ. धनंजय, एसोसिएट प्रोफेसर, सह-प्रान्त प्रचार प्रमुख, दिल्ली विश्वविद्यालय

7. डॉ आशीष कुमार, सहायक प्रोफेसर, प्रांत महाविद्यालय गन्न सदास्य, राजधानी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

8. डॉ. स्वीटी रानी, संभाषण शिक्षा, संस्कृत भारती, दिल्ली

बी.ए. प्रोग्राम, विभाग

(1) विभाग का संक्षिप्त परिचय:

संयोजक: डॉ. निवेदिता गिरी, सहायक प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग

सह-संयोजक: डॉ. रेणु गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, संगीत विभाग

(2) पाठ्यक्रम का दायरा:

बी.ए. कार्यक्रम पाठ्यक्रम प्रकृति में अंतःविषय है और छात्रों को दो अनुशासन पाठ्यक्रम चुनने की आवश्यकता होती है। बी.ए. कार्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम विषय से भिन्न होता है। लेकिन एम.आई.एल. हिंदी, अंग्रेजी और पर्यावरण विज्ञान जैसे कुछ विषय ऐसे हैं जो सभी विषयों के लिए समान हैं।

एक छात्र बी.ए. प्रोग्राम की डिग्री प्राप्त करने के बाद विभिन्न क्षेत्रों में अपना करियर बना सकता है। कोई भी आगे की पढ़ाई कर सकता है यानी अपनी पसंद के किसी भी विषय में या स्नातक के दौरान उसी विषय में मास्टर कोर्स कर सकता है। इसके अलावा, एक छात्र कानून, प्रबंधन पाठ्यक्रम या किसी अन्य विशेष पाठ्यक्रम का अध्ययन कर सकता है और सभी सरकारी क्षेत्र की प्रवेश-आधारित सेवाओं के लिए पात्र बन सकता है।

(3) शिक्षा का माध्यम: अंग्रेजी / हिंदी

(4) (पाठ्यक्रम विवरण: स्नातक पाठ्यक्रम रूपरेखा (यूजीसीएफ) 2022-23

छात्रों को निम्नलिखित अनुशासन संयोजन पेश किए जाते हैं:

क्रमांक	बीए (प्रोग) के लिए अनुशासन संयोजन
1	बीए कार्यक्रम (बौद्ध अध्ययन + इतिहास)
2	बीए कार्यक्रम (बौद्ध अध्ययन + संगीत)
3	बीए कार्यक्रम (बौद्ध अध्ययन + राजनीति विज्ञान)
4	बीए प्रोग्राम (कंप्यूटर एससी + अर्थशास्त्र)
5	बीए प्रोग्राम (कंप्यूटर एससी + उद्यमिता और लघु व्यवसाय (ईएसबी))
6	बीए प्रोग्राम (कंप्यूटर एससी + भूगोल)
7	बीए कार्यक्रम (कंप्यूटर विज्ञान + गणित)
8	बीए प्रोग्राम (अर्थशास्त्र + उद्यमिता और लघु व्यवसाय (ईएसबी))

9	बीए प्रोग्राम (अर्थशास्त्र + भूगोल)
10	बीए प्रोग्राम (अर्थशास्त्र + इतिहास)
11	बीए कार्यक्रम (अर्थशास्त्र + गणित)
12	बीए कार्यक्रम (अर्थशास्त्र + राजनीति विज्ञान)
13	बीए प्रोग्राम (उद्यमिता और लघु व्यवसाय) (ईएसबी) + भूगोल)
14	बीए प्रोग्राम (उद्यमिता और लघु व्यवसाय) (ईएसबी) + इतिहास)
15	बीए प्रोग्राम (उद्यमिता और लघु व्यवसाय) (ईएसबी) + गणित)
16	बीए प्रोग्राम (उद्यमिता और लघु व्यवसाय) (ईएसबी) + राजनीति विज्ञान)
17	बीए प्रोग्राम (भूगोल + इतिहास)
18	बीए कार्यक्रम (भूगोल + गणित)
19	बीए कार्यक्रम (भूगोल + राजनीति विज्ञान)
20	बीए कार्यक्रम (इतिहास + संगीत)
21	बीए कार्यक्रम (इतिहास + राजनीति विज्ञान)
22	बीए कार्यक्रम (संगीत + राजनीति विज्ञान)
23	बीए कार्यक्रम (संस्कृत + बौद्ध अध्ययन)
24	बीए प्रोग्राम (संस्कृत + इतिहास)
25	बीए प्रोग्राम (संस्कृत + संगीत)
26	बीए कार्यक्रम (संस्कृत + राजनीति विज्ञान)

बी.वोक. (वेब डिजाइनिंग)

1. विभाग का संक्षिप्त परिचय:

दिल्ली विश्वविद्यालय के कालिंदी कॉलेज ने वर्ष 2016 में बी.वोक पाठ्यक्रम लॉन्च किया । राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचे (एनएसक्यूएफ) के तहत डिप्लोमा/उन्नत डिप्लोमा/डिग्री के रूप में कई निकास के साथ बैचलर ऑफ वोकेशन (बी. वोक) की डिग्री के लिए कौशल विकास आधारित उच्च शिक्षा पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की योजना के तहत बी. वोक. कार्यक्रम शुरू किया गया। कार्यक्रम में

व्यापक आधारित सामान्य शिक्षा के साथ विशिष्ट नौकरी भूमिकाएं और उनके राष्ट्रीय व्यावसायिक मानकों को शामिल किया गया है। एनईपी के तहत यूजीसीएफ के तहत, बी.वोक। कार्यक्रम में पाठ्यक्रम के दो घटक हैं, अर्थात 8 क्रेडिट के लिए GEC (सामान्य शिक्षा घटक) और 14 क्रेडिट के लिए SEC (सामान्य शिक्षा घटक)।

2. **पाठ्यक्रम का दायरा:**

कार्यक्रम का उद्देश्य व्यक्तिगत क्षमताओं का निर्माण करना और पर्याप्त रोजगार कौशल वाले व्यक्तियों को प्रशिक्षित करना है। कार्यक्रम संरचना उपयुक्त तकनीकी ज्ञान और कौशल, व्यक्तिगत और व्यावसायिक कौशल और व्यापार में आवश्यक 'हाथ से' और क्षेत्र / साइट के अनुभव को मिश्रित करने का प्रयास करती है। बाजार की मांगों को ध्यान में रखते हुए और छात्रों के लिए लचीला विकल्प प्रदान करने के लिए कार्यक्रम मॉड्यूलर तरीके से तैयार किया गया है और विभिन्न स्तरों पर प्रवेश और निकास विकल्पों की अनुमति देता है। शिक्षार्थियों के पास अपनी ताकत और कैरियर के हितों के अनुसार खुद को विकसित करने के लिए लचीलापन होगा। छात्र पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स में शामिल होने के साथ-साथ आईएएस, एसएससी, राज्य लोक सेवा आयोग, बैंक, रेलवे आदि किसी भी सरकारी नौकरी में शामिल होने के पात्र हैं। बी. वोक के छात्र अपनी विशेषज्ञता/क्षेत्र में अपना खुद का व्यवसाय शुरू कर सकते हैं।

3. **संकाय सदस्यों का विवरण:**

बी. वोक. (वेब डिजाइनिंग) पाठ्यक्रम जो कंप्यूटर विज्ञान में एक उभरता हुआ और विशिष्ट कौशल आधारित पाठ्यक्रम है। कार्यक्रम की देखरेख बी. वोक के समन्वयक के रूप में कंप्यूटर विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ स्वाति कटारिया द्वारा की जाती है। श्री प्रदीप कुमार, सहायक प्रोफेसर (तदर्थ), बी. वोक (वेब डिजाइनिंग) कंप्यूटर विज्ञान, गणित, अंग्रेजी और वाणिज्य विभाग के संकाय सदस्य जीईसी भाग पढ़ाएंगे।

4. **एनईपी-यूजीसीएफ 2022 के तहत पाठ्यक्रम विवरण:** बी. वोक. (वेब डिजाइनिंग) प्रोग्राम 4 साल का 8 सेमेस्टर का फुल टाइम कोर्स है। प्रत्येक सेमेस्टर में 22 क्रेडिट पाठ्यक्रम होते हैं; प्रत्येक क्रेडिट में 14 से 15 घंटे की थ्योरी क्लास और 28 से 30 घंटे की प्रैक्टिकल क्लास होती है। सभी आठ सेमेस्टर को 8 क्रेडिट पाठ्यक्रम के लिए सामान्य शिक्षा घटक (जीईसी) और 14 क्रेडिट पाठ्यक्रम के लिए कौशल शिक्षा घटक (एसईसी) में विभाजित किया गया है। जीईसी और एसईसी के अलावा अनिवार्य वैल्यू एजुकेशन कोर्स (वीएसी) भी है। पाठ्यक्रम में तीसरे वर्ष और चौथे वर्ष में परियोजना कार्य / क्षेत्र कार्य / इंटर्नशिप शामिल हैं। बी. वोक. की शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी भाषा में है।

शुल्क संरचना

कालिंदी कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय)

शुल्क संरचना (2022-23) प्रथम वर्ष									
शुल्क विवरण	**B.A. / B.Com / B.A. (H)**	**B.Com (H)**	**Geog. (H)**	**Journ. (H)**	**B.Sc(H) - Maths / Botony/ Zoology/ Chemistry/ Physics / Life Sc**	**B.Sc (Phy.Sc)/ B.A (Prog) Com. Appl**	**B.Sc (H) Comp. Science**	**B.Voc (Printing Tech./ Web Designing)**	**M.A. (Previous Yr)**
कॉलेज बकाया (ए)									
प्रवेश शुल्क	5	5	5	5	5	5	5	5	5
ट्युशन शुल्क	180	180	180	180	180	180	180	180	216
पानी और बिजली	300	300	300	300	300	300	300	300	50
हाउस परीक्षा शुल्क	100	100	100	100	100	100	100	100	60
लाइब्रेरी और रीडिंग रोड	500	500	500	500	500	500	500	500	300
पहचान पत्र	100	100	100	100	100	100	100	100	10
पत्रिका शुल्क	100	100	100	100	100	100	100	100	100
उद्यान शुल्क	100	100	100	100	100	100	100	100	40
प्रयोगशाला शुल्क	-	50	50	50	50	50	50	50	-
कुल (ए) =	1385	1435	1435	1435	1435	1435	1435	1435	781
विश्वविद्यालय बकाया									
विश्वविद्यालय छात्र कल्याण कोष	100	100	100	100	100	100	100	100	100
विश्वविद्यालय विकास कोष	900	900	900	900	900	900	900	900	900

विश्वविद्यालय सुविधाएं और सेवा शुल्क	500	500	500	500	500	500	500	500	500
आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग का समर्थन विश्वविद्यालय निधि	100	100	100	100	100	100	100	100	100
कुल (बी) =	1600	1600	1600	1600	1600	1600	1600	1600	1600
छात्र निधि (बी)									
साइबर सेंटर	250	250	250	250	250	250	250	250	300
मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम	150	150	150	150	150	150	150	150	0
कौशल विकास नवाचार इन्क्यूबेशन और उद्यमिता	100	100	100	100	100	100	100	100	0
पावर बैक	300	300	300	300	300	300	300	300	300
क्रियाएँ/सहयोगी/विषय क्रियाएँ/सहयोगी/विषय सोसायटी	300	300	300	300	300	300	300	300	200
खेल देव निधि	150	150	150	150	150	150	150	150	100
व्यायामशाला शुल्क	100	100	100	100	100	100	100	100	
गेम्स फ्री	400	400	400	400	400	400	400	400	400
छात्र संघ	50	50	50	50	50	50	50	50	20
एसएफ और सीए	50	50	50	50	50	50	50	50	
छात्र कल्याण	20	20	20	20	20	20	20	20	20
छात्र सहायता कोष	20	20	20	20	20	20	20	20	20
वार्षिक दिवस शुल्क	100	100	100	100	100	100	100	100	100
एस एच शुल्क	10	10	10	10	10	10	10	10	10
कॉलेज रखरखाव	500	500	500	500	500	500	500	500	400
विद्यार्थी निधि	600	600	600	600	600	600	600	600	250

एनसीसी	40	40	40	40	40	40	40	40	0
एनएसएस	40	40	40	40	40	40	40	40	0
डब्ल्यूडीसी	20	20	20	20	20	20	20	20	0
प्लेसमेंट सेल	50	50	50	50	50	50	50	50	0
छात्र संघ	50	50	50	50	50	50	50	50	0
गुणवत्ता आश्वासन	50	50	50	50	50	50	50	50	0
कुल (सी) =	3350	3350	3350	3350	3350	3350	3350	3350	2120
सुरक्षा									
सुरक्षा (वापसी योग्य)	500	500	500	500	500	500	500	500	60
सावधानी के पैसे	-	50	50	50	50	50	50	50	0
कुल (डी) =	500	550	550	550	550	550	550	550	60
चिकित्सा एवं विकास निधि (डी)									
चिकित्सा शुल्क	200	200	200	200	200	200	200	200	20
विकास शुल्क	1500	1500	1500	1500	1500	1500	1500	1500	300
संस्थागत शुल्क	1000	1000	1000	1000	1000	1000	1000	1000	500
कंप्यूटर उपयोग शुल्क	-	500	500	2450	1500	1200	2450	2450	0
लैब देव। शुल्क	-		1500	-	2500	2500	2500	2500	0
अतिरिक्त प्रभार	-	1500	1500	10000	-	-	15000	10753	0
अनुसंधान और नवाचार	200	200	200	200	200	200	200	200	0
कुल (ई) =	2900	4900	6400	15350	6900	6600	22850	18603	820
कुल योग (ए+बी+सी+डी+ई) =	**9735**	**11835**	**13335**	**22285**	**13835**	**13535**	**29785**	**25538**	**5381**

पीडब्ल्यूडी शुल्क: रु.105

प्रॉक्टोरियल बोर्ड

संयोजक: डॉ. चैती दास

सह-संयोजक: डॉ. इंदु चौधरी

प्रॉक्टोरियल बोर्ड कॉलेज में अनुशासन बनाए रखने से संबंधित है। यह दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यादेश XV-B द्वारा संचालित होता है। कॉलेज अपने छात्राओं से संस्था की गरिमा को बनाए रखने और अनुकरणीय तरीके से कार्य करने की अपेक्षा करता है। प्रत्येक छात्र, उपरोक्त अध्यादेश में निर्धारित प्रावधानों के अतिरिक्त, कॉलेज के नियमों का पालन करेगा और देश का कानून का पालन करने वाला नागरिक होगा।

अध्यादेश XV-B

विश्वविद्यालय के विधार्थियों में अनुशासन बनाए रखना

1. अनुशासन और अनुशासनात्मक कार्रवाई से संबंधित सभी शक्तियां कुलपति में निहित हैं।
2. उप-कुलपति सभी या कुछ समकक्ष शक्तियों को जो वह उचित समझे, प्रॉक्टर और ऐसे अन्य व्यक्तियों को प्रत्यायोजित कर सकते हैं, जिन्हें वह इस संबंध में निर्दिष्ट कर सकता है।
3. अध्यादेश में बिना किसी पूर्वग्रह के अनुशासन लागू करने की शक्ति निहित है। निम्नलिखित कृत्य अनुशासनहीनता में पूर्णत: शामिल किये जाएंगे।

   क) दिल्ली विश्वविद्यालय में किसी भी संस्थान/विभाग के शिक्षक और गैर शिक्षक कर्मचारी के किसी सदस्य के खिलाफ या किसी भी विद्यार्थी पर शारीरिक हमला या शारीरिक बल प्रयोग की धमकी।

   ख) हथियारों को ले जाना, प्रयोग करना या प्रयोग करने की धमकी देना।

   ग) नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1976 के प्रावधानों का किसी भी प्रकार से उल्लंघन।

   घ) अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के छात्रों की स्थिति, गरिमा और सम्मान का उल्लंघन।

   ई) महिलाओं के लिए किसी भी तरह का प्रयास -चाहे वह मौखिक हो या अन्य-अपमानजनक कृत्य हो।

   ङ) किसी भी तरह का रिश्वत देने या भ्रष्टाचार का कोई भी प्रयास।

   च) संस्थागत संपत्ति को जानबूझकर क्षति पहुंचाना।

छ) धार्मिक या सांप्रदायिक आधार पर दुर्भावना या असहिष्णुता पैदा करना।

ज) विश्वविद्यालय प्रणाली के शैक्षणिक कामकाज में किसी भी तरह से व्यवधान पैदा करना।

झ) अध्यादेश XV-C के अनुसार रैगिंग।

4. अनुशासन बनाए रखने के लिए जो भी कार्रवाई उचित हो, कुलपति, अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए किसी भी छात्र या छात्रा को पूर्वोक्त आदेश या सीधे तौर पर निर्देश दे सकते हैं-

ए) निष्कासित अथवा

बी) एक निर्दिष्ट अवधि के लिए बेदखल अथवा

ग) विश्वविद्यालय के किसी महाविद्यालय, विभाग या संस्थान में एक निश्चित अवधि के लिए पाठ्यक्रम या अध्ययन हेतु विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रतिबंधित अथवा

डी) निर्दिष्ट राशि का जुर्माना लगाया जा सकता है अथवा

ई) एक या अधिक वर्षों के लिए विश्वविद्यालय या महाविद्यालय या विभागीय परीक्षा या परीक्षा देने से वंचित अथवा

च) विद्यार्थी का परीक्षा परिणाम रद्द या संबंधित परीक्षा या परीक्षा देने से वंचित

5. महाविद्यालयों के प्राचार्य, हॉल प्रमुख, संकायाध्यक्ष, विश्वविद्यालय में शिक्षण विभाग के प्रमुख, प्राचार्य, पत्राचार पाठ्यक्रम एवं सतत शिक्षा के स्कूल और पुस्तकालयाध्यक्ष को छात्रों पर ऐसी सभी अनुशासन को लागू करने की शक्ति अपने संबंधित महाविद्यालय, संस्थान, संकाय एवं विश्वविद्यालय के शिक्षण विभाग, संबंधित विभागों, संस्थानों, हॉल और शिक्षण के समुचित प्रबंधन के लिए आवश्यक सभी आचार को क्रियान्वित करने का अधिकार होगा। वे अपने कॉलेजों, संस्थानों या विभागों में ऐसे शिक्षकों के माध्यम से अपने अधिकार का प्रयोग कर सकते हैं या अधिकार सौंप सकते हैं, जैसा कि वे उद्देश्यपूर्ति के लिए उचित समझे। 6. कुलपति और प्रॉक्टर की शक्तियों पर विपरीत प्रभाव रहित अनुशासन और उचित आचरण के विस्तृत नियम बनाए जा सकते हैं। इन नियमों को, जहां आवश्यक हो, महाविद्यालयों के प्राचार्य, हॉल प्रमुख, संकायाध्यक्ष और शिक्षण विभाग के प्रमुख द्वारा नियमों के पूरक के रूप में लागू किये जा सकते हैं। प्रत्येक छात्र से इन नियमों की एक प्रति स्वयं उपलब्ध करने की अपेक्षा किया जाएगा।

6. प्रवेश के समय, प्रत्येक छात्र को घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर करने की आवश्यकता होगी। जिसमें वह स्वयं को कुलपति और विश्वविद्यालय के कुछ अधिकारियों द्वारा अनुशासनात्मक अधिकार प्रदान करता है, जो अनुशासन को लागू करने के लिए प्राधिकृत होगें।

महिला हेल्पलाइन

सूत्रों के नाम	हेल्पलाइन नम्बर
पुलिस	100
महिला हेल्पलाइन	1091
विशेष प्रकोष्ठ (पूर्वोत्तर राज्यों के लिए)	1093

महिला सुरक्षा एप

सुरक्षा एप	एप लिंक
हिम्मत प्लस	https://play.google.com/store/apps/details?id=com.dp.himmat
सेफ्टी पिन	https://play.google.com/store/apps/details?id=com.safetipin.mysafetipin
लेटस्ट्रेक	https://play.google.com/store/apps/details?id=com.pb.letstrakpro

महाविद्यालय के नियम व कानून

महाविद्यालय में प्रवेश लेने वाले प्रत्येक विद्यार्थी से महाविद्यालयी परिसर और परिसर के बाहर अनुशासन और सभी आचरण की अपेक्षा की जाती है| इसके लिए कुछ निम्नलिखित प्रावधान हैं-

यदि कोई विद्यार्थी महाविद्यालय परिसर या महाविद्यालयी परिसर के बाहर किसी भी प्रकार की अनुशासनहीनता में संलिप्त पाया जाता है तो उसे महाविद्यालय प्राचार्या के समक्ष स्पष्टीकरण देना होगा| अनुशासनहीनता के लिए महाविद्यालय द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय के अनुशासन संबंधी नियमों XV (बी) और XV (सी) के आधार पर विद्यार्थी पर कई प्रकार की कार्यवाहियाँ की जा सकती है| जैसे- चेतावनी/जुर्माना/ महाविद्यालय पुस्तकालय निष्कासन और महाविद्यालय से निष्कासित किया जा सकता है।

महाविद्यालय प्राचार्या की अनुमति के बिना महाविद्यालय में किसी प्रकार की कोई संस्था, सोसायटी या समूह का गठन नहीं किया जाएगा और न ही महाविद्यालय की किसी कार्यशाला में बाहर से किसी वक्ता को आमंत्रित किया जाएगा ।

विद्यार्थी अपनी साईकिल, मोटर साईकिल, स्कूटर/स्कूटी, कार इत्यादि को निर्दिष्ट पार्किन क्षेत्र में ख़ुद अपनी ज़िम्मेदारी पर ताला लगाकर खड़ी करें| महाविद्यालय में पार्किंग क्षेत्र के अलावा किसी भी स्थान पर कोई भी साईकिल, मोटर साईकिल, स्कूटर/स्कूटी, कार इत्यादि खड़ी नहीं की जाएगी ।

विद्यार्थी प्राचार्या की लिखित अनुमति के बिना महाविद्यालय से बाहर के किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति या पुलिस को महाविद्यालय के भीतर आमंत्रित नहीं करेगा ।

महाविद्यालय में पंजीकरण के समय सभी विद्यार्थियों को कुलपति, कालिंदी महाविद्यालय और दिल्ली विश्वद्यालय की अन्य समितियों द्वारा निर्धारित अनुशासनात्मक नियमों के प्रति अपनी लिखित सहमति अपने हस्ताक्षर सहित महाविद्यालय में जमा करवानी होगी।

दिल्ली विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध किसी भी स्थान, महाविद्यालय परिसर और सार्वजनिक परिवहन में किसी भी प्रकार की रैगिंग पूर्णतः प्रतिबंधित है| यहाँ तक कि रैगिंग के लिए उकसाना भी रैगिंग ही है और रैगिंग के लिए किया गया किसी भी प्रकार का वैयक्तिक और सामूहिक प्रयास अपराध के दायरे में आता है| ऐसे विद्यार्थियों पर दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यादेश XV (सी) के तहत कार्यवाही की जाएगी| यदि कोई विद्यार्थी जो दिल्ली विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण होकर उपाधि प्राप्त कर चुका है और वह रैगिंग समिति द्वारा रैगिंग में लिप्त पाया जाता है तो अध्यादेश XV (सी) के नियमानुसार दिल्ली विश्वविद्यालय उस विद्यार्थी की उपाधि वापस ले सकता है| विद्यार्थी पंजीकरण के समय यह घोषणा करते हुए एक शपथ पत्र महाविद्यालय में जमा करवाएँगे कि भविष्य में यदि वह किसी भी प्रकार की

रैगिंग संबंधी गतिविधियों/ घटनाओं में संलिप्त पाया गया तो वह दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा की गयी अनुशासनात्मक कार्यवाही का ज़िम्मेदार वह ख़ुद होगा ।

माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार महाविद्यालय परिसर के भीतर धूम्रपान करना प्रतिबंधित है| दिल्ली विश्वविद्यालय पुलिस और विश्व फेफड़ा फाउंडेशन-दक्षिण एशिया (वर्ल्ड लंग फाउंडेशन-साउथ एशिया) के साथ मिलकर तम्बाकू मुक्त पर्यावरण बनाने में सहयोग कर रहा है।

इसी दिशा में एक क़दम आगे बढ़ाते हुए कालिंदी महाविद्यालय में महाविद्यालय में पंजीकरण के समय सभी विद्यार्थियों को कुलपति, कालिंदी महाविद्यालय और दिल्ली विशाविद्यालय की अन्य समितियों द्वारा निर्धारित अनुशासनात्मक नियमों के प्रति अपनी लिखित सहमति अपने हस्ताक्षर सहित महाविद्यालय में जमा करवानी होगी।

पालन करने के लिए कुछ नियम-अनुशासन और विनियमों के साथ स्वतंत्रता

विद्यार्थी क्या करें ।	**विद्यार्थी क्या न करें**
✓महाविद्यालय के नियमों का पालन ।	X कक्षाएँ, व्याख्यान, असाइनमेंट (समानुदेशन कार्य) प्रोजेक्टर (परियोजन कार्य) और प्रैक्टिकल (प्रायोगिक अभ्यास) न छोड़े।
✓प्रतिदिन महाविद्यालय में पहचान-पत्र लेकर आएँ ।	X अपनी कक्षाओं में देरी से न पहुँचें ।
✓बिना अनुमति शिक्षक-कक्ष में न जाएँ ।	X सभी विद्यार्थियों का नियमित रूप से कक्षा में उपस्थित होना अनिवार्य है ।
✓नियमित रूप से कक्षाओं में उपस्थित हों ।	X पुस्तकालय की पुस्तकों के पृष्ठों को न तो रेखांकित करें, न फाड़े और न उन्हें नष्ट करें ।
✓सभी सांस्कृतिक गतिविधियों और विभागीय समारोहों में उपस्थित होना अनिवार्य है।	X कक्षा और समारोहों में ध्यान भंग न करें ।
✓महाविद्यालय की सांस्कृतिक संस्थाओं में सक्रिय भागीदारी ।	X बरामदों में ज़ोर-शोर से बातें न करें ।
✓राष्ट्रीय कैडर कोर (एन.सी.सी.) राष्ट्रीय सेवा	X किसी भी विवादास्पद फ़ोटो, एस.एम.एस./

योजना (एन.एस.एस.) और खेलों में नियमित रूप से भागीदारी	एम.एम.एस.या अन्य सामग्री का वितरण/प्रसरण या प्रयोग न करें ।
✓प्रतिदिन सूचना-पट्ट पढ़े ।	X महाविद्यालय की दीवारों/ महाविद्यालय परिसर/ महाविद्यालय भवन को नुकसान न पहुँचाएँ।
✓खाली समय में पुस्तकालय का प्रयोग करें।	X कक्षा में रखे फर्नीचर को नुकसान न पहुँचाएँ ।
✓अभद्र भाषा, व्यवहार और व्यर्थ की बहस न करें ।	X डेस्क पर पैर न रखें और न उन पर चढ़कर कूदें ।
✓कठिन परिस्थितियों या परेशानी के समय महाविद्यालय के सदस्यों से बात करें।	X सीढ़ियों पर न बैठें और धक्का-मुक्की न करें ।
✓महाविद्यालय की संपत्ति को नुकसान न पहुँचाएं	X कूड़ा न फैलाएँ। X खाद्य और पेय पदार्थ कक्षा में न लाएँ ।
✓कक्षा समाप्त होने पर कक्ष के पंखे व लाइट बंद कर दें।	X गंभीर और फ़ैलने वाली बीमारी से ग्रस्त होने पर महाविद्यालय न आएँ ।
✓महाविद्यालय की कक्षाएँ समाप्त हो जाने पर महाविद्यालय परिसर में न रहें ।	X रैगिंग में लिप्त न हो । X टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ के साथ दुर्व्यवहार न करें।

कोरोना वायरस महामारी से सुरक्षा के उपाय

सोशल डिस्टेंसिंग का पालन हर समय करना अनिवार्य है ।

अगली सूचना तक मास्क पहनना अनिवार्य रहेगा ।

स्वच्छता को प्रेत्साहन देने के लिए हाथों को बार-बार धोना होगा

अध्यादेश

कॉलेज के छात्र को कॉलेज के अंदर और बाहर अनुशासन और अच्छे आचरण को बनाए रखना आवश्यक है ।अनुशासन नियमों का उल्लंघन और रैगिंग, यौन उत्पीड़न आदि कार्य विश्वविद्यालय के निम्नलिखित अध्यादेश के अनुसार दंडनीय है:

अध्यादेश VII- उपस्थिति के नियम

अध्यादेश XV- (बी)- अनुशासन

अध्यादेश XV- (सी)- एंटी- रैगिंग

अध्यादेश XV- (बी)- यौन उत्पीड़न

रैगिंग पूरी तरह से प्रतिबंधित है और इसमें लिप्त पाए जाने पर कॉलेज से निलंबन किया जा सकता है । किसी भी प्रकार के रैगिंग की घटना की सूचना छात्रसंघ, संकाय सलाहकार या प्राचार्या को दी जा सकती है| माननीय सर्वोच्च न्यालय ने ऐसे मामलों के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं जिनका कॉलेज पालन करेगा| ये अध्यादेश विश्वविद्यालय की वेबसाइड पर उपलब्ध है और छात्रों को उन्हें ध्यान से पढ़ना आवश्यक है ।

प्रवेश समितियां

1-सहायता केंद्र और छात्र कल्याण समिति

1. डॉ.मंजू शर्मा (संयोजक)
2. डॉ.संगीता ढल (पोल वैज्ञानिक) (सह-संयोजक)
3. डॉ.महेश चंद (रसायन विज्ञान)
4. डॉ.ममता चौरसिया (हिंदी)
5. डॉ.मुकेश (अंग्रेज़ी)
6. डॉ. मो. नदीम (गणित)
7. सुश्री अनुराधा कोटियाल (संगीत)
8. श्री अंकुर आनंद (भौतिकी)
9. डॉ.पवन कुमार (वनस्पति विज्ञान)
10. डॉ.रीना जैन (कॉम्प. एससी।)
11. सुश्री माधुरी सिंह (अर्थशास्त्र)
12. डॉ.गीता कुमती (भूगोल)
13. डॉ.ओम प्रकाश (इतिहास)
14. डॉ.विभा ठाकुर (हिंदी)
15. श्री गौरव कुमार (पत्रकारिता)
16. श्री प्रदीप कुमार (बी. वोक।)
17. डॉ.हरि किशन भारद्वाज

2-छात्र शिकायतें

1. छात्र शिकायत समिति
2. डॉ पूनम सचदेवा
3. सुश्री कविता संगरी
4. डॉ मीना चरणा

3-एससी / एसटी / ओबीसी / पीडब्ल्यूडी / ईडब्ल्यूएस (विशेष श्रेणियां प्रवेश समितियां)

विशेष वर्ग (एससी/एसटी/ओबीसी/पीडब्ल्यूडी/ईडब्ल्यूएस) प्रवेश समिति

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समिति

1. सुश्री सुनीता (संयोजक)
2. डॉ.अलका चतुर्वेदी (सह-संयोजक)

3. सुश्री सुबाथरा वी
4. सुश्री शिप्रा गुप्ता
5. सुश्री अदिति चौधरी
6. श्री अवनीश कुमार
7. श्री सुरेश कुमार
8. डॉ.दुर्गेश कुशवाहा
9. सुश्री शालिनी शिखा
10. श्री अमृत अनुराग
11. डॉ.राम सरिक गुप्ता
12. सुश्री बलजीत कौर

ओबीसी समिति

1. डॉ.दीपक यादव (संयोजक)
2. सुश्री सोनिया कम्बोज (सह-संयोजक)
3. श्री सुश्रुत भाटिया
4. डॉ.नगमा प्रवीण
5. सुश्री कीर्तिका लोटनीक
6. सुश्री डी.ए. एस्थर
7. सुश्री स्नेहा सवाई
8. डॉ.रेशु चौधरी
9. श्री अभिषेक कुमार
10. सुश्री भारती

पीडब्ल्यूडी समिति

1. डॉ.अंजनी कुमार (संयोजक)
2. डॉ कल्पना कुमारी (सह-संयोजक)
3. डॉ.उषा पाठक

ईडब्ल्यूएस

1. डॉ.मनीषा अरोड़ा पंडित (संयोजक)
2. डॉ.कंचन बत्रा (सह-संयोजक)
3. डॉ.शिव कुमार (रसायन विज्ञान)

महाविद्यालय प्रशासन समिति

प्राचार्या	प्रो अनुला मौर्य
कोषाध्यक्ष	प्रो पुनीता वर्मा
संयोजक, रैगिंग विरोधी समिति	डॉ पूनम सचदेवा
अपील प्राधिकारी	डॉ अनुला मौर्य
पी.आई.ओ.	सुश्री कर्निका गौड़ (पुस्तकालयाध्यक्ष)
ए.पी.आई.ओ.	सुश्री भावना मुंजाल
एन.सी.सी. अधिकारी	लेफ्टिनेंट डॉ आरती सिंह
एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी	डॉ हरविंदर कौर
एससी/एसटी कानून अधिकार	डॉ एम अरुजींत सहायक प्रोफेसर (वनस्पति विज्ञान विभाग)
ओबीसी कानून अधिकारी	डॉ दिव्या वर्मा सहायक (प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान)
ईडब्ल्यूएस कानून अधिकारी	डॉ अंजली बंसल (सहायक प्रोफेसर वाणिज्य विभाग)
लेखा अधिकारी	श्री विकास गुप्ता
प्रसानिक अधिकारी	श्री संजय कुमार
शैक्षणिक ब्लॉग इंचार्ज	डॉ निशा बक्षी
शैक्षिक ब्लॉक (देखभाल)	श्री हेमंत नंदा
विज्ञान ब्लॉक प्रभारी	प्रो पुष्पा बिंदल
विज्ञान ब्लॉक (देखभाल)	श्री हेमंत नंदा
शिक्षण अनुसंधान और नवाचार ब्लॉक-प्रभारी	डॉ कंचन बत्रा
शिक्षण अनुसंधान और नवाचार ब्लॉक-(देखभाल)	श्री ए.के भारद्वाज
खेल उपयोगिता केन्द्र - प्रभारी	डॉ राखी चौहान
खेल उपयोगिता केन्द्र (देखभाल)	श्री ए.के भारद्वाज
छात्रों की सुविधा केन्द्र - प्रभारी	डॉ पंकज कुमार
छात्रों की सुविधा केन्द्र (देखभाल)	श्री हेमंत नंदा
पुस्तकालय ब्लॉक - प्रभार	डॉ कर्निका गौड़
पुस्तकालय ब्लॉक (देखभाल)	श्री ए.के भारद्वाज

कुछ झलक

कालिंदी एक नज़र में

घटनाएँ और गतिविधियाँ

Organized by
Patron

UNIVERSITY
Ms. Anshu Chotani
Prof. Anula Maurya
Ms. Nalini Asthana

KALINDI COLLEGE
उत्सव :100 Years of Excellence
UNIVERSITY OF DELHI
OCTOBER 19,2022 | 10:30 AM Onwards
Cultural Clubs in collaboration with IQAC, Kalindi College
CHIEF GUEST

कॉलेज लेआउट और मार्ग नक्शा

विवरणिका समिति

संरक्षक	प्रो. अनुला मौर्य
संयोजक	डॉ रिनी पुंडीर
सह संयोजक	डॉ सुश्रुत भाटिया(विवरणिका अंग्रेजी अनुभाग)
सदस्य	डॉ मुकेश
सदस्य	सुश्री स्नेहा सवाई
सदस्य	सुश्री एल पावनी
सदस्य	डॉ एजरा जान
सदस्य	डॉ रश्मि मेनन
सदस्य	श्री शशि शेखर
सह संयोजक (अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद)	डॉ आरती सिंह
विवरणिका हिंदी अनुवाद	सदस्य (हिंदी विभाग)
सदस्य	डॉ मंजू शर्मा
सदस्य	सुश्री रेखा मीणा
सदस्य	डॉ विभा ठाकुर
सदस्य	सुश्री बलजीत कौर
सदस्य	डॉ रक्षा गीता
सदस्य	डॉ ब्रम्हा नंद
सदस्य	डॉ संजय कुमार सिंह
सदस्य	डॉ हेमंत रमण रवि
सदस्य	डॉ ममता चौरसिया
सदस्य	डॉ लवकुश कुमार
वाणिज्य विभाग के प्रतिनिधि	डॉ गुंजन वर्मा
विज्ञान विभाग के प्रतिनिधि	डॉ स्वीटी
सदस्य	डॉ सुशील मालिक
सदस्य	सुश्री रेशु चौधरी
सदस्य	सुश्री नगमा प्रवीण
सदस्य	डॉ साजिद इकबाल

घोषणा (अस्वीकरण)

इस विवरणिका की विषयवस्तु की प्रामाणिकता को सत्यापित करने के लिए हर सावधानी बरती गई है। यहां दी गई सूचना का संबंध केवल कालिंदी कॉलेज के पाठ्यक्रमों से है। विस्तृत जानकारी के लिए आवेदकों को दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट देखने की सलाह दी जाती है। दिल्ली विश्वविद्यालय के संगत नियमों, अध्यादेशों और उप-नियमों में दी गई सूचना अंतिम होगी। विवरणिका में निहित डाटा केवल सांकेतिक है और उसका प्रयोग कानूनी प्रयोजनों के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

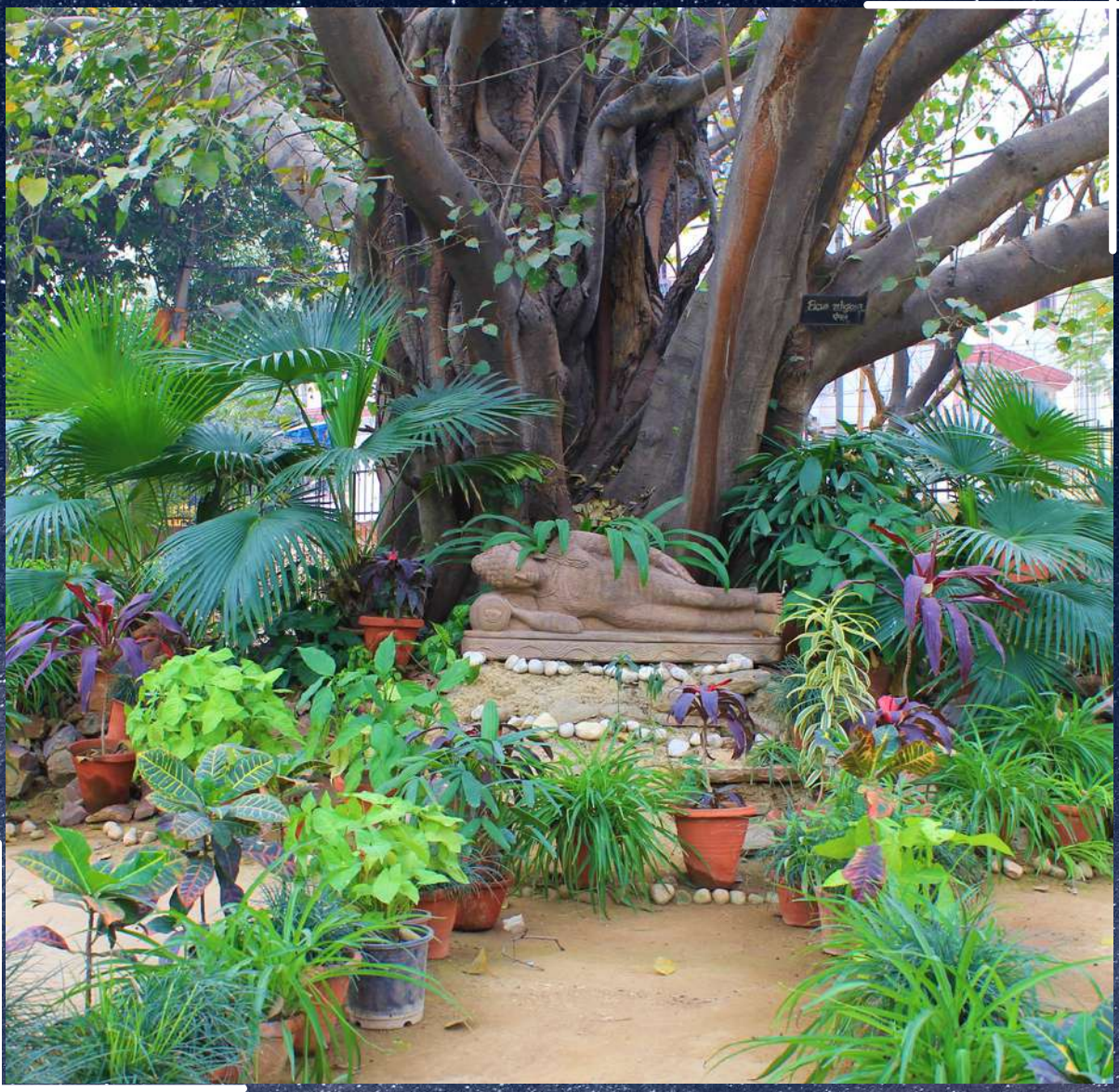

Kalindi College

University of Delhi

East Patel nagar, New Delhi-110008

Phone: 011-25787604, Fax : 011-25782505
Email: kalindisampark@kalindi.du.ac.in
Website: http://www.kalindicollege.in/